शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 05 अगस्त 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 119 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

https://epaper.shubhamsandesh.net

अलविदा दिशोम गुरु

जन्म : 11 जनवरी 1944
निधन : 04 अगस्त 2025

तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री, दो बार केंद्रीय मंत्री, 8 बार लोकसभा सांसद और वर्तमान में राज्यसभा सांसद. 38 साल तक रहे झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष.

जननायक का अवसान

- सोमवार सुबह 8 .56 बजे दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में ली अंतिम सांस
- झारखंड में तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित, झंडा आधा झुकाया गया
- 2 दिन सरकारी कार्यालयों में छुट्टी
- विधानसभा का मानसून सत्र स्थगित
- शाम को रांची लाया गया शव .
- मोरहाबादी आवास पर रखा जाएगा पार्थिव शरीर
- मंगलवार को झामुमो कार्यालय और विधानसभा में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा, उसके बाद पैतृक गांव नेमरा में दिन के 3 बजे अंतिम संस्कार

आज मैं शून्य हो गया -हेमंत सोरेन

सब वीरान हो गया -कल्पना सोरेन

शुभम संदेश टीम।रांची

जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया. उन्होंने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली. वे पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे. दिशोम गुरु के निधन से राज्य भर में शोक की लहर है.सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुजी के निधन की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है. उन्होंने लिखा- बाबा नहीं रहे,आज मैं शून्य हो गया. कल्पना सोरेन ने कहा-सब वीरान हो गया. गुरुजी का पार्थिव शरीर सोमवार शाम रांची लाया गया. अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव नेमरा में मंगलवार को किया जाएगा. उनका पार्थिव शरीर रांची लाने के बाद अंतिम दर्शन के लिए मोरहाबादी आवास में रखा गया है. मंगलवार सुबह पार्टी कार्यालय और वहां से पार्थिव शरीर विधानसभा ले जाया जाएगा. दोनों जगह गुरुजी को श्रद्धांजलि देने के बाद उनके पार्थिव शरीर को गुरुजी के पैतृक गांव रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड के नेमरा गांव ले जाकर अंतिम संस्कार होगा. गुरुजी के निधन पर राज्य में तीन दिन (चार से छह अगस्त तक) के राजकीय शोक की घोषणा की गयी है. इस दौरान कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएंगे. शोक की अवधि तक तीन दिनों तक राष्ट्रीय झंडा आधा झुका रहेगा. चार और पांच अगस्त को सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे.

गुरुजी के निधन के बाद हेमंत सोरेन बोले-

आदिवासियों के लिए छांव थे शिबू सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पिता और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा, आज का दिन बेहद दुखद है. देश के आदिवासी नायक, जिन्हें दिशोम गुरु के नाम से जाना जाता था, अब हमारे बीच नहीं रहे. हेमंत सोरेन ने बताया कि शिबू सोरेन का आज सुबह निधन हो गया. उन्होंने अंतिम सांस तक संघर्ष किया, मुख्यमंत्री ने भावुक स्वर में कहा. उन्होंने आगे कहा, इस महान पुरुष की क्षति पर शोक व्यक्त करने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं. अपने पिता की विरासत को याद करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा, निश्चित रूप से हम उन्हें हमेशा याद रखेंगे. झारखंड की राजनीति और आदिवासी समाज में शिबू सोरेन का योगदान ऐतिहासिक रहा है. दिशोम गुरु के रूप में वे दशकों तक आदिवासियों की आवाज बने रहे और राज्य के निर्माण आंदोलन में अहम भूमिका निभाई.

झारखंड विधानसभा में गूंजा- शिबू सोरेन अमर रहें, सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद सोमवार को झारखंड विधानसभा परिसर भी इस दुखद क्षण में भावुक हो उठा. जैसे ही गुरुजी के निधन की खबर आई विधानसभा 'शिबू सोरेन अमर रहें' के नारों से गूंज उठा. सभी दलों के विधायक, मंत्री भावुक मुद्रा में नजर आए. दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. सदन के अंदर भी एक गहरा सन्नाटा पसरा रहा. झारखंड की राजनीति में एक युग का अंत मानते हुए, विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई. विधानसभा अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों ने शिबू सोरेन के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे सिर्फ एक राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि उन्होंने झारखंडी अस्मिता की एक जीवंत मिसाल पेश की. उनका जाना एक राज्य व देश के लिए अपूरणीय क्षति है.

सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे पीएम मोदी और राष्ट्रपति, हेमंत सोरेन को ढांढस बंधाया

गुरुजी के निधन की खबर से राज्य और देश में शोक की लहर दौड़ गई है . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आऔर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की . इससे पहले प्रधानमंत्री ने हेमंत सोरेन को फोन कर शोक जताया था और उन्हें ढांढस बंधाया था .

आदिवासी पहचान व झारखंड राज्य के गठन के लिए संघर्ष किया : राष्ट्रपति

शिबू सोरेन ने आदिवासी पहचान के लिए किया संघर्ष. उन्होंने आदिवासी पहचान और झारखंड राज्य के गठन के लिए संघर्ष किया . उन्होंने मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में भी योगदान दिया . आदिवासी समुदायों के कल्याण पर उनका जोर हमेशा याद रखा जाएगा .

दिशोम गुरु शिबू सोरेन जमीनी नेता व गरीबों के मसीहा थे : पीएम नरेंद्र मोदी

शिबू सोरेन जमीनी नेता थे . लोगों के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़े . वह आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए भावुक थे . उनके निधन से गहरा दुख हुआ है . झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदनाएं व्यक्त कीं .

गुरु दिशोम शिबू सोरेन के निधन से मैं अत्यंत दुःखी हूं : ममता बनर्जी

झामुमो के संस्थापक और मेरे आदिवासी भाइयों और बहनों के गुरु दिशोम शिबू सोरेन के निधन से दुखी हूं . मेरे भाई हेमंत सोरेन, , उनके पूरे परिवार और अनुयायियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना . मैं उन्हें जानती थी और उनका सच्चा सम्मान करती थी .

सामाजिक न्याय और वंचितों के उत्थान में गुरुजी की महत्ती भूमिका थी : लालू

संघर्षों के हमारे साथी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से मर्माहत हूं . सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के उत्थान में उनकी भूमिका रही है . समस्त राजद परिवार दुख की इस घड़ी में गुरु जी के परिजनों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त करता है .

झारखंड निर्माण में गुरुजी की भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा : राहुल

आदिवासी समाज की मज़बूत आवाज़ शिबू सोरेन ने उनके हक़ और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया . झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा . हेमंत सोरेन और पूरे सोरेन परिवार के साथ–साथ गुरुजी के सभी समर्थकों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं . मैं हमेशा उनके साथ हूं .

लोक संघर्ष के राजनेता को नमन ...

गुरुजी ने समष्टि के लिए अपने व्यष्टि को संघर्ष की वेदिका पर न्योछावर कर दिया

अयोध्यानाथ मिश्र

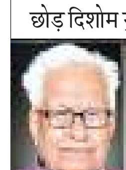

लाखों समर्थकों वैचारिकी से जुड़े एवं संघर्ष के साथियों को छोड़ दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने नियति के विधान को सम्मान दे दिया. शिबू सोरेन माटी के ऐसे सपूत, जिसने समष्टि के लिए अपने व्यष्टि को संघर्ष की वेदिका पर न्योछावर कर दिया. 1975 का दिल दहलाने वाला चासनाला कांड, जिसने तीन सौ से उपर गरीब कोयला खनिकों को एक साथ निगल लिया था, की त्रासदी में एक युवा पीठ पर तीर धनुष लिए व्यवस्था की असंवेदनशीलता को ललकार रहा था. सभी को वाजिब हक दिलाने की लड़ाई में उसने युवा शक्ति को झोंक दिया. संघर्ष से उद्भूत साधना जन्य सामर्थ्य ने अपार लोकप्रियता दिलाई.

इन पंक्तियों के लेखक ने एक विधायी कार्यवश धनवाद उपायुक्त केबी सक्सेना से मिलने के क्रम में पाया कि शिबू सोरेन की संघर्ष शक्ति ने प्रशासन को बाध्य कर दिया है,

संवेदनशील कदम उठाने के लिए. न केवल चासनाला दुर्घटना अपितु संपूर्ण अनुसूचित जनजातीय क्षेत्र अर्थात बिहार के संतालपरगना, छोटानागपुर, ओडिशा, वर्तमान छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त पूर्वोत्तर एवं महाराष्ट्र- गुजरात के आदिवासियों, आदिम जनजातियों के बीच अपूर्व स्वीकृति मिली गुरुजी को. उनकी लोकप्रियता अर्थात समाज परिवर्तन की चेतना एक प्रबल वैचारिकी का विषय बना.

बोकारो के एक शिक्षक ने कहा था," शिबू सोरेन की सहज स्वाभाविक संघर्षशीलता में बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू और अमर्त्य आदिवासी वीरों की आभा दिखाई देती है."

लोकतंत्र में सामाजिक संघर्षशीलता कहीं न कहीं लोक जीवन में बड़े बदलाव, उत्कर्ष और आमलोगों के त्रासद जीवन में व्यापक परिवर्तन के लिए राजनीति का मार्ग अपना लेती है. आजादी की लड़ाई के नायकों को राजनीतिक सत्ता में आना पड़ा था. शिबू सोरेन को लोकसत्ता ने राजसत्ता के विविध आयामों पर स्थापित कर दिया. विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री प्रायः सभी पद प्रकारांतर से मिले, सेवा का अवसर दिए. आज वे साकेतवासी हो गये, पर उनकी सेवा और संघर्ष की वैचारिकी गांव, गरीब, भूख, शोषण के विरुद्ध मशाल जलाती रहेगी.

(-लेखक सामाजिक -आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र के सचिव हैं)

जननायक का अवसान

दिशोम गुरु शिबू सोरेन : जंगल से जनमत तक की यात्रा

सुधीर पाल

1855 में जब सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, और फुलो-झानो ने 'दामिन-ए-कोह' की धरती पर अंग्रेज़ी राज, महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका, तो वह सिर्फ हथियारबंद विद्रोह नहीं था, वह एक नई शासन व्यवस्था की मांग थी—जिसमें आदिवासी समाज अपने तरीके से जी सके, अपने नियम बना सके और अपनी ज़मीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा कर सके. इसी विचार की एक और कड़ी शिबू सोरेन की चेतना में दिखाई देती है. शिबू सोरेन का प्रारंभिक संघर्ष भी बिल्कुल वैसा ही था जैसा संथाल विद्रोह का — महाजनों के खिलाफ, ज़मींदारों के शोषण के खिलाफ, और पुलिसिया अत्याचारों के विरुद्ध. उन्होंने 'धान काटो आंदोलन', जंगल में समाज सुधार सभाएं, शराबबंदी अभियान, बाल विवाह विरोधी आंदोलन जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए. शुरुआत में उनका आंदोलन उग्र था — हिंसा भी हुई, पुलिस से टकराव हुआ. लेकिन फिर केबी सक्सेना जैसे अधिकारियों के हस्तक्षेप और शिबू सोरेन की वैचारिक परिपक्वता के कारण यह आंदोलन लोकतांत्रिक दिशा में मुड़ा.
जहां संथाल विद्रोह में राजा की जगह आदिवासी ग्राम प्रमुख की कल्पना थी, वहीं शिबू सोरेन के आंदोलन में भी गांवों की संप्रभुता की मांग थी. जहां संथाल विद्रोह में हूल' था, वहां शिबू सोरेन के आंदोलन में हुंकार थी—लेकिन उद्देश्य एक था-हम अपनी ज़मीन, जंगल और आत्मा पर किसी बाहरी सत्ता को स्वीकार नहीं करेंगे. शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वे उस क्रांति का नाम हैं, जो ज़मीन की गंध से उठी थी और संसद तक पहुंची. जब भारत की राजनीति में हाशिए पर खड़े समुदायों की बात होती है, तो झारखंड के आदिवासियों की पीड़ा और प्रतिरोध की गाथा में एक नाम सबसे पहले उभरता है—शिबू सोरेन. वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड के जनांदोलन के प्रतीक हैं. उनका जीवन, उनके विचार और उनके संघर्ष आदिवासी अस्मिता, जमीन, जंगल और जल की रक्षा के लिए खड़े हुए उस विराट आंदोलन का हिस्सा है, जिसने एक राज्य को जन्म दिया और हाशिए पर खड़े लोगों को आवाज़ दी.
एक समय नक्सली, फिर जन नेता शिबू सोरेन का शुरुआती जीवन एक तरह से विद्रोही राजनीति की गोद में पला. उन्होंने जमींदारी, महाजनी और बाहरी तत्वों के खिलाफ आवाज़ बुलंद की. उन्होंने आदिवासी किसानों को इकट्ठा कर धनकुबेरों की जमीनों पर हल चलाने की मुहिम शुरू की. यह आंदोलन कई बार हिंसक भी हुआ. सरकारी दस्तावेज़ों में उनका नाम "खतरनाक तत्वों" की सूची में आ गया. पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही थी, लेकिन जनता उन्हें "गुरुजी" के नाम से जानने लगी थी.
कई दस्तावेज बताते हैं कि वे नक्सलपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित थे. लेकिन तभी उनकी मुलाकात हुई—केबी सक्सेना जैसे ईमानदार और संवेदनशील नौकरशाह से, जो उस वक्त बिहार सरकार में पदस्थ थे और बाद में भारत सरकार में सचिव बने. सक्सेना ने शिबू से कहा—तुम्हारी लड़ाई सही है, लेकिन रास्ता गलत है. अगर तुम्हें वाकई अपने लोगों को न्याय दिलाना है, तो बंदूक नहीं, संसद का रास्ता अपनाओ.
यह सलाह शिबू के जीवन का मोड़ बनी. उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया और फैसला किया कि वे बंदूक की जगह वोट की ताकत से लड़ाई लड़ेंगे.
हूल बनाम हुंकार : दो युग, एक चेतना : जब भारत के आदिवासी आंदोलनों का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें दो प्रमुख मोड़ हमेशा उभर कर सामने आएंगे, पहला, 1855 का संथाल विद्रोह और दूसरा, 1970–2000 के झारखंड आंदोलन का उत्कर्ष, जिसका नेतृत्व शिबू सोरेन ने किया. इन दोनों संघर्षों के समय, परिप्रेक्ष्य और रणनीतियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन मूल चेतना, उद्देश्य और अस्मिता की रक्षा की भावना एक ही थी. संथाल हूल तत्कालीन ब्रिटिश राज, महाजनी शोषण और ज़मींदारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समाज की पहली संगठित प्रतिक्रिया थी. संथालों को उनकी ज़मीन से बेदखल किया जा रहा था, उन पर टैक्स थोपा जा रहा था, और महाजन उन्हें सूदखोरी के जाल में फंसा रहे थे. यह केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि एक समांतर शासन व्यवस्था की स्थापना का प्रयास भी था. सिदो-कान्हू ने घोषणा की थी कि अब वे ब्रिटिश राज से स्वतंत्र हैं, और संथाल क्षेत्र अब उनके अपने पारंपरिक प्रमुखों के नियंत्रण में रहेगा. उन्होंने ग्रामसभाओं की बैठकें और सामूहिक निर्णय प्रणाली को सक्रिय किया यानी एक वैकल्पिक, लोक-आधारित शासन मॉडल. हूल का प्रमुख लक्ष्य था जमीन की रक्षा. महाजनी और जमींदारी शोषण का प्रतिरोध और सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे की पुनः स्थापना. संथाल विद्रोह ने एक परंपरागत गणराज्य की कल्पना की थी. शिबू सोरेन ने ग्राम सभा की सर्वोच्चता, पेसा अधिनियम, और जनजातीय स्वशासन की धारणा को संवैधानिक पहचान दिलाने का प्रयास किया.

1970 के दशक में शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी. इस आंदोलन का उद्देश्य था—अलग झारखंड राज्य की स्थापना, ताकि आदिवासी बहुल इलाकों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान मिल सके. 1972 में एके राय और बिनोद बिहार महतो के साथ मिलकर उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना की. यह पार्टी आदिवासियों की आवाज़ बनी. शिबू सोरेन ने जेएमएम के बैनर तले भूमि सुधार, वन अधिकार, और आदिवासी स्वशासन की मांग को लेकर आंदोलन चलाया. उनका आंदोलन सिर्फ भाषण नहीं था, वह आम जनता की चेतना का आंदोलन था. ग्रामीण क्षेत्रों में वह घर-घर जाकर लोगों को जगाते, बैठकें करते, और गीतों के ज़रिए लोगों को एकजुट करते. आदिवासी डोंग जैसे परंपरागत वाद्य यंत्रों की ध्वनि और शिबू के नारों की गूंज मिलती तो जंगल भी गवाह बन जाते.

ज़मीन और खनिज पर हक हूल और हुंकार दोनों के संघर्ष का केंद्र विंदु रहा. संथालों ने ज़मीन के लिए जान दी. संथाल हूल ने अस्मिता को जमीन से जोड़ा था. शिबू सोरेन ने संविधान के माध्यम से यही बात दोहराई—जंगल, जल, जमीन पर पहला हक़ आदिवासी का है. 1855 में संथालों की जमीन हड़पी जा रही थी. 1970 के बाद झारखंड में खनिज लूट के नाम पर जमीन अधिग्रहण, वन भूमि पर कब्जा, और विस्थापन की प्रक्रिया तेज़ हो गई. शिबू सोरेन ने कहा—झारखंड का खनिज झारखंडी का होना चाहिए. भूमि अधिग्रहण, खनिज लीज और विस्थापन के मुद्दे दोनों कालखंडों में प्रासंगिक रहे. शिबू सोरेन के आंदोलन ने भी आदिवासी भाषा, लिपि, रीति-नीति को सरकारी मान्यता दिलाने का प्रयास किया. शिबू सोरेन का आंदोलन इसके खिलाफ जनाधिकार का प्रतीक बना.
विवाद और संकट : शिबू सोरेन का राजनीतिक जीवन विवादों से अछूता नहीं रहा. 1994 में शशि नाथ झा हत्याकांड, 2004 में कोयला घोटाले और 2005 में राज्यसभा चुनाव में कैश फॉर वोट जैसे विवादों में उनका नाम आया. कुछ मामलों में वे दोषमुक्त हुए, तो कुछ में उन्हें इस्तीफा भी देना पड़ा. लेकिन इन संकटों ने उनकी लोकप्रियता को कभी पूरी तरह समाप्त नहीं किया. उनकी सादगी, धरातल से जुड़ाव और आदिवासी हितों के लिए संघर्ष करने की पहचान ने उन्हें बार-बार पुनः स्थापित किया.
जंगल की राजनीति से जनतंत्र की यात्रा : शिबू सोरेन का जीवन एक दार्शनिक पाठ की तरह है. यह बताता है कि राजनीति केवल कुर्सी का खेल नहीं, बल्कि संघर्षों से उपजा जनविश्वास है. उन्होंने जंगलों से निकलकर संसद का रास्ता तय किया, लेकिन जंगल की खुशबू कभी नहीं छोड़ी. उनकी कहानी हमें सिखाती है कि राजनीति तब तक जीवित है जब तक उसमें समाज की पीड़ा के प्रति संवेदना हो.
एक विचारधारा की लंबी यात्रा
संथाल विद्रोह और शिबू सोरेन का आंदोलन एक ही श्रृंखला की दो कड़ियां हैं. एक चेतना जो "हम अपने मालिक खुद हैं" के विश्वास से जन्मी थी. फर्क केवल समय, भाषा, राजनीति और रणनीति का है. 1855 में वह चेतना हूल थी, 1970 में हक़ बन गई, और आज वह संवैधानिक अधिकारों की मांग के रूप में खड़ी है.
पर सवाल वही है-
-क्या झारखंड के आदिवासी अब भी मालिक हैं?
-क्या उनकी ग्राम सभाएं अब भी निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं?
-क्या खनिज सम्पदा से उन्हें कोई लाभ मिल रहा है?

अगर इन सवालों के जवाब 'ना' हैं, तो हमें फिर से हूल की आत्मा और गुरुजी की रणनीति को याद करना होगा.

एक विद्रोही की जन्मकथा

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को बिहार (अब झारखंड) के हजारीबाग (अभी रामगढ़) जिले के नेमरा गांव में हुआ था. उनके पिता सोबन सोरेन को महाजनों ने पीट-पीट कर मार डाला, क्योंकि उन्होंने बगैर ब्याज के ऋण लौटाने का साहस किया था. यह घटना शिबू के भीतर गुस्से की ऐसी आग भर गई, जो आगे चलकर जन आंदोलन की चिंगारी बन गई. यहीं से उनकी चेतना का रूपांतरण हुआ—एक बालक जो खेती करता था, जो जंगलों में महुआ बीनता था, धीरे-धीरे एक सामाजिक कार्यकर्ता और फिर विद्रोही बन गया. उस समय संथाल परगना और आसपास के इलाकों में महाजन और जमींदार आदिवासियों का शोषण कर रहे थे. जमीनों पर कब्जा हो रहा था, और आदिवासी अपने ही जंगल में परदेसी बनते जा रहे थे.

संघर्ष से सत्ता तक

शिबू सोरेन ने 1980 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की. उन्होंने दुमका से लोकसभा सांसद बनकर संसद में प्रवेश किया. यह एक ऐतिहासिक क्षण था—एक ऐसा व्यक्ति जो कभी सरकारी फाइलों में "अपराधी" लिखा जाता था, अब संसद में अपनी जनता की बात रखने वाला जननायक बन गया. इसके बाद 1989, 1991, 1996, 2002, 2004 और 2009 में भी वे सांसद बने. केंद्र सरकारों में उन्हें कोयला मंत्री और जनजातीय मामलों के मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद मिले. उनके प्रयासों से कई जनजातीय क्षेत्रों में योजनाएं लागू हुईं, स्कूल खुले, सड़कें बनीं और वन अधिकार कानून की दिशा में भी माहौल बना. लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी—झारखंड राज्य का निर्माण.

एक प्रतीक, एक प्रेरणा

झारखंडी समाज उन्हें "गुरुजी" कहता है. वे सिर्फ एक नेता नहीं रहे, बल्कि एक संस्कृति, एक भावना और एक चेतना बन गए हैं. वे जंगल के हैं, पर संसद को जंगल की आवाज़ देना जानते हैं. वे मिट्टी के हैं, पर मिट्टी को संविधान से जोड़ने की ताकत रखते हैं. उनका जीवन आदिवासी युवाओं को सिखाता है कि संघर्ष करें, पर रास्ता सोच-समझ कर चुनें. वह यह भी बताते हैं कि सत्ता में आकर भी मूल सवालों को न भूलें—जमीन, भाषा, संस्कृति, स्वशासन और आत्मसम्मान.

किसने क्या कहा

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के वरिष्ठतम नेताओं में से एक, शिबू सोरेन जी, झारखंड के उन कद्दावर नेताओं में गिने जाते थे जिन्होंने जीवन भर समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर आदिवासी समुदाय के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए संघर्ष किया। वे हमेशा जमीन और जनता से जुड़े रहे. मेरा उनसे लंबा परिचय रहा. उनके निधन से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं. ओम शांति!' –
राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

शिबू सोरेन का पूरा जीवन संघर्ष से भरा रहा. एक समाज सुधारक और आंदोलनकारी नेता के रूप में वे हमेशा याद किए जाएंगे. उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में मुझे मंत्री बनने का मौका मिला. वे गरीब और आदिवासी बच्चों के लिए रात्रि पाठशाला खोलने के पक्षधर थे. वे सिर्फ झारखंड नहीं, बल्कि पूरे देश में आदिवासी समाज की पहचान थे.
रघुवर दास, भाजपा नेता

शिबू सोरेन को न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश में आदिवासी समाज के लिए संघर्ष किया. आज पूरा देश उन्हें याद कर रहा है. उनके निधन से झारखंड के आदिवासी समुदाय ही नहीं देश के एक बड़े नेता का अवसान हो गया है. हेमंत सोरेन और परिवार एवं झामुमो के सदस्यों को ईश्वर इस दुख को सहने की शक्ति दे.
मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

गुरुजी के निधन से पूरा देश सदमे में है. यह बहुत बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं. आज हम विधायक या सांसद हैं, तो वह गुरुजी की देन है. चुनाव के समय मैंने उनसे आशीर्वाद लिया था. मेरा पूरा परिवार इस दु:ख की घड़ी में उनके परिजनों के साथ खड़ा है.
इरफान अंसारी, स्वास्थ्य मंत्री झारखंड सरकार

आज पूरा झारखंड इस खबर से स्तब्ध है. शिबू सोरेन झारखंड के लोगों के लिए हमेशा संघर्ष करते रहे. उन्होंने झारखंडवासियों के अधिकारों के लिए जीवन भर लड़ाई लड़ी. –
केशव महतो कमलेश, प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस

झारखंड आंदोलन के प्रणेता और दिशोम गुरु के रूप में लोकप्रिय शिबू सोरेन को याद करते हुए खूंटी से सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा, "शिबू सोरेन ने सामाजिक न्याय, जल–जंगल–जमीन और आदिवासी संस्कृति की रक्षा के लिए आंदोलन खड़ा किया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहेगा. उनके नेतृत्व ने झारखंड को राज्य का दर्जा दिलाने में अहम भूमिका निभाई. प्रदेश ही नहीं, देश ने एक महान जननायक को खो दिया है." उन्होंने आगे कहा, "मैं खूंटी की जनता की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें." वहीं, झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक अहमद ने कहा, "यह अत्यंत दुखद समाचार है. झारखंड राज्य के निर्माता और हमारे अभिभावक अब हमारे बीच नहीं रहे. उन्हें देश का दूसरा गांधी भी कहा जाता था। यह अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती. ईश्वर से प्रार्थना है कि वे उनकी आत्मा को शांति दें और हम सभी को इस दुख को सहने की शक्ति दें."

राजकाज की व्यस्तता के बीच भी गुरुजी की सेवा को तत्पर रहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

शुभम संदेश। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन अब नहीं रहे. पिछले कई वर्षों से बीमार थे. पिछले दो महीने से वह काफी अस्वस्थ हो गए थे. 19 जून 2025 को रुटीन चेकअप के लिए उन्हें दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में ले जाया गया था. तबीयत बिगड़ जाने के बाद उन्हें अस्पताल में रुटीन चेकअप के बाद भर्ती करना पड़ा. उसके बाद गुरुजी के स्वास्थ्य में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा. पक्षाघात भी हुआ. परिवार के लिए गुरुजी के स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने से चिंता बनी रही. लेकिन इस पूरी अवधि में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुत्र धर्म का ईमानदारी से ही नहीं आत्मीयता से पालन किया. 24 जून को गुरुजी को देखने दिल्ली पहुंचने के बाद से हेमंत सोरेन, लगातार दिल्ली में ही रहे. भले ही उनके लगातार दिल्ली में रहने को लेकर विपक्षी दलों व कुछ अपने ही दलों के नेता परोक्ष रूप से ताने भी मारते रहे. ये बातें हेमंत सोरेन के भी कान तक पहुंचती रही. लेकिन हेमंत सोरेन ने पिता गुरुजी का साथ नहीं छोड़ा. दिल्ली में डेरा डाले रहे. देश से लेकर विदेश के चिकित्सकों की सलाह लेकर गुरुजी को स्वस्थ कर लेने की अथक परिश्रम करते रहे. हेमंत सोरेन ही नहीं उनके साथ पत्नी कल्पना सोरेन भी पितृ सेवा में जुटी रही. यह अलग बात है कि ईश्वर ने उन्हें अपने पास बुला लिया. लेकिन पुत्र के नाते हेमंत सोरेन ने गुरुजी की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा. इतना ही नहीं पिता की सेवा के साथ साथ हेमंत सोरेन दिल्ली से झारखंड पर नजर रखे रहे। वहीं जरूरी मीटिंग और फाइल निबटाते रहे. दो-तीन ऐसे मौके आए जब हेमंत सोरेन को दिल्ली से रांची आना पड़ा. 16 वें वित्त आयोग की बैठक को लेकर उन्हें रांची आना पड़ा. इसके बाद उन्हें राष्ट्रपति के दौरे और झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर 30 जुलाई को रांची आना पड़ा. मालूम हो कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एम्स देवघर और आईआईटी धनबाद के दीक्षांत समारोह को लेकर 31 जुलाई को रांची पहुंची थी. फिर एक अगस्त को वह धनबाद से कोलकाता होते हुए दिल्ली चली गयीं. मुख्यमंत्री द्रौपदी मुर्मू के झारखंड दौरे के अलावा मानसून सत्र को लेकर रांची आए. मानसून सत्र के पहले दिन कार्यवाही में भाग लेने के समय ही उन्हें जब गुरुजी की तबीयत कुछ ज्यादा बिगड़ जाने की सूचना मिली तो आनन-फानन में भागे भागे दिल्ली रवाना हो गए. फिर वह एक अगस्त से लगातार दिल्ली में थे. गुरुजी को स्वस्थ करने के लिए कोई जुगत नहीं छोड़ी.

पूरी ईमानदारी से किया पुत्र धर्म का पालन

शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड के राज्यपाल व नेता प्रतिपक्ष ने जताया शोक

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर प्रदेश के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शोक जताया है.
झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने शोक संदेश में कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन अत्यंत दुखद व पीड़ादायक है. वे जनजातीय अस्मिता और अधिकार के सशक्त स्वर थे. राजनीतिक और सामाजिक जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा. शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना.

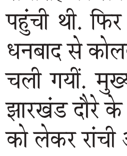

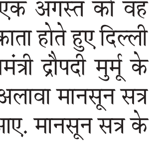

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शिबू सोरेन के निधन को अपूरणीय क्षति बताया. उन्होंने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झामुमो के संरक्षक शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है. उनका जाना झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है. मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं.

आज मैं शून्य हो गया हूं

इस एक पंक्ति से हेमंत सोरेन ने बयां कर दिया अपना सारा दर्द...

आज मैं शून्य हो गया. इस पंक्ति में वो क्रंदन है, जो सबके सामने खुलकर नहीं आ सकता, वो आंसू हैं, जो एक मुख्यमंत्री नहीं बल्कि एक बेटे की आंखों से बह रहे हैं. वो खामोशी है, जिसमें सैकड़ों यादें दब गई हैं. दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह पंक्ति लिखी है. इस एक लाइन में मुख्यमंत्री का पूरा दर्द छलक कर बाहर आ गया है. वह इस एक पंक्ति में वह बहुत सारी बातें कहना चाह रहे हैं. वह बता रहे हैं कि आज मेरे जीवन की सबसे गूंजती आवाज़ खामोश हो गई. जिसने चलना सिखाया, लड़ना सिखाया, सच का साथ देना सिखाया वो अब नहीं हैं. मैंने उन्हें ना सिर्फ पिता के रूप में देखा, बल्कि वो मेरे गुरु थे, मेरे मार्गदर्शक, मेरे सबसे बड़े आलोचक और सबसे सुरक्षित आश्रय थे. वो झारखंड की मिट्टी की आत्मा थे, और मेरे जीवन का आधार भी. जब मैंने राजनीति की राह पकड़ी, तो उनके पदचिह्न मेरे लिए दिशा बने. जब चुनौतियां आईं, तो उनकी आंखों की चमक से हौसला मिला. आज वही आंखें बंद हो गईं. भीड़ के बीच मैं अकेला हूं, शब्दों के बीच मैं मौन हूं, और जीवन की इस दौड़ में आज मैं शून्य हो गया हूं. यह शून्य सिर्फ़ मेरे भीतर नहीं है, यह उस हर झारखंडी के दिल में है, जिसने दिशोम गुरु की संघर्ष गाथा को सुना और जिया है. मेरे पिता, आप भले ही चले गए हों, लेकिन आपकी विरासत, आपकी लड़ाई और आपकी सीख, मेरे रक्त में बहती रहेगी. आपकी आत्मा को मेरा

नमन आज मैं शून्य हो गया... यह केवल एक पंक्ति नहीं, यह उस बेटे की टूटी हुई आवाज़ है. जिसने अपने जीवन का हर पाठ अपने पिता की छांव में सीखा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कलम से निकले ये शब्द सिर्फ़ भाव नहीं, बल्कि उस खालीपन की गवाही हैं, जो एक गूंजते नाम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के न रहने से उपजा है. उन्होंने सिर्फ़ परिवार नहीं बनाया, एक पूरा आंदोलन खड़ा किया. जिस धरती को हाशिए पर छोड़ दिया गया था, उस धरती की आवाज़ बनकर उभरे थे शिबू सोरेन. झारखंड के वन, पर्वत, नदियों और आदिवासी आत्मा के भीतर वे बसते थे. उन्होंने जंगल के अधिकार के लिए संसद की दीवारें हिला दीं. वे न झुके, न थमे, न डरे और यही उनकी सबसे बड़ी शिक्षा थी, जिसे हेमंत सोरेन ने आत्मसात किया. आज मैं शून्य हो गया. भीड़ के बीच एक अजीब सी तन्हाई है जहां पिता की आवाज़ अब नहीं गूंजती, और वो हाथ, जो हर तूफान में कंधे पर था, अब हमेशा के लिए छूट गया. सीएम बता रहे कि मैं शून्य हो गया हूं. क्योंकि अब वो नहीं हैं, जो मेरी हर चुप्पी को सुन लेते थे. अब वो नहीं हैं, जो मेरे हर निर्णय के पीछे खड़े रहते थे. चाहे पूरी दुनिया मेरे खिलाफ क्यों न हो. लेकिन यह शून्य स्थायी नहीं होगा. आपकी तपस्या, आपकी चेतना, और आपके सिद्धांत मेरे रक्त में बहते रहेंगे. आपका नाम हर बार मेरे फैसलों में बोलेगा. आपकी आत्मा मेरे जीवन की अंतहीन ऊर्जा बनकर मेरे साथ चलेगी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 05 अगस्त 2025
श्रावण शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082
रांची एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3
अंक : 119 । मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

गंगा राम अस्पताल पहुंचे राहुल गांधी व खरगे

दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन आज गुरुजी के अंतिम संस्कार में होंगे शामिल
- गुरुजी का अंतिम संस्कार आज नेमरा में, सभी तैयारियां पूरी
- झारखंड के सभी स्कूल-कॉलेज आज रहेंगे बंद, प्रशासन ने जारी किया आदेश

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे गुरुजी के अंतिम दर्शन करने गंगा राम अस्पताल पहुंचे. दोनों ने अस्पताल पहुंच कर दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की. निधन की खबर सामने आने के बाद राहुल गांधी ने सुबह सोशल मीडिया पोस्ट पर भी किया था. उन्होंने लिखा था कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार सुनकर गहरा दुख हुआ. आदिवासी समाज की मज़बूत आवाज़, सोरेन जी ने उनके हक़ और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया. सोरेन जी और पूरे सोरेन परिवार के साथ-साथ गुरुजी के सभी समर्थकों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. इधर मल्लिकार्जुन खरगे ने भी एक पोस्ट कर कहा था कि झामुमो के संस्थापक, शिबू सोरेन जी के निधन से मैं दुःखी हूं. उन्होंने अलग झारखंड प्रदेश और वहां के लोगों के जल, जंगल, जमीन के अधिकार और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आजीवन संघर्ष किया. मैंने उनके सुपुत्र और सीएम हेमंत सोरेन जी से बात कर उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की.

दिशोम गुरु आखिरी जोहार... अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता ।रांची

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन के लिए सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा. एयरपोर्ट से लेकर मोरहाबादी स्थित शिबू सोरेन के आवास तक सड़क के दोनों ओर उनके अंतिम दीदार के लिए मौजूद रहे. सभी की आंखे नम थीं. वहीं रांची एयरपोर्ट पर राज्य के कोने-कोने से गुरुजी के चाहने वाले भी पहुंचे. गुरुजी के अंतिम दर्शन कर सभी भावुक हो गए. आम से लेकर खास तक सभी ने नम आंखों से गुरुजी को श्रद्धांजलि दी. उनके चाहने वाले के हाथों में तख्तियां थीं, जिस पर लिखा हुआ था कि जब तक सूरज चांद रहेगा, गुरुजी शिबू सोरेन का नाम रहेगा. वहीं पूरा रास्ता वीर शिबू सोरेन अमर रहे का नारों से गूंजता रहा. वहीं दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आवास के पास काफी संख्या में उनके चाहने वाले अंतिम दर्शन के लिए मौजूद रहे. आदिवासी छात्रावास की छात्राएं सड़क के दोनों ओर गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए कतार बद्ध खड़ी रहीं. यहां भी उनके चाहने वाले उनके दीदार को बेताब रहे. सभी ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. शिबू सोरेन के आवास पर पहले से मंत्री योगेंद्र प्रसाद और सुदिव्य कुमार सोनू मौजूद थे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इस दौरान उनके साथ मौजूद थे. एयरपोर्ट से शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर उनके मोरहाबादी स्थित आवास ले जाया गया है, जहां उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है. आधिकारिक जानकारी के अनुसार, उन्हें मंगलवार को पार्टी कार्यालय ले जाया जाएगा, जहां झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता और नेता श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. इसके बाद उनका पार्थिव शरीर झारखंड विधानसभा ले जाया जाएगा, जहां सत्तापक्ष और विपक्ष के सभी नेता उन्हें अंतिम विदाई देंगे. अंततः सड़क मार्ग से उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव नेमरा ले जाया जाएगा, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा. शिबू सोरेन के निधन से पूरे झारखंड में शोक की लहर है. वे लंबे समय तक आदिवासी अधिकारों की आवाज बने रहे और राज्य के गठन में उनकी भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता.

▪ आज 10 बजे अंतिम दर्शन के लिए विधानसभा में रखा जाएगा गुरुजी का पार्थिव शरीर, 3 बजे नेमरा में होगा अंतिम संस्कार.

शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो का भावुक संदेश

आज झारखंड की हवा शांत है

रांची । दिशोम गुरु के निधन पर झामुमो के सोशल मीडिया पेज से भावुक पोस्ट की गई है. कहा, आज झारखंड की हवा शांत है, जंगल सिसक रहा, नदियां-पहाड़ मौन व हमारी आत्मा रो रही है, झारखंड निर्माता दिशोम गुरु हमारे बीच नहीं रहे ! झारखंड की आत्मा शिबू सोरेन हम सभी को छोड़कर प्रकृति की गोद में समा गए हैं. ये सिर्फ शोक नहीं, एक युग का अंत है. दिशोम गुरु कोई नाम नहीं था, वो हमारे आंदोलन की रगों में बहता हुआ एक विश्वास था. वो हमारे लिए पहाड़ की तरह अडिग और नदी की तरह सहज थे. ऐसा नेतृत्व, जो न कभी झुका, न कभी थका. हमें सिर्फ राजनीति करना नहीं सिखाया. हमें अपने लोगों से प्यार करना, उनकी तकलीफ़ को महसूसना और उनके हक के लिए पूरे हौसले से लड़ना सिखाया.

हममें से कई लोगों के लिए वे पिता स्वरूप थे. हमारे सपनों में उनका खून-पसीना लगा था. उन्होंने हमें चलना सिखाया. जब हम गांव-गांव में संगठन बनाने निकले थे. जब डर था, संसाधन नहीं थे, तब उनका विश्वास हमारे साथ था. उनका जीवन एक संघर्ष था - पहले जमींदारों से, फिर व्यवस्था से, फिर इस देश की राजनीतिक सोच से - जो आदिवासियों, शोषितों और वंचितों को हाशिये पर रखती थी. उन्होंने हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ी. संघर्ष करते हुए जेल गए, जान को खतरा हुआ, लेकिन डिगे नहीं. और झारखंड का सपना साकार किया. पीढ़ियां उनके संघर्षों की गाथाएं सुन कर बड़ी हुई हैं. और अब, जब वे हमारे बीच नहीं हैं, हमें उनके अधूरे सपनों को पूरा करना है - एक उन्नत झारखंड का.

दिशोम गुरु जी ने झारखंड को दिशा दी, नाम दिया, पहचान दी. हम सबको परिवार की तरह पाला. आपके जाने से हमारा हृदय निर्जीव हो गया है, लेकिन आपकी प्रेरणा में ही हमारा संकल्प है. आपका जीवन दीपक जैसा था,खुद जलते रहे, रोशनी देते रहे. आपकी कमी कोई नहीं भर सकता,लेकिन आपके मार्ग पर चलना ही अब हमारा कर्तव्य है.**अंतिम जोहार दिशोम गुरुजी!**

वोट देगा बिहारी, तो नौकरी भी लेगा बिहारी

क्या है डोमिसाइल नीति, जो नीतीश कुमार ने की लागू

शुभम संदेश।पटना

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने टीचर भर्ती में डोमिसाइल नीति लागू करने का फैसला किया है. इससे भर्ती में बिहारियों को ही प्राथमिकता मिलेगी.

ये बदलाव टीआरई-4,टीआर ई-5 से लागू किया जाएगा. ऐसे में सवाल है कि डोमिसाइल नीति होती क्या है और बिहार में डोमिसाइल को लेकर क्या कहानी रही है. डोमिसाइल का मुद्दा नीतीश कुमार के लिए नया नहीं है. साल 2020 के विधानसभा चुनाव में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डोमिसाइल नीति लागू करने का वादा किया था. इतना ही नहीं, जब सरकार बनी तो नीतीश कुमार ने इसे लागू भी कर दिया था. मगर ये लंबे समय तक नहीं रह पाया और ढाई साल बाद जुलाई 2023 में इसे खत्म भी कर दिया गया. चुनाव के नजदीक होने के साथ ही दूसरी पार्टियों ने इस मुद्दे को उठाया और इसे लागू करने की मांग की गई.

प्रशांत किशोर से लेकर आरजेडी भी इसे लागू करने की मांग कर रही थी. कहा जा रहा था कि पलायन रोकने और बेरोजगारी के संकट को दूर करने के लिए डोमिसाइल नीति जरूरी है. वहीं, आरजेडी का कहना था कि अगर राज्य में उनकी सरकार बनती है तो डोमिसाइल नीति लागू की जाएगी. वैसे आरजेडी उस वक्त सरकार में थी, जब डोमिसाइल नीति को हटाया गया था. उस वक्त सरकार ने तर्क दिया था कि इस नीति को खत्म करने की वजह ये है कि स्कूलों में मैथ्स और साइंस पढ़ाने के लिए अच्छे टीचर्स नहीं मिल रहे थे. इसे लेकर ही प्रदेश में लंबे समय तक छात्रों ने आंदोलन भी किया था. इसमें इस बात पर जोर दिया गया था- वोट दे बिहारी और नौकरी ले बाहरी, अब ये नहीं चलेगा.

रामदास सोरेन की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई

रांची। झारखंड के स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की स्थिति चिंताजनक है. दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाजरत सोरेन के ब्रेन का सोमवार को ऑपरेशन नहीं हो सका. सोमवार को चिकित्सकों द्वारा उनके ब्रेन का ऑपरेशन करने के बारे में फैसला लिया जाना था. लेकिन सोरेन की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए संभव नहीं हो पाया. बाथरुम में ब्रेन स्ट्रोक होने के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के शनिवार को एयर लिफ्ट कर जमशेदपुर से दिल्ली ले जाया गया. वहां इंद्रप्रस्थ अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उन पर नजर रखे हुए हैं. उनके स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद ही चिकित्सक ऑपरेशन का रिस्क लेना चाहते हैं.

आज झारखंड की हवा शांत है, जंगल सिसक रहा है
नदियां- पहाड़ मौन हैं और हमारी आत्मा रो रही है
झारखंड निर्माता दिशोम गुरू अब हमारे बीच नहीं रहे

झारखंडियों के भगवान
आदरणीय
शिबू सोरेन
दिशोम गुरूजी को
भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जन्म : 11.01.1944 | निधन : 04.08.2025

झा.मु.मो

निवेदक
मनोज कुमार पाण्डेय

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

आपको कैसे पता चीन ने जमीन हड़प ली आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते

एजेंसियां।नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना के खिलाफ कथित टिप्पणी के मामले में अपने खिलाफ मानहानि को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है.

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सोमवार को राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि आपको कैसे पता चला कि चीन ने 2000 किमी तक भारत की जमीन हड़प ली है? अगर आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते. कोर्ट ने पूछा, क्या आपके पास विश्वसनीय जानकारी है? आप विपक्ष के नेता हैं तो आप ये बातें क्यों कहेंगे? आप ये सवाल संसद में क्यों नहीं पूछते? इसके जवाब में राहुल की तरफ से पेश हुए अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि उन्होंने संसद में बोलने की छूट पाने के लिए चुनाव नहीं लड़ा. अनुच्छेद 19(1)(ए) राहुल गांधी को सवाल पूछने की इजाजत देता है.

सुप्रीम कोर्ट ने कार्यवाही पर लगाई रोक: सिंघवी ने हाईकोर्ट के तर्क पर कहा कि शिकायतकर्ता, अगर पीड़ित व्यक्ति नहीं है, फिर भी अपमानित व्यक्ति है. बेंच इस पॉइंट पर विचार करने के लिए सहमत हो गई और इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें कार्यवाही रद्द करने से इनकार कर दिया गया था. राहुल गांधी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया है. सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए निचली अदालत में मानहानि मामले की कार्यवाही पर रोक लगा दी और सुनवाई के लिए 3 हफ्ते के बाद का वक्त तय किया है.

राहुल गांधी से कोर्ट के तीखे सवाल

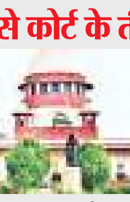

सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने राहुल गांधी की तरफ से दिए गए बयानों पर असहमति जताई. राहुल गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने शुरुआत में दलील दी कि अगर कोई विपक्षी नेता मुद्दे नहीं उठा सकता, तो यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी. अदालत में सिंघवी ने कहा कि अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते. इस पर जस्टिस दत्ता ने पूछा, आपको जो कुछ भी कहना है, संसद में क्यों नहीं कहते? आपको सोशल मीडिया पोस्ट में यह क्यों कहना है? राहुल गांधी के बयान पर असहमति जताते हुए जस्टिस दत्ता ने पूछा, आप बिना किसी सबूत के ये बयान क्यों दे रहे हैं. अगर आप एक सच्चे भारतीय होते, तो आप यह सब नहीं कहते.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद कुरकु गांव में पसरा सन्नाटा, शोक में नहीं जले चूल्हे

शुभम संदेश । रांची

झारखंड के अलग राज्य आंदोलन की नींव रखने वाले और "दिशोम गुरु" के नाम से मशहूर पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन की खबर से पूरे राज्य में शोक की लहर है. लेकिन सबसे ज्यादा खामोशी पसरी है उस गांव में, जहां से उनके संघर्ष की शुरुआत हुई थी- गिरिडीह जिले का कुरकु गांव. वर्ष 1974 में शिबू सोरेन ने इसी गांव से शोषण और अन्याय के खिलाफ बिगुल फूंका था. कुरकु से शुरू हुआ य ह आंदोलन बाद में झारखंड के अलग राज्य की मांग का आधार बना. उनका प्रभाव इतना गहरा था कि आज जब वह नहीं हैं, तो उनके गांव में मातम का माहौल है. गांव के चूल्हे भी आज नहीं जले. शिबू सोरेन के करीबी सहयोगी रहे भुनेश्वर सोनकर बताते हैं, वो हमारे ही मिट्टी के घर में रहते थे. वहीं से महाजनी प्रथा, अशिक्षा और हड़िया-दारू जैसी कुरीतियों के खिलाफ आंदोलन चलाते थे. उन्होंने हर गरीब की आवाज को ताकत दी थी. गांव की महिला ममता ठाकुर की आंखें नम हैं. उन्होंने बताया, गांव के मंदिर में दिशोम गुरु गांव वालों के साथ बैठक करते थे, आंदोलन की रणनीति बनाते थे. वही मंदिर आज सूनसान है. शिबू सोरेन ने गिरिडीह के पीरटांड़ और धनबाद के टुंडी जैसे सीमाई इलाकों में जनजागरण का कार्य किया. पोखरिया गांव में उन्होंने अपने आंदोलन का स्थायी डेरा बनाया था,

जहां से उन्होंने गरीबों और आदिवासियों को एकजुट किया. आज जब वो इस दुनिया में नहीं हैं, उनका गांव एक गहरे दुख में डूबा है. ग्रामीणों के अनुसार, शोक में डूबे गांव में किसी ने आज खाना नहीं बनाया, बच्चे तक चुप हैं. दिशोम गुरु का जाना एक युग का अंत है, लेकिन उनका संघर्ष और सिद्धांत हमेशा जीवित रहेंगे. खासकर उस कुरकु गांव में, जहां से उन्होंने इतिहास की एक नई इबारत लिखी थी.

एक युग का अंत... शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड के दिग्गज नेताओं ने जताया शोक

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक और आदिवासी समुदाय के महान योद्धा दिशोम गुरु शिबू सोरेन का सोमवार सुबह निधन हो गया. 81 वर्षीय गुरुजी ने दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में अंतिम सांस ली. शिबू सोरेन के निधन पर देशभर में शोक की लहर है. वहीं पार्टी सहित पूरे राज्य भी शोक में डूबा है. राज्यपाल, सीएम हेमंत सोरेन, राज्य के विभिन्न दलों के विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने ने गुरु जी के निधन पर शोक जताया है और इसे एक युग का अंत बताया है. नेताओं ने गुरु जी को झारखंड की आत्मा, संघर्ष की आवाज और गरीबों के दिलों की धड़कन भी बताया है.

जनजातीय अस्मिता व अधिकार के सशक्त स्वर थे : राज्यपाल

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन अत्यंत दुखद व पीड़ादायक है. वे जनजातीय अस्मिता व अधिकार के सशक्त स्वर थे. राजनीतिक-सामाजिक जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा. शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना

आपके साथ बिताये पल याद आ रहे हैं : चंपाई

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन की दुखद सूचना से शोकाकुल हूं. मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें. यह एक युग का अंत है. झारखंड आंदोलन के दौरान पहाड़ों, जंगलों एवं सुदूरवर्ती गांवों से लेकर विधानसभा तक, आपके साथ बिताये पल याद आ रहे हैं.

गुरुजी के निधन से शून्य की उत्पत्ति, इसे हेमंत सोरेन भरेंगे : सरयू राय

जदयू विधायक सरयू राय ने कहा कि गुरुजी के निधन से एक शून्य उत्पन्न हो गया है. मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस शून्य को भरेंगे. झारखंड ने एक महानायक खो दिया है. मैं उनके प्रति सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें.

गुरु जी ने झारखंड की आवाज को बुलंदी से रखा : श्वेता सिंह

कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने लिखा कि आदरणीय शिबू सोरेन जी हमारे अभिभावक तुल्य थे. झारखंड की आवाज को उन्होंने सदैव बुलंदी से रखा. उनका जाना हम सभी के लिए बेहद दुखद है. हम इस दुख की घड़ी में हेमंत सोरेन और उनके परिवार के साथ हैं.

एक व्यक्ति नहीं, विचार और सिद्धांत थे गुरु जी : राजेश कच्छप

कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि गुरुजी का निधन एक युग का अंत है. वह एक व्यक्ति नहीं बल्कि विचार और सिद्धांत थे. उन्होंने जल, जंगल, जमीन के अधिकार के लिए तपस्या की और वंचितों की आवाज बने. उन्हें युगों तक याद किया जाएगा.

वंचित समाज के मसीहा थे गुरुजी: हफीजुल हसन

अत्यंत दुखी मन से झारखंड राज्य के निर्माता, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद, आदिवासियों और वंचित समाज की आवाज, हमारे प्रिय आदरणीय बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के दुखद निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं. गुरुजी के जाने से झारखंड में जो शून्यता उत्पन्न हुई है, वह अपूरणीय है. उनका निधन मेरे और मेरे परिवार के लिए व्यक्तिगत क्षति है. उनकी सेवा, संघर्ष और नेतृत्व की विरासत हमेशा हमें प्रेरित करती रहेगी.

दिशोम गुरु का जाना अपूरणीय क्षति: सुप्रियो भट्टाचार्य

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने एक शोक संदेश जारी कर इसे "पार्टी, झारखंड राज्य एवं देश के आदिवासी-मूलवासी, शोषित-दलित, मजदूर-किसान, महिला एवं जनसमुदाय के लिए हिमालय के स्खलन समान क्षति" बताया है. गुरुजी सदैव धारा के विपरीत जाकर संघर्ष किये.

शिबू सोरेन सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि एक आंदोलन हैं : दीपिका

झारखंड की मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि पूरे राज्य में शोक व्याप्त हो गया है. 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि एक आंदोलन हैं. उनकी विरासत हमारे विचारों और हमारे काम के जरिए हमेशा जिंदा रहेगी. मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं. उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें.

दिशोम गुरु का जाना झारखंड के लिए गहरा आघात : शशिभूषण मेहता

भाजपा विधायक शशिभूषण मेहता ने कहा कि दिशोम गुरु जमीन से जुड़े हुए एक संघर्षशील नेता थे. उनका जाना झारखंड के लिए गहरा आघात है. यह क्षति निकट भविष्य में पूरी नहीं की जा सकती. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनके परिवार को ईश्वर शक्ति प्रदान करें.

गुरुजी ने राजनीति में जो मिसाल कायम की, उसे भर पाना मुश्किल : सत्येंद्र

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुजी ने जीवनभर गरीबों और वंचितों के हक के लिए लड़ाई लड़ी. उनका निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है. उन्होंने राजनीति में जो मिशाल कायम की, उसे भर पाना मुश्किल है.

झारखंड गुरुजी के संघर्ष का परिणाम : प्रदीप यादव

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वीर शिबू' एक नाम नहीं, संघर्ष का पर्याय हैं. उनकी आवाज जंगल से उठती थी और महलों तक गूंजती थी. उन्होंने आदिवासी, दलित और पिछड़ों के हक की लड़ाई लड़ी. झारखंड उन्हीं के संघर्ष का परिणाम है. उनके दिखाए रास्ते पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

झारखंड की आत्मा शोकाकुल है: चमरा लिंडा

झारखंड आंदोलन के प्रणेता, जननेता, राज्यसभा सांसद आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन से झारखंड की आत्मा शोकाकुल है. वे केवल नेता नहीं, एक युग थे. वे आदिवासी अस्मिता, संघर्ष और नेतृत्व की मिसाल थे. मारंग बुरु देवता और मां सरना से प्रार्थना करता हूं कि उनके दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे.

शिबू सोरेन के निधन पर दो दिन बंद रहेगा झारखंड पुलिस मुख्यालय

रांची। झारखंड सरकार ने दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है. इस दौरान दो दिन झारखंड पुलिस मुख्यालय बन्द रहेगा. इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता के द्वारा सोमवार को एक आदेश जारी किया गया है. जारी आदेश में कहा गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री, सह-राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर सरकार के द्वारा चार अगस्त से छह अगस्त तक राजकीय शो घोषित किया है. इस दौरान कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएंगे. शोक की अवधि तक राष्ट्रीय झंडा आधा झंडा झुका रहेगा. इस दौरान डीजीपी ऑफिस चार और पांच अगस्त को बन्द रहेंगे.

सिर्फ नेता नहीं, जननायक थे दिशोम गुरु : अर्जुन मुंडा

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने लिखा कि गुरुजी मुझे 'अर्जुन' कहकर बुलाते थे. उनका स्नेह, सरलता और आत्मीयता अविस्मरणीय है. वह केवल एक नेता नहीं, बल्कि जननायक थे. उन्होंने आदिवासी अस्मिता और अधिकार के लिए जो लड़ाई लड़ी, वह पूरे देश में गूंजती रही. उनका जीवन सेवा और संघर्ष की मिसाल है.

झारखंड आंदोलन के अग्रदूत थे गुरुजी : सीपी सिंह

झारखंड के पूर्व सीएम, झारखंड आंदोलन के अग्रदूत और झामुमो के संरक्षक शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत शोकपूर्ण है. उनका जाना झारखंडी अस्मिता, अधिकार और आत्मबल के एक युग का अंत है.

झारखंड की आत्मा थे गुरुजी: राधाकृष्ण किशोर

दिशोम गुरु सिर्फ एक नाम नहीं था, वे झारखंड की आत्मा थे. आज एक युग का अंत हो गया है. मैंने उन्हें केवल एक राजनेता के रूप में नहीं देखा, बल्कि एक पथ प्रदर्शक, एक मार्गदर्शक और झारखंडी स्वाभिमान की जीती जागती मूर्ति के रूप में अनुभव किया है. वे संघर्ष की मिसाल थे.

प्रकृति की गोद में समा गए गुरुजी: महुआ माजी

युग पुरुष झारखंड निर्माता, हम सबके अभिभावक, मार्गदर्शक, झारखंड के पूर्व सीएम, गुरुजी हम सभी को छोड़ कर प्रकृति की गोद में समा गए. पूरे देश में शोक की लहर. संसद में शोक सभा.

झारखंड के लिए समर्पित रहे गुरुजी: संजय सेठ

राज्यसभा सांसद और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी के देहावसान का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ. उनका सम्पूर्ण जीवन झारखंड व झारखंड की जनता के लिए समर्पित रहा. ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें. परिवारजनों दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें.

बाबा मन में बसते हैं : दीपक बिरुआ

गुरु ऐसे जिन्होंने बिना दक्षिणा के ही हम सभी को दक्ष बनाया, आप अमर हैं बाबा. आपका जाना मेरे लिए एक निजी क्षति है और आज हम आदिवासी समाज के हितों को पहचान दिलाने वाले दीपक की लौ भले ही बुझी हो लेकिन उनके द्वारा दिए गए ज्ञान को समस्त समाज सदियों तक अनुकरण करता रहेगा.

झामुमो को बढ़ाने में अहम योगदान: निशिकांत दुबे

एक युग का अंत हुआ, भगवान आपको और आपके पूरे परिवार को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे. आदरणीय शिबू सोरेन जी ने झामुमो को बढ़ाने में बड़ा योगदान दिया.

गुरुजी के निधन से मन व्यथित है: नवीन जायसवाल

झारखंड आंदोलन के अगुआ, दिशोम गुरु आदरणीय शिबू सोरेन जी के निधन की खबर से मन बहुत दुःखित व व्यथित है.. मरांग बूरू पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं उनके स्वजनों,प्रशंसकों व उनके समर्थकों को यह अपार पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें.

सामाजिक चेतना के एक युग का अंत हो गया : अन्नपूर्णा देवी

झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, झारखंड आंदोलन के अग्रदूत एवं तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे आदरणीय शिबू सोरेन 'गुरुजी' जी के निधन से गहरा दुःख हुआ. उनका निधन झारखंड की राजनीति और सामाजिक चेतना के एक युग का अंत है. ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दे.

झारखंड की चेतना थे गुरुजी: अमर बाउरी

झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, झारखंड आंदोलन के अग्रदूत एवं तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे आदरणीय शिबू सोरेन 'गुरुजी' जी के निधन से गहरा दुःख हुआ. उनका निधन झारखंड की राजनीति और सामाजिक चेतना के एक युग का अंत है. ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दे.

गुरुजी के निधन से काफी मर्माहत हूं: ढुल्लू महतो

झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री और संघर्ष की प्रतिमूर्ति शिबू सोरेन 'गुरुजी' के निधन से अत्यंत मर्माहत हूं. उनका जाना केवल एक महान राजनीतिज्ञ का अवसान नहीं, बल्कि झारखंड की सामाजिक चेतना, आदिवासी स्वाभिमान और जनसंघर्ष के एक युग का अंत है। उन्होंने जन-जन के अधिकार और पहचान के लिए जो तप और बलिदान दिया.

एक युग का अवसान: सुदेश महतो

गुरुजी के निधन से एक युग का अवसान हो गया है. गुरुजी को ईश्वर अपने चरणों में स्थान दें और परिवार को यह दुख सहने की शक्ति.

विनम्र श्रद्धांजलि दिशोम गुरु: शिल्पी नेहा तिर्की

गुरुजी, दिशोम गुरु. विनम्र श्रद्धांज लि. आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे. हम कभी आप को भूल नहीं पाएंगे. आप बहुत याद आएंगे

आज हर आदिवासी घर सूना हो गया : अजय तिर्की

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि आज आदिवासियों के मार्गदर्शक और संघर्ष के प्रतीक हमारे बीच नहीं रहे. वे शराबबंदी, जंगल, जमीन और जल की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक लड़ते रहे. आज हर आदिवासी घर सुना हो गया है.

सिर्फ नेता नहीं, आदिवासी राजनीति के स्तंभ थे गुरु जी : निरंजना हेरेंज

जय आदिवासी केंद्रीय परिषद की अध्यक्ष निरंजना हेरेंज ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ नेता नहीं, बल्कि आदिवासी राजनीति के स्तंभ थे. उनके निधन से आदिवासी समाज के राजनिति क्षेत्र में एक युग का अंत हो गया.

शिबू सोरेन ने आदिवासी अधिकारों को कानूनी रूप में मजबूत किया : जगदीश पाहन

पाहन महासंघ के अध्यक्ष जगदीश पाहन ने भी गुरु जी के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन वह आवाज थे. जिन्होंने आदिवासी अधिकारों को कानूनी रूप में मजबूत किया, सीएनटी और एसपीटी जैसे कानूनों को धरातल पर लाने के लिए हमेशा वकालत करते थे.

अन्याय के खिलाफ उठने वाली आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई : डबलू मुंडा

कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डबलू मुंडा ने कहा कि दिशोम गुरु का जाना आदिवासियों के लिए बहुत बड़ा झटका है. उनकी बुलंद आवाज, जो हर अन्याय के खिलाफ उठती थी.

ब्रीफ न्यूज

छात्रा की मौत पर विद्यालय में शोकसभा

लातेहार। जिला मुख्यालय के करकट ग्राम स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय की कक्षा दो की छात्रा आरोही कुमारी (माको) की मौत पर विद्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया. आरोही की तबीयत कुछ दिनों से खराब थी. शोकसभा में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी गयी. राजकीय शोक होने के बाद विद्यालय दो दिनों के लिए बंद कर दी गयी. शोक सभा में प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहन प्रसाद, शंकर पंडित, उमा कुमारी, सुचिता मिंज, ज्ञान प्रभा मिंज, अतुल कुमार, पवन कुमार के अलावा माता समिति की कई सदस्य एवं विद्यालय के छात्र व छात्रायें मौजूद थे.

सेविका-सहायिका ने दिया जिला मुख्यालय पर धरना

लातेहार। झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी वर्कर्स यूनियन के बैनर तले जिले की आंगनबाड़ी सेविका व सहायिकाओं ने सोमवार को जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना दिया. प्रदर्शनकारियों ने सरकारी कर्मचारी का दर्जा, सेवानिवृत्ति पर 5 लाख की एकमुश्त राशि और मानदेय का आधा पेंशन देने की मांग उठाई. साथ ही एफआरएस प्रणाली में सुधार और बीएलओ कार्य से मुक्ति की मांग की गई. प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बालमुकुंद सिन्हा ने कहा कि 62 वर्ष के बाद सेविकाओं को बिना लाभ हटाया जा रहा है, जो अत्यंत पीड़ादायक है. सेविकाओं के लिए पर्यवेक्षिका पद पर पदोन्नति, सहायिका को सेविका बनाने व उम्र सीमा हटाने की मांग भी की गई.

चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

मेदिनीनगर। शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन शातिर चोरों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रमोद पाण्डेय (निवासी – नंबर टाउन, कुम्हार टोली), अनिकेत तिवारी (निवासी – कोकरसा गांव, पंडवा थाना) और संजीत ओझा (निवासी - रामपुर, कुटुम्बा थाना, औरंगाबाद, बिहार) के रूप में हुई है. शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने प्रेस वार्ता में बताया कि टीओपी-02 प्रभारी के नेतृत्व में टाइगर मोबाइल के जवानों के साथ रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया. इसी दौरान रेलवे कॉलोनी से टीओपी-02 जाने वाले मार्ग में संदेह के आधार पर प्रमोद पाण्डेय को रोका गया. तलाशी लेने पर उसके पास से चुनार-बरवाडीह पैसेन्जर ट्रेन से चोरी किया गया नोकिया मोबाइल बरामद हुआ.

प्रयागराज रेलवे स्टेशन से सकुशल मिला लापता किशोर

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र के कंकारी गांव से 31 जुलाई को रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुआ 17 वर्षीय किशोर पंकज कुमार सकुशल बरामद कर लिया गया है. उत्तर प्रदेश के प्रयागराज रेलवे स्टेशन के पास से उसे पुलिस और समाजसेवियों की मदद से खोज निकाला गया. पंकज, कंकारी निवासी बच्चू चौधरी का पुत्र है. लापता होने के बाद परिजनों ने चैनपुर थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी सहायता और मोबाइल नेटवर्क ट्रेसिंग के जरिए पंकज की खोजबीन शुरू की. जांच में मोबाइल लोकेशन प्रयागराज रेलवे स्टेशन के आसपास पाई गई. इसके बाद श्रीराम शर्मा ने तत्काल एक टीम गठित कर जांच की.

संघर्ष के जननायक और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से शोक की लहर

झारखंड ने अपना सच्चा सपूत खो दिया: बैद्यनाथ राम

शुभम संदेश। लातेहार

संघर्ष के जन जनायक व झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया. उन्होंने दिल्ली के गंगा राम अस्पताल में सुबह 8.56 बजे 81 साल की उम्र में अंतिम सांस ली. शिबू सोरेन के निधन पर पूर्व मंत्री सह झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष बैद्यनाथ राम ने भी शिबू सोरेन के निधन पर शोक प्रकट किया. उन्होने कहा कि झारखंड ने

अपना एक सच्चा सपूत खो दिया है. उनके निधन से झारखंड की राजनीति में एक रिक्तता आ गयी है. इसे पूरा कर पाना असंभव है. झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव कहा कि झारखंड ने अपना एक अभिभावक खो दिया है. उनकी कमी को पूरा कर पाना मुश्किल है. अलग झारखंड राज्य निर्माण में दिशोम गुरू की अग्रणी भूमिका थी. वे झारखंड की राजनीति में चार दशक से अधिक समय तक ध्रुव तारा की तरह चमकते रहे. मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने भी शिबू सोरेन के निधन पर शोक प्रकट किया और कहा कि उनक निधन से झारखंड ने अपने अगुआ को खो दिया है. झारखंड निर्माण में उनका बहुत ही बड़ा योगदान रहा है. कांग्रेस मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी ने भी दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है. उन्होने कहा कि शिबू सोरेन न सिर्फ आदिवासी वरन एक सर्वमान्य नेता था. उन्होने महाजनी प्रथा के खिलाफ आंदोलन किया और समाज के दबे कुचले लोगों को उनका हक दिलाने का प्रयास किया.

तरहसी के टरिया गांव में प्रेम -प्रसंग में बेटी और प्रेमी की हत्या

माता-पिता समेत पांच पर मामला दर्ज, दो गिरफ्तार

शुभम संदेश। तरहसी (पलामू)

तरहसी थाना क्षेत्र के टरिया गांव में दिल दहला देने वाली दोहरी हत्या का मामला सामने आया है. रविवार शाम पुलिस ने एक कच्चे कुएं से युवक और युवती के शव बरामद किए, जिनकी पहचान सुभाष कुमार उर्फ कारू सिंह (22 वर्ष), पिता बिरेन्द्र सिंह, निवासी भण्डरा गांव, और विभा कुमारी (21 वर्ष), पिता उपेन्द्र महतो, निवासी पूर्णी टरिया गांव के रूप में की गई. दोनों के बीच प्रेम संबंध थे, जिसे लेकर युवती के परिजन नाराज थे.

तरहसी थाना प्रभारी आनंद राम ने बताया कि प्रेम प्रसंग को लेकर युवती के माता-पिता और अन्य परिजनों ने मिलकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया. मामले में पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिनमें से दो आरोपियों – उपेन्द्र महतो (पिता) और कलावती देवी (माता) – को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. शेष तीन आरोपियों – जनेश्वर महतो, विमलेश महतो उर्फ राजेश महतो और राकेश महतो (तीनों पुत्र रामदास महतो) – की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है. थाना प्रभारी ने

बताया कि रविवार शाम लगभग 6:15 बजे पुलिस को सूचना मिली कि टरिया गांव के एक कच्चे कुएं में युवक-युवती के शव पाए गए हैं. पुलिस दल ने घटनास्थल पर पहुंच कर शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक सुभाष के भाई जयप्रकाश कुमार के लिखित आवेदन पर तरहसी थाना कांड संख्या 67/2025 दर्ज कर जांच शुरू की गई.

जांच के दौरान चौंकाने वाले खुलासे हुए. पूछताछ में विभा के माता-पिता ने स्वीकार किया कि उन्होंने ही 1 अगस्त की रात योजनाबद्ध तरीके से अपनी बेटी और उसके प्रेमी की हत्या की. पहले विभा को बहला-फुसलाकर बुलाया गया, फिर सुभाष को भी बुलवाया गया. इसके बाद मां, पिता और चाचा ने मिलकर दोनों की लाठी और लोहे की छड़ से पीट-पीटकर हत्या कर दी और शवों को दीपन महतो के कुएं में फेंक दिया. पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लाठी, लोहे की छड़ और मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है. शवों की स्थिति से पता चलता है कि हत्या अत्यंत नृशंसता से की गई. सुभाष की आंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी, जबकि शरीर के अगले और पिछले हिस्से में जलने के भी निशान पाए गए. छापेमारी टीम में थाना प्रभारी आनंद राम के अलावा पुअनि मनिन्द्र कुमार शर्मा, एएसआई संजय कुमार, पुलिस जवान परशुराम रवि, घनश्याम उराँव और मनोज कुमार यादव शामिल थे. पुलिस अब फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है.

जनता दरबार में ग्रामीणों की शिकायतें सुनी गयी

लातेहार। सासंग पंचायत सचिवालय में पंचायत समिति सदस्य नसबुलेन आलम की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया. जनता दरबार में पंचायत के तकरीबन सभी गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं को पंचायत समिति सदस्य एवं मुखिया अनति देवी के समक्ष रखा. ग्रामीणों के द्वारा पेंशन, जाति, आवासीय, जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, विधवा पेंशन एवं बरसात में कच्चे मकान गिरने जैसी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए गए.जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए पंचायत समिति सदस्य नसबुलेन आलम व मुखिया अनति देवी ने ग्रामीणों को भरोसा दिया कि संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र ही उनकी समस्याओं समाधान किया जाएगा.

जीएनएम बिल्डिंग में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल की जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) बिल्डिंग में सोमवार सुबह अचानक आग लग गई. प्राथमिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है. घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और मरीजों तथा उनके परिजनों में दहशत फैल गई. हालांकि, अस्पताल कर्मियों की तत्परता और सूझबूझ से स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण पा लिया गया. कर्मचारियों ने फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग को फैलने से पहले ही बुझा दिया.

पहाड़ी मंदिर के रास्ते में रेलवे फुट ओवरब्रिज निर्माण की मांग तेज

मयंक विश्वकर्मा। बरवाडीह

बरवाडीह (लातेहार)। प्रखंड मुख्यालय के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर रेलवे फुट ओवर ब्रिज निर्माण की मांग तेजी से बढ़ रही है. सावन मास की सोमवारी के दिन यहाँ हजारों की संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए आते हैं, लेकिन रेलवे लाइन पार करने के दौरान सुरक्षा की गंभीर कमी लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है. बरवाडीह का प्राचीन पहाड़ी मंदिर न केवल स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रों जैसे केचकी, मांगरा, छिपादोहर, हेहेगड़ा, कुमांडी और बेंदी के लोगों के लिए बल्कि पड़ोसी जिलों पलामू, गढ़वा और छत्तीसगढ़ राज्य के श्रद्धालुओं के लिए भी आस्था का बड़ा केंद्र है. मंदिर पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को बाबा चौक के पास रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है, जहां न तो कोई फुट ओवर ब्रिज है और न ही कोई सुरक्षित मार्ग उपलब्ध है. श्रद्धालु ट्रेन गुजरने का इंतजार करते हुए रेलवे ट्रैक के किनारे खड़े दिखाई

देते हैं, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ जाती है.

स्थानीय लोगों ने बताया कि कई वर्षों से फुट ओवर ब्रिज की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. सावन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने के कारण यह समस्या और गंभीर हो जाती है, जब लाखों श्रद्धालु रेलवे ट्रैक पार करते हैं. इस असुविधा और खतरे के बावजूद अभी तक सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं. कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं पलामू विधानसभा प्रभारी विजय बहादुर सिंह ने इस मामले पर गंभीरता दिखाई है. उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और वे जल्द ही रेलवे अधिकारियों को पत्र लिखकर फुट ओवर ब्रिज निर्माण के लिए पहल करेंगे. उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले सावन तक श्रद्धालुओं को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. इस कदम से श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और आने वाले समय में दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी. स्थानीय प्रशासन और रेलवे अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इस मांग को प्राथमिकता देते हुए जल्द समाधान निकालेंगे ताकि आस्था के इस महत्वपूर्ण स्थल तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित हो सके.

ऊंटारी रोड में पूर्व प्रधानाचार्य बृहस्पति कुमार को किया गया सम्मानित

विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया

शुभम संदेश। उंटारी रोड (पलामू)

राजकीयकृत गांधी +2 उच्च विद्यालय ऊंटारी रोड में पूर्व प्रधानाचार्य बृहस्पति कुमार चौबे के 15 वर्षों की सेवा पूर्ण होने पर विद्यालय परिवार ने भावपूर्ण सम्मान समारोह आयोजित किया. इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर उनकी उपलब्धियों को चिरस्मरणीय बनाने का प्रयास किया गया. समारोह के दौरान चौबे ने अपने संघर्षों की यादें साझा करते हुए कहा कि जब उन्होंने पहली बार ऊंटारी रोड में कदम रखा, तब क्षेत्र में शिक्षा का वातावरण बेहद कमजोर था. प्रारंभ में 1-2 छात्र ही उपस्थित होते थे, लेकिन सतत परिश्रम और प्रतिबद्धता के बल पर विद्यालय में बच्चों की संख्या 1400 से 1500 तक पहुंच गई.

कहा वर्ष 2017 में विद्यालय को प्लस टू की मान्यता मिली, जो एक बड़ी उपलब्धि रही. उन्होंने 10 वर्षों तक प्रभारी प्रधानाचार्य के रूप में कार्य करते हुए विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया. वर्तमान प्रधानाचार्य मोहम्मद अजीम अंसारी ने उन्हें पौधा, चादर और मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया और कहा कि

डेढ़ दशक तक एक संस्था में कार्य करना प्रेरणादायक उपलब्धि है. इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं—प्रधानमंत्री सुश्री प्रिया कुमारी, कक्षा 10 की टॉपर मुस्कान कुमारी, ऋषिका, सुहानी, ओमप्रकाश सहित अनेक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. समारोह में डॉ. अनिल प्रसाद, मुकेश कुमार शर्मा, डॉ. रामचंद्र चतुर्वेदी, अवध बिहारी पांडे, पंकज देसाई, दयानंद प्रभाकर, अरुण रजक, संदीप कुमार, विजयालक्ष्मी पाठक समेत सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और चौबे को शुभकामनाएं दीं.

आस्था

श्रावण मास की अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

परिवार के साथ लोगों ने किया जलाभिषेक

शुभम संदेश। लातेहार

श्रावण मास की चौथी और अंतिम सोमवारी पर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ नजर आई. सुबह से ही श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने और परिवार की सुख-शांति की कामना हेतु मंदिरों में जुटने लगे. बाजारटांड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर में सुबह चार बजे से पूजा-अर्चना शुरू हो गई थी, जहां पुजारी मनोज दास शर्मा के सानिध्य में विधि-विधान से पूजा संपन्न हुई. इसी प्रकार सोमेश्वर शिव मंदिर (लघु सिंचाई विभाग), पंचमुखी हनुमान मंदिर, जुबली चौक, बिजली कार्यालय और मंडल कारा के शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की संख्या काफी थी. रेलवे स्टेशन क्षेत्र के

बाजारटांड़ स्थित श्री सोमेश्वर शिव मंदिर में भी भक्तों ने भगवान शिव को जल अर्पित किया. कई श्रद्धालु औरंगा नदी एवं दुमुहान के जल से कांवर भरकर दुमुहान एवं मानिकडीह के शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते दिखे. महुआडांड़ क्षेत्र के प्रखंड मुख्यालय में भी शिव मंदिरों व टांगीनाथ मंदिर में सुबह से भक्तों की कतार लगी रही. पहाड़ी शिव मंदिर और बरवाडीह बाजार स्थित पंचमुखी शिव मंदिर में भी पूजा-अर्चना का क्रम चलता रहा. इसके अलावा चंदवा स्थित मां नगर भगवती मंदिर में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा. इस प्रकार अंतिम सोमवारी पर पूरे जिले में शिवभक्तों ने भगवान शिव की पूजा-आराधना कर श्रद्धा का प्रदर्शन किया.

पांडू के ओबरा गांव में शिव मंदिर की विधिवत स्थापना

विश्रामपुर (पलामू)। पांडू प्रखंड के रतनाग पंचायत अंतर्गत ओबरा गांव में स्वर्गीय पूर्व विधायक विनोद सिंह के पैतृक आवास पर शिव मंदिर की स्थापना विधि-विधान के साथ संपन्न हुई. इस धार्मिक कार्यक्रम में सनातन धर्म के प्रति गहरी आस्था और श्रद्धा का अभिव्यक्ति देखने को मिली. विश्रामपुर विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी और जनप्रिय नेता सुधीर चंद्रवंशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे.

साथ ही पूर्व विधायक प्रत्याशी जितेंद्र सिंह, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रवि शुक्ला, विवेक शुक्ला, बुलू सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे. स्वर्गीय विनोद सिंह की धर्मपत्नी मालती देवी एवं परिवार की अन्य सदस्य जैसे विमला देवी, उत्तम देवी, दुलारी देवी, गायत्री देवी समेत सैकड़ों ग्रामीण और हजारों शिवभक्त इस पावन अवसर पर शामिल हुए.

मंदिर स्थापना से पूरे क्षेत्र में धार्मिक भावनाओं के साथ सामाजिक एकता और उत्साह की एक नई लहर देखने को मिली. इस आयोजन ने समुदाय में सामूहिक सद्भाव और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को बल प्रदान किया.

बेतला में टाइगर सफारी खोलने के निर्णय का किया गया स्वागत

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार द्वारा बेतला नेशनल पार्क में टाइगर सफारी खोलने के निर्णय का बेरोजगार संघर्ष मोर्चा ने गर्मजोशी से स्वागत किया है. मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री को इस महत्वपूर्ण फैसले के लिए बधाई दी है. उन्होंने बताया कि हाल ही में आयोजित राज्य वन्य जीव बोर्ड की 15वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया है. इस एंबीसस परियोजना पर 250 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. बेतला से महज 4 किलोमीटर दूर बरवाडीह प्रखंड के पुतुवागढ़ क्षेत्र में 1950 हेक्टेयर भूमि पर टाइगर सफारी विकसित किया जाएगा. उदय राम ने कहा कि इस परियोजना से न सिर्फ बाघों के संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा. इसके साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा.

श्रद्धांजलि

शिबू सोरेन के निधन पर समाहरणालय में शोकसभा

लातेहार। झारखंड आन्दोलन के महानायक झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर चार अगस्त को समाहरणालय सभागार, लातेहार में शोक सभा का आयोजन किया गया. शोकसभा में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की और पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी. उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का जीवन संघर्ष, आदिवासी समाज के अधिकारों एवं सम्मान के लिए समर्पित रहा. उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनका निधन संपूर्ण राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास के अलावा जिला स्तरीय कई पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे. सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की. महुआडांड़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय में बीडीओ संतोष बैठा की अध्यक्षता में शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया. इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी. प्रखंडविकास पदाधिकारी ने कहा शिबू सोरेन का निधन पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है. गुरुजी का जीवन संघर्षों और जनसेवा के लिए समर्पित रहा. प्रखंड के विभिन्न कार्यालय व स्कूलों में भी दो मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई.

ऊंटारी रोड: प्रखंड कर्मियों ने गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

उंटारी रोड। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद और आदिवासी समाज के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सोमवार को उंटारी रोड प्रखंड सभागार में प्रखंड कर्मी और अंचल कर्मी समेत अन्य पदाधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी.

शिबू सोरेन के निधन पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

चंदवा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर चंदवा में जेएमएम के पूर्व केंद्रीय सदस्य सह जिला प्रवक्ता दीपू सिन्हा, बहुजन चेतना मंच और झारखंड आंदोलनकारी मंच के विकास कुमार भगत, राजीव कुमार उरांव,सत्येंद्र सिंह, धनेश्वर उरांव, जितेंद्रसिंह, हरिकुमार भगत, बेलास टोप्पो, सुरेन्द्र भगत, फुलचंद गंझू, रामधनि साव, रविशंकर जाटव, माकपा के अयुब खान, जिला सचिव रसीद मियां, सुरेंद्र सिंह पचु गंझू समेत पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया और दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की.

बालूमाथ (लातेहार)। राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री और सात बार लोकसभा सांसद रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन उर्फ गुरुजी के निधन पर बालुमाथ में शोक की लहर है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता जुनैद अनवर ने गुरूजी को राज्य का पूरक बताते हुए कहा कि देशोम गुरु का निधन न सिर्फ झारखंड के लिए वरन पूरे देश खासकर बहुजन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है. झामुमो प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंझू, मो इमरान व ऐश्वर्य उरांव, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष आमिर हयात, मो जुबेर, राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रीतलाल यादव, युवा राजद के जिलाध्यक्ष दीपक यादव, वरिष्ठ नेता श्याम सुंदर यादव, बालूमाथ मुखिया नरेश लोहरा, मो तौकीर आलम, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष नागदेव उरांव, महेंद्र सोनी, मो साबिर, अमन गंझू, बारियातू प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष राजेंद्र गंझू, बारियातू कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रीगन प्रसाद, बीरेंद्र यादव, निर्मल गंझू समेत कई नेता व कार्यकर्ताओं ने शोक प्रकट किया है.

शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं, एक विचार थे: शंकर

मेदिनीनगर। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मेदिनीनगर नगर निगम की प्रथम मेयर अरूणा शंकर ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक विचार, चेतना और आंदोलन का नाम थे. उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है. उन्होंने झारखंड के निर्माण, आदिवासी अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए जो संघर्ष किया, वह हमेशा याद रखा जाएगा. वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि दिशोम गुरु हमारे आंदोलन की आत्मा थे. वे न कभी झुके, न कभी थके. उनका नेतृत्व, सादगी और संघर्ष हमें अपने लोगों से जुड़ने और उनके अधिकारों के लिए लड़ना सिखाता है. यह केवल एक नेता की विदाई नहीं, बल्कि एक युग का अंत है.

दिशोम गुरु के निधन पर मिथलेश सिंह ने जताया शोक

हुसैनाबाद। झारखंड आंदोलन के प्रणेता और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर हुसैनाबाद के जिप प्रत्याशी मिथलेश कुमार सिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया है. मिथलेश कुमार सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा की दिशोम गुरु शिबू सोरेन न केवल एक राजनेता थे बल्कि वे झारखंड की आत्मा थे. उन्होंने आदिवासियों, किसानों और वंचित तबके की आवाज को जिस तरह संसद से लेकर सड़कों तक पहुंचाया. वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है.

शिबू सोरेन को पांडू में भावभीनी श्रद्धांजलि

पांडू। झारखंड आंदोलन के प्रणेता व वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन के निधन पर पांडू क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई. सोमवार को विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों में शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई. प्रखंड कार्यालय में झामुमो, राजद व भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिलकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा और उनके योगदान को याद किया. सभी ने ₹शिबू सोरेन अमर रहें₹ के नारे लगाए और कहा कि झारखंड ने एक जुझारू नेता को खो दिया है जिसकी भरपाई असंभव है. मौके पर विक्रमादित्य पांडे, जवाहर पासवान, मुन्ना सिंह समेत सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से माल्यार्पण किया और ईश्वर से उनके परिवार, विशेष रूप से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को यह दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की.

दिवगंत अधिवक्ता की पत्नी को मिला तीन लाख का चेक

लातेहार। जिला अधिवक्ता संघ भवन मे सोमवार को अधिवक्ता नवीन कुमार गुप्ता पिता दिलीप प्रसाद को मृत्युपरांत सहायता राशि का तीन लाख का चेक मृतक अधिवक्ता की पत्नी रजनी गुप्ता को सौंपा गया. मौके पर जिला अधिवक्ता लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने कहा कि राज्य बार कॉसिंल संघ द्वारा मृत्युपरांत अधिवक्ता के परिजनो को सहयता दी जाती रही है. इसी कड़ी मे लातेहार के दिवंगत अधिवक्ता नवीन कुमार गुप्ता का निधन हो गया था. उसके बाद बार कॉसिंल से सहायता राशि के रूप मे तीन लाख रूपया का चेक उनकी पत्नी को प्रदान किया गया.

झामुमो के प्रखंड संगठन सचिव हरि साव का निधन

बालूमाथ (लातेहार)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बालूमाथ प्रखंड संगठन सचिव हरि साव का सोमवार सुबह भामाशाह नगर स्थित आवास पर निधन हो गया. वह पिछले कई दिनों से एक असाध्य रोग से ग्रसित थे, जिनका इलाज मुंबई में चल रहा था. उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है. हरि साव का अंतिम संस्कार बालूमाथ स्थित मुक्ति धाम में वैदिक रीति-रिवाज के साथ किया गया, जहां उनके पुत्र ने मुखाग्नि दी. इस दुखद समाचार की जानकारी मिलते ही झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री वैद्यनाथ राम ने उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार से मुलाकात कर संवेदना जताई.

संत जॉन वियानी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

महुआडांड़ (लातेहार)। पवित्र परिवार पल्ली गोठगांव में संत जॉन मेरी वियानी का पर्व अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया. मुख्य अनुष्ठान फा. अशोक नगेसिया द्वारा संपन्न हुआ तथा फा. मनोरंजन कच्छप व फा. बलबीर टोप्पो की विशेष उपस्थिति रही. प्रवचन में फा. अशोक ने संत वियानी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए कमजोरियों को त्याग कर अच्छाई की राह पर चलने की सीख दी. मिस्सा के पश्चात बच्चों और युवाओं द्वारा रंगारंग नृत्य और गीत प्रस्तुत किए गए. सभी फादरों व ब्रदर को शुभकामनाएं दी गईं.

सीआरपीएफ 11वीं बटालियन ने 600 पौधे लगाए

लातेहार। सीआरपीएफ 11वीं बटालियन द्वारा सोमवार को किनामाड़ स्थित शिविर परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया. इस दौरान लगभग 600 फलदार पौधे लगाए गए. अभियान में कमांडेंट याद राम बुनकर सहित अधिकारियों, जवानों और उनके परिवारजनों ने भाग लिया. सभी ने दो-दो पौधे लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लिया.

शिबू सोरेन के दोस्त शिव कुमार शिबू की आंखों के नहीं रुक रहे आंसू, कहा-

भगवान उन्हें भी गुरुजी के पास ही भेज दें

शुभम संदेश। हजारीबाग

झारखंड आंदोलन के प्रणेता पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन नहीं रहे. उनसे जुड़ी कई स्मृति आज जीवित है. लोग उन पलों को याद कर रहे हैं जो गुरु जी जुड़े हुए थे. हजारीबाग के रहने वाले शिबू सोरेन के अजीज मित्र शिवकुमार शिबू जो उनके मित्र थे आज उनके आंख से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहा है. अपने दोस्त को यही कह रहे हैं कि वो भी उसे अपने साथ बुला लें ताकि दोनों मित्र एक साथ मरणोपरांत भी रह सकें. यह एक अटूट दोस्ती के वह शब्द हैं, जिसे सुनकर हर एक व्यक्ति भावुक हो जाएगा.

शिवकुमार शिबू मूल रूप से मंडई हजारीबाग के रहने वाले हैं. वर्तमान समय में वह कालीबाड़ी रोड स्थित अपने आवास में रहते हैं. 1972 में जब शिबू सोरेन जरीडीह विधानसभा से चुनाव लड़े थे तो वे हजारीबाग विधानसभा से दोनों का चुनाव चिन्ह तीर धनुष छाप था. उस वक्त अखिल भारतीय झारखंड पार्टी हुआ करता था. जो बाद में झारखंड मुक्ति मोर्चा का स्वरूप में आया. 1972 से दोनों की दोस्ती रही. गुरुजी और हजारीबाग के शिव कुमार शिबू ने एक साथ महाजन जुल्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी. हजारीबाग जब भी गुरु जी आते थे तो शिव कुमार शिबू से उनकी मुलाकात कचहरी में होती थी क्योंकि शिवकुमार शिबू पेशे से वकील हैं. इन्होंने बताया कि उस वक्त एक नारा दिया गया था कि झारखंड की उच्च शिखर से बागे बागुन ने ललकारा है झारखंड वासियों होश में आओ झारखंड राज्य हमारा है.

शिवकुमार शिबू बताते हैं कि गुरुजी हमेशा शिक्षा पर जोर देते थे. उनका कहना था कि जब तक झारखंड के लोग शिक्षित नहीं होंगे वे अपना अधिकार नहीं समझ पाएंगे. इस कारण हर एक व्यक्ति को शिक्षित होना जरूरी है. शिवकुमार शिबू शारीरिक रूप से अस्वस्थ हैं और वह बोलने में भी सक्षम नहीं हैं. फिर भी इन्होंने इस दौरान अपनी भावुकता जताते हुए कहा कि हेमंत सोरेन के ऊपर उनके पिता ने बड़ी जिम्मेदारी छोड़कर इस दुनिया से रुखसत हुए हैं. उनका सपना को साकार करना है. जमींदारी अभी भी अवशेष रुप से बचा हुआ है. पूंजीपति गरीबों का शोषण कर रहे हैं. इसे खत्म करना जरूरी है.

झारखंड ने एक अनमोल हीरा खो दिया: जयशंकर पाठक

हजारीबाग। हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जय शंकर पाठक नें पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा के सदस्य दिशोम गुरु सिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. पाठक ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिशोम गुरु सिबू सोरेन के निधन से झारखंड ने एक अनमोल हीरा खो दिया है. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन के पुरोधा और आदिवासी अस्मिता के प्रतिक और जन-जन के नेता सिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है. उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, न्याय और अधिकार की लड़ाई को समर्पित रहा. वे केवल एक राजनेता नही बल्कि एक विचार थे, जो जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए सदैव खड़े रहे. उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और इस कठीन समय में शोकाकुल परिवार को धैर्य व सहन शक्ति प्रदान हो इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की है.

शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने जताया शोक

हजारीबाग। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है. उनके जाने से झारखंड ने एक युग पुरुष, एक विचार और एक आंदोलन की जीवंत आवाज़ को खो दिया है. पूर्व सदर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रह चुके मुन्ना सिंह ने सोमवार को गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दिशोम गुरु का निधन झारखंड की आत्मा के मौन हो जाने के समान है. मुन्ना सिंह ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और सामाजिक चेतना के प्रतीक थे. उन्होंने झारखंड राज्य की परिकल्पना को अपने संघर्ष और बलिदानों से साकार किया. वे वंचितों, श्रमिकों, किसानों और आदिवासी समाज के लिए जीवनभर लड़ते रहे. उन्होंने सत्ता में रहकर भी जनता से जुड़ाव नहीं छोड़ा और अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया. मुन्ना सिंह ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वह शिबू सोरेन को चिरशांति दें और उनके परिवार व अनुयायियों को इस दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें.

गुरुजी का जाना राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति: विकास राणा

हजारीबाग। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, राज्यसभा सांसद, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु बाबा शिबू सोरेन के निधन की खबर से पूरा झारखंड स्तब्ध है. गुरुजी का जाना झारखंड की राजनीति और जनजीवन के लिए अपूरणीय क्षति है. उन्होंने झारखंड के हक़, अधिकार और अस्मिता की लड़ाई को अपने संपूर्ण जीवन का उद्देश्य बनाया. उनके नेतृत्व और दूरदृष्टि ने झारखंड को एक नए राज्य के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया. शिबू सोरेन न केवल एक दूरदर्शी नेता थे, बल्कि जनसेवा के लिए समर्पित एक सच्चे योद्धा भी थे. उनका संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पूरा प्रदेश उनके निधन से गहरा शोक मना रहा है. इस कठिन समय में हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे शोकाकुल परिवार को धैर्य और सहनशीलता प्रदान करें. गुरुजी की आत्मा को शांति मिले और उनका विजन झारखंड की जनता के दिलों में सदैव जीवित रहे.

शिबू सोरेन के निधन पर समाहरणालय में शोकसभा का आयोजन

चतरा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के दुखद निधन पर सोमवार को जिला समाहरणालय सभागार में शोकसभा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर जिला प्रशासन के सभी वरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे. शोकसभा की शुरुआत दो मिनट के मौन के साथ दिवंगत आत्मा की शांति हेतु की गई. उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शिबू सोरेन जी के द्वारा झारखंड के सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की.

शोकसभा का समापन श्रद्धांजलि स्वरूप मौन प्रार्थना के साथ किया गया.

ब्रीफ न्यूज

अंतिम सोमवारी पर निकली 11वीं भव्य जल यात्रा

डोमचांच (कोडरमा)। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर हरिओम कृष्णा समाज, जेरुवाडीह द्वारा 11वीं भव्य जल यात्रा निकाली गई. ₹बोलबम₹ और ₹हर हर महादेव₹ के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा. इस जल यात्रा में नावाडीह, बेहराडीह, जेरुआडीह, मधुबन, लेंगरापीपर, भेलवाटांड़, रुपनडीह व डोमचांच सहित अन्य क्षेत्रों से हजारों की संख्या में शिवभक्त शामिल हुए. श्रद्धालुओं ने दोमनिया नदी से जल भरकर लगभग 10 किलोमीटर पैदल चलकर जेरुवाडीह शिव मंदिर में जलाभिषेक किया. एक शिवभक्त कांवर में जल भरकर पैदल यात्रा करते दिखे.

तेज रफ्तार टेंपो अनियंत्रित होकर खेत में पलटा

जयनगर (कोडरमा)। सोमवार सुबह कोडरमा-कोवाड मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार सवारी टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया. यह हादसा पांडु गांव स्थित शांति ढाबा के पास हुआ. दुर्घटना में एक यात्री बासुदेव यादव घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टेंपो (नंबर जेएच 02बीबी 8746) तेतरौन की ओर से आ रहा था. जैसे ही वह शांति ढाबा के समीप पहुंचा, चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन खेत में जा गिरा. पलटने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए.

चट्टी पेटो पंचायत में डायरिया से एक की मौत

केरेडारी। प्रखंड के चट्टी पेटो पंचायत में डायरिया का प्रकोप फैल गया है. इस बीमारी से 58 वर्षीय सीता देवी की मौत हो गई है. उनके पति सुरेश साव और उनके परिवार के कई सदस्य भी डायरिया से पीड़ित हैं, जिनका इलाज हजारीबाग सदर अस्पताल में चल रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि बरसात में बारिश का पानी कुएं और तालाब में प्रवेश कर पानी दूषित हो गया था, जबकि ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नहीं हुआ था. केरेडारी स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और रोकथाम के निर्देश दिए.

युवक की मौत, परिजनों ने की सड़क जाम

डोमचांच (कोडरमा)। कोडरमा-जमुआ मुख्य मार्ग पर रविवार रात मेहता भवन के समीप एक सड़क दुर्घटना में युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान राज सिंह निवासी कालीमंडा, डोमचांच के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि राज सिंह किसी कार्य से घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए. मौके पर ही उनकी मौत हो गई. सूचना पाकर डोमचांच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेजा.

ध्वजाधारी धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, प्रशासन रहा पूरा मुस्तैद

अंतिम सोमवारी पर निकली भव्य कांवर पदयात्रा

शुभम संदेश। कोडरमा

श्रावण माह की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर कोडरमा जिले के झरनाकुंड धाम से प्रसिद्ध ध्वजाधारी धाम तक हजारों श्रद्धालुओं ने भव्य कांवर पदयात्रा में भाग लिया. यह पदयात्रा लगभग 16 किलोमीटर लंबी रही, जिसमें भक्तों का उत्साह और आस्था देखते ही बन रही थी. हाथों में ध्वजा, त्रिशूल और बेलपत्र लिए ₹बोल बम₹ के जयघोष के साथ कांवरिये कठिन रास्तों और 777 सीढ़ियों को पार कर भगवान भोलेनाथ को गंगाजल अर्पित करने ध्वजाधारी धाम पहुंचे.

धार्मिक वातावरण में डूबे इस आयोजन के दौरान ध्वजाधारी धाम परिसर 'हर-हर महादेव' और ₹बोल बम₹ के नारों से गूंजता रहा. कई श्रद्धालु मन्नत पूरी होने की भावना के साथ विशेष प्रतीक लेकर मंदिर पहुंचे. महामंडलेश्वर श्री सुखदेव दास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि श्रावण का यह दिन शिवभक्तों के लिए अत्यंत पुण्यदायी होता है. जो भी भक्त सच्चे मन से भोलेनाथ का जलाभिषेक करता है, उसकी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं. इस भव्य आयोजन के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा. उपायुक्त ऋतुराज स्वयं ध्वजाधारी धाम पहुंचे और सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन की गहन समीक्षा की. उन्होंने दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. साफ-सफाई, पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, नियंत्रण कक्ष और पुलिस बल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी.

पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह एवं अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह ने भी मौके पर उपस्थित रहकर भीड़ नियंत्रण और व्यवस्था को संभाला. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक रतिभान सिंह, नगर प्रशासक शम्भू प्रसाद कुशवाहा, डीटीओ विजय सोनी, डीपीओ अनूप कुजूर, दंडाधिकारी नीतीश कुमार निशांत सहित अनेक अधिकारी व सुरक्षाकर्मी व्यवस्था में तैनात रहे. इस दौरान जगह-जगह स्वास्थ्य जांच शिविर, ठहराव स्थल, पेयजल और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था की गई थी.

सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने भी श्रद्धालुओं की सेवा में विशेष सहयोग दिया. ध्वजाधारी धाम के प्रमुख सेवकों में मनोज कुमार झुन्नू, जमुना यादव, अशोक यादव, शशि सिंह, चंदन बाबा, मनीष कुमार, इंद्रदेव यादव, पिंटू पासवान, धीरज कुमार, रामचंद्र यादव, शंकर मोदी, अनिल पासवान व धीरज तिवारी प्रमुख रूप से सक्रिय रहे. श्रावण की अंतिम सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और अनुशासित यात्रा ने यह एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि ध्वजाधारी धाम झारखंड राज्य का एक प्रमुख और प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल है.

पचड़ा जोरदाग में भक्ति का उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

केरेडारी। पचड़ा जोरदाग में सावन की चौथी व अंतिम सोमवारी को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी. श्रद्धालुओं ने बुढ़िया माता स्थान एवं पचड़ा बड़की नदी से जल उठाकर हर-हर महादेव के जयकारों के साथ विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक किया. महिलाओं, पुरुषों, युवाओं व बच्चों ने बेलपत्र, गंगाजल, दूध, धतूरा, पुष्प आदि अर्पित कर भोलेनाथ से मनोकामनाएं मांगीं. सुबह से शाम तक शिव मंदिरों में घंटियों की गूंज और बोलबम के नारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा. इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया. कार्यक्रम में प्रमुख सुनीता देवी, मुखिया महेश प्रसाद साव, प्रेम रंजन पासवान, जागेश्वर साव, कुलदीप साव, उदय लाल गुप्ता, राम कुमार, श्याम देव साव समेत कई गणमान्य व बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

चरही के शिवालयों में जलार्पण के लिए उमड़ी भीड़

चरही। सावन मास की चौथी और अंतिम सोमवारी पर सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. अहले सुबह से ही श्रद्धालु जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे. चरही, चनारो, बहेरा, कजरी, सडवाहा, इंद्रा, जरबा, तापिन, प्रेमनगर और हेंदेगड़ा सहित क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों को विशेष रूप से फूलों से सजाया गया था. शिवलिंग का विशेष श्रृंगार किया गया और ब्राह्मणों द्वारा विधिवत पूजा संपन्न कराई गई. बोल-बम के नारों से मंदिर परिसर गूंजायमान रहा. महिला, पुरुष, युवक और युवतियों ने श्रद्धा भाव से भगवान शिव की महाआरती की और प्रसाद अर्पित किया. व्रतधारी भक्तों ने विशेष अनुष्ठानों में भाग लिया. अंतिम सोमवारी होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य से अधिक रही. पूरे दिन मंदिरों में धार्मिक माहौल बना रहा और श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारों के साथ भक्ति में लीन दिखे. प्रशासन और स्थानीय समितियों द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था का समुचित प्रबंध किया गया था.

महेश्वरनाथ धाम से घोड़मेश्वर धाम तक कांवरियों की निकली पदयात्रा, 'बोल बम' से गुंजा पूरा इलाका

सतगावां (कोडरमा)। सावन के अंतिम सोमवारी पर सोमवार को महेश्वरनाथ धाम से बाबा घोड़मेश्वर धाम तक जलाभिषेक के लिए सैकड़ों कांवरियों का जत्था निकला. सकरी नदी घाट पर उत्तरायण गंगा में स्नान कर डाक कांवरियों ने जलपात्र में पवित्र जल भरकर शिवभक्ति का संकल्प लिया और 10 किलोमीटर लंबी पदयात्रा पर निकल पड़े. भगवामय परिधानों में हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा मार्ग भक्तिमय हो गया. साउंड सिस्टम और मांदर की धुन पर थिरकते कांवरिये शिवभक्ति में लीन नजर आए. पदयात्रा का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य नीतू कुमारी, प्रमुख ललिता देवी, उपप्रमुख मनोज निराला समेत कई जनप्रतिनिधियों ने किया. स्थानीय थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा दलबल के साथ मुस्तैद रहे, जबकि स्वास्थ्य विभाग भी पूरी तरह अलर्ट मोड में दिखा. यात्रा में विधायक प्रतिनिधि धनंजय यादव, समाजसेवी रामावतार चौधरी, राजेश यादव, पंकज गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए. श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत यह आयोजन पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना रहा.

बारिश में बही सड़क की अब तक नहीं की जा सकी मरम्मत

आठ गांवों का संपर्क टूटा

विनोद यादव। चतरा

चतरा जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत तिलहेज पंचायत के कुब्बा गांव में बीते 20 दिनों से सड़क की मरम्मति नहीं हुई है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुब्बा के सामने की सड़क 16 जुलाई को भारी बारिश में बह गई थी. इसके बाद से क्षेत्र के आठ गांवों – कुब्बा, एकतारा, सेलवार, भलुवाहा, खोटवाडीह, कोलवा, लूटा और बदोली – के लोगों का संपर्क मुख्य मार्ग से टूट गया है. स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क बहने के कारण न तो एंबुलेंस गांव तक पहुंच पा रही है और न ही कोई चारपहिया वाहन. स्कूली बच्चों को स्कूल आते-जाते समय गिरने का डर बना रहता है.

सड़क के बह जाने से ग्रामीणों को अब तीन किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर प्रखंड मुख्यालय व अन्य स्थानों तक पहुंचना पड़ रहा है. ग्रामीणों की शिकायत पर 20 जुलाई को बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप ने सड़क का निरीक्षण किया था, और बाद में मुखिया सोनी देवी ने भी स्थल का जायजा लिया. इसके बावजूद अब तक किसी प्रकार की मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ है. ग्रामीण प्रवीण कुमार, विशाल कुमार, रविरंजन कुमार, टुनटुन कुमार, उपेंद्र कुमार, निपुण कुमारी, उदय प्रसाद और अमित कुमार समेत अन्य लोगों ने उपायुक्त से अविलंब सड़क की मरम्मति कराने की मांग की है. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्य नहीं शुरू हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को अंबा प्रसाद ने दी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। हजारीबाग

कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन झारखंड राज्य निर्माण और आदिवासी अधिकारों के संघर्ष को समर्पित रहा. अंबा प्रसाद ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि गुरुजी ने झारखंड आंदोलन को नई दिशा दी और जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के लिए हमेशा आवाज उठाई. उन्होंने सामाजिक उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए. सुश्री प्रसाद ने कहा कि शिबू सोरेन एक सच्चे जननेता थे, जिन्होंने गरीबों और वंचितों की आवाज को हमेशा प्राथमिकता दी. उनका सादगीपूर्ण जीवन और जनसेवा की भावना हम सभी के लिए प्रेरणा है. उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार के लिए संवेदना प्रकट की.

कोडरमा : बंद पड़े मकान से शव बरामद

झूमरीतिलैया (कोडरमा)। तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत आश्रम रोड वार्ड न.01 भोंडो निवासी तुलसी साव के जो खंडहर मकान बंद पड़ा है. उसमें एक अज्ञात शव बरामद हुआ है, जिसका उम्र लगभग 22 वर्ष आंका गया है. शव को अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेजकर तिलैया पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है.

शिबू सोरेन के निधन पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने जताया शोक

हजारीबाग। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन 'गुरुजी' के निधन पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि गुरुजी का जाना केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक युग का अंत है. वे आदिवासी समाज की बुलंद आवाज़ थे, जिन्होंने संघर्ष और समर्पण से झारखंड की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनाई. विधायक ने उन्हें सादगी, सेवा और सामाजिक न्याय की प्रतिमूर्ति बताया और कहा कि उनका जीवन सभी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणा है

गुरु जी हमेशा रहेंगे युवाओं के प्रेरणास्रोत: हर्ष अजमेरा

हजारीबाग। युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि शिबू सोरेन का जाना केवल एक नेता नहीं, बल्कि एक विचारधारा और संघर्ष की समाप्ति है. उन्होंने कहा कि झारखंड के निर्माण में दिशोम गुरु की भूमिका अविस्मरणीय रही. वे हमेशा आदिवासियों, श्रमिकों, किसानों और वंचितों की आवाज बने रहे. हर्ष अजमेरा ने कहा कि वे सत्ता में रहते हुए भी जमीन से जुड़े रहे और अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया. उनके संघर्ष और त्याग ने उन्हें आमजन का नायक बनाया.

जयनगर में शिबू सोरेन को प्रखंड प्रशासन ने दी श्रद्धांजलि

जयनगर (कोडरमा)। पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर प्रखंड प्रशासन, जयनगर की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. सभा में प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार सहित सभी प्रखंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया. उपस्थित लोगों ने शिबू सोरेन को जननायक बताते हुए उनके सामाजिक और राजनीतिक योगदान को याद किया.

शिबू सोरेन के निधन पर समाहरणालय में शोकसभा

कोडरमा। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर सोमवार को समाहरणालय सभागार, कोडरमा में शोक सभा आयोजित की गई. सभा में उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजुर, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे.

एक नजर

विधायक के प्रयास से जबरा में लगा नया ट्रांसफार्मर

हज़ारीबाग़। हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के जबरा गांव में ट्रांसफार्मर के खराब हो जाने से बीते कुछ दिनों से स्थानीय लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा था. इस समस्या की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग से संपर्क साधा. विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रयासों से क्षेत्र में सोमवार को 200 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया और बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई. उनके इस त्वरित हस्तक्षेप और संवेदनशीलता से अब जबरा के नागरिकों को नियमित और स्थायी बिजली सुविधा मिलने की उम्मीद है. इस जनहितकारी कार्य को लेकर जबरा समेत आसपास के ग्रामीणों ने विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रति आभार व्यक्त किया है. लोगों ने कहा कि श्री प्रसाद हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देकर समाधान की दिशा में कार्य करते हैं, और यही उनकी जनसेवा की पहचान है.

खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल का वितरण किया गया

चौपारण। बच्छई पंचायत भवन डुमरी में रविवार को पंचायत क्षेत्र के चार गांव-सेवई, डुमरी, चक और बच्छई-के फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल का वितरण किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र रजक, पंसस सहदेव यादव एवं व्यवसायी सह समाजसेवी देवल यादव उपस्थित रहे. मुखिया बिरेन्द्र रजक ने कहा कि खेल न सिर्फ युवाओं के शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी आवश्यक हैं. उन्होंने घोषणा की कि आगामी 15 अगस्त को पंचायत के सभी छह गांवों के बीच फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान और मंच मिल सके. उन्होंने खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया. व्यवसायी देवल यादव ने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और अनुशासन के महत्व पर जोर देते हुए प्रेरित किया. इस पहल से युवाओं में खासा उत्साह देखा गया और स्थानीय जनता ने पंचायत के इस प्रयास की खुलकर सराहना की.

प्रभात कुमार हांगकांग में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

हजारीबाग। केरेडारी प्रखंड स्थित सलगा गांव के रहने वाले प्रभात कुमार का चयन एशियन एमेच्योर शतरंज चैंपियनशिप 2025 के लिए हुआ है. यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 1 अगस्त से 9 अगस्त तक हांगकांग में आयोजित की जा रही है. प्रभात कुमार ने राष्ट्रीय एमेच्योर शतरंज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी जगह बनाई है. एशियन चेस फेडरेशन और फिडे द्वारा मान्यता प्राप्त इस प्रतियोगिता में वे एशिया के सर्वश्रेष्ठ एमेच्योर खिलाड़ियों के बीच भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं. प्रभात लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड और भारत का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि देश के लिए खेलना गर्व की बात है और वे आगे भी अपने खेल से देश का नाम रोशन करते रहेंगे.

ब्रीफ न्यूज़

शिबू सोरेन को आदिवासी छात्र संघ ने दी श्रद्धांजलि

रातू। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड शोक में डूब गया है. उनके निधन पर आदिवासी छात्र संघ ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की. संघ ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि जल-जंगल-जमीन के प्रहरी और आदिवासी अस्मिता की बुलंद आवाज़ थे. संघ के केंद्रीय मीडिया प्रभारी सुमित उरांव ने कहा, ₹दिशोम गुरु ने हमें संघर्ष करना सिखाया.

रातू में शिवालयों में भक्तिमय माहौल

रातू। प्रखंड में सावन के आखिरी सोमवार को शिवालयों में विशेष अनुष्ठान आयोजित किए गए, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय बन गया. सुबह से ही मंदिरों में ₹बम-बम भोले₹ के जयकारे गूंज रहे थे और श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए उत्साहित थे. बड़ी संख्या में भक्तजन मंदिरों में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु प्रार्थना कर रहे थे.

शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पिपरवार। सावन माह की अंतिम सोमवारी पर पिपरवार के कोयलांचल क्षेत्र के शिवालयों में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे. बचरा चार नंबर चौक स्थित जय बाबा सिद्धेश्वर नाथ शिव मंदिर और बेंती शिव मंदिर सहित क्षेत्र के सभी प्रमुख मंदिरों में भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना और जलाभिषेक किया. सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और भगवान भोलेनाथ के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा.

गणेश पूजा धूमधाम से मनाने का लिया निर्णय

पिपरवार। बचरा बंसत विहार स्थित टीएच कॉलोनी में गणेश पूजा को लेकर स्थानीय ग्रामीणों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई. बैठक की अध्यक्षता ओम प्रकाश सिंह ने की जबकि संचालन राहुल कुमार पांडेय ने किया. इस बैठक में पारंपरिक रूप से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेश पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. पिछले वर्ष के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया.

जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र के बुंडू गांव में सावन के अंतिम सोमवारी पर प्राचीन मनोकामना बाबा नर्मदेश्वर शिव मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे. 125 वर्षों से अधिक पुराना यह मंदिर भोलेनाथ और बाबा नंदी के लिए प्रसिद्ध है. सावन माह में हर सोमवारी यहां जल कांवड़ यात्रा आयोजित होती है, जिसमें इस बार भी 11 किलोमीटर की दूरी तय कर कोती नदी शिवगंगा उद्गम स्थल से जल लाकर मंदिर में अभिषेक किया.

कुख्यात अपराधी अरुण उरांव उर्फ लैला गिरफ्तार

लोहरदगा। पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात अपराधी अरुण उरांव उर्फ लैला (21 वर्ष) को मैना बगीचा से गिरफ्तार किया है. अरुण लंबे समय से चोरी और लूटकांडों में वांछित था. पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की गई काली रंग की पैशन प्रो बाइक भी बरामद की है.

संदेहास्पद परिस्थिति में महिला की हुई मौत

लोहरदगा। सदर थाना क्षेत्र के हेसल मंगन टोली गांव में सोमवार की सुबह हुलासी लकड़ा (पत्नी अबरन लकड़ा) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. परिजनों के मुताबिक, हुलासी सुबह करीब 3 बजे उठी और घर के काम करने लगी, तभी उसे अचानक चक्कर आने लगे. परिजन उसे तुरंत लोहरदगा सदर अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

झारखंड आंदोलन के प्रणेता और पूर्व सीएम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर नेताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की

शिबू सोरेन का निधन राष्ट्र की अपूरणीय क्षतिः सुखदेव भगत

संवाददता। लोहरदगा

सांसद सुखदेव भगत ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि यह समाचार अत्यंत दुखद है और यह केवल झारखंड वासियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है. सांसद भगत ने कहा कि गुरुजी ने अपना पूरा जीवन आदिवासी, वंचित और शोषित समाज के अधिकारों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए समर्पित कर दिया. उन्होंने झारखंड राज्य के निर्माण में जो ऐतिहासिक भूमिका निभाई, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता. उनके विचार और संघर्ष भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे. सांसद ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों व सभी अनुयायियों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें. झारखंड की राजनीति में एक युग का अंत हो गया है, जिसकी रिक्तता लम्बे समय तक महसूस की जाएगी.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को अविराम कॉलेज परिवार ने दी श्रद्धांजलि

लोहरदगा। अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, टिको कुरु लोहरदगा में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई. कॉलेज के सचिव इन्द्रजीत भारती ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शिबू सोरेन का झारखंड की राजनीति और समाज में अमूल्य योगदान रहा है. उनका जीवन संघर्ष और नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा. इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी सहित लक्ष्मण, बीरेन्द्र, पवन, रेणुका, पंकज, अफताब, शिब, ममता, आरती, कुंदन और अन्य प्रशिक्षुओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की. कार्यक्रम में सभी उपस्थित जनों ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया.

शिबू सोरेन के निधन पर भंडरा प्रखंड कमेटी ने व्यक्त की शोक संवेदना

भंडरा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर है. भंडरा प्रखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कमिटी ने सोमवार को गहरा शोक व्यक्त किया. प्रखंड अध्यक्ष परवेज अंसारी ने अपने शोक संदेश में कहा कि गुरुजी का निधन झारखंड की राजनीति और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है. उन्होंने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन लंबे समय से किडनी सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे और 19 जून 2025 को उन्हें दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था. इलाज के दौरान ब्रेन स्ट्रोक भी हुआ, जिससे उनकी स्थिति और अधिक गंभीर हो गई. लंबे समय तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद उन्होंने 4 अगस्त को अंतिम सांस ली. परवेज अंसारी ने कहा कि गुरुजी का जीवन झारखंडी संस्कृति, राष्ट्रवाद और सेवा के मूल्यों को समर्पित रहा. वे एक सच्चे कर्मयोगी और जननेता थे, जिन्होंने हमेशा समाज, संगठन और सत्ता के बीच संतुलन बनाकर कार्य किया. उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में झारखंड के विकास को नई दिशा दी. इस अवसर पर झामुमो के कई नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी शोक जताया. शोक व्यक्त करने वालों में बिशुनपुर विधायक प्रतिनिधि बिठू उरांव, जिला उपाध्यक्ष तिवारी उरांव, पूर्व जिला परिषद सदस्य शामिल उरांव, प्रखंड सचिव मड़वारी उरांव, अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष नसीम मिरदाहा, मंसूर अंसारी, मोबारक अंसारी, खुर्शीद अंसारी, सुखदेव उरांव सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल रहे.

सबने गुरु के दिखाए रास्ते पर चलने का लिया संकल्प

दिशोम गुरु के निधन पर चहुंओर शोक की लहर

गुमला। राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गुमला के सामाजिक राजनीतिक व्यावसायिक एवं शैक्षणिक संगठनों ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी है. गुमला के सरस्वती विद्या मंदिर मंदिर में शिक्षकों और स्कूली बच्चों ने दो मिनट का मौन धारण कर गुरुजी को श्रद्धांजलि दी. दिशोम गुरु को भाजपा नेता मंगल सिंह भोगता, भोला चौधरी,गुडू सिंह, आशुतोष मिश्रा,संदीप प्रसाद, पूनम पांडेय, शैल मिश्रा, झामुमो नेता रंजन तिर्की, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ के देवकुमार सिंह, मनमोहन सिंह, अंजूमन इस्लामियां ट्रस्ट के मिन्हाजउद्दीन, कांगेस नेता रमेश कुमार चीनी, व्यवसायी महेश लाल, झानद नेता विजय कुमा सिंह आदि ने शोक प्रकट किया है.

सावन के अंतिम सोमवारी को जलाभिषेक के लिए शिवालयों में उमड़ी अपार भीड़

शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष

शुभम संदेश। गुमला

सावन माह की अंतिम सोमवारी को गुमला के शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई. शिव भक्तों ने श्रद्धा भक्ति आस्था और विश्वास के साथ भगवान भोलेनाथ में जलाभिषेक किया और अपने सुख शांति समृद्धि की मंगलकामना की. गांव से शहर तक के शिवालयों में श्रद्धालुओं ने ऊं नमः शिवाय का मंत्रोच्चारण के साथ जलाभिषेक किया, बेलपत्र चढ़ाया और हर-हर महादेव, बोल बम का जयघोष किया. गुमला के ऐतिहासिक और प्राचीन शिवालय ढिढ़ौली स्थित श्री रामेश्वर नाथ मनोकामना शिवलिंग में पंक्तिबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की. पुजारी उपेंद्र गिरी ने बताया कि यह शिवलिंग लगभग साढ़े तीन सौ वर्ष पुराना है. कहा जाता है कि शिवलिंग को नागवंशी राजा हाथी में सवारी कर अपने राजमहल पालकोट ले जा रहे थे. तालाब के किनारे आग बगीचा में विश्राम के लिए रूके और फिर शिवलिंग को हाथी नहीं उठा सका. भगवान भोलेनाथ की नागवंशी राजा को सपना हुआ कि उनके लिए यह उचित स्थल है.

यहीं पर उन्हें स्थापित करें और सेवा करें. तब से सच्चे मन से रामेश्वर शिवलिंग की पूजा करने वाले की मनोकामना पूर्ण होती है. इसी तरह गुमला के रमटोली बूढ़ा महादेव मंदिर में शहर के लोगों ने पूजा अर्चना की और जलाभिषेक किया. गुमला के आंजन धाम, टोटो, कसीरा, मुरकुंडा, तर्री, करौंदी, डुमरडीह, लांची सिलाफारी आदि गांवों में भी लोगों ने अंतिम सोमवारी की शिवालयों में जलाभिषेक किया. डुमरी के बाबा धाम में काफी संख्या में लोगों ने बाबा भोलेनाथ की पूजा की और जलाभिषेक कर अपनी सुख शांति समृद्धि की कामना की. भंडारा का आयोजन किया गया. पालकोट के देवगांव गुफा शिवलिंग में पूजा करने वालों की भीड़ लगी रही. पालकोट के बूढ़ा महादेव मंदिर और ऋषिमुक पर्वत के मनोकामना शिवलिंग भी भक्तों ने जलाभिषेक किया. सिसई के कपिलेश्वर नाथ मंदिर, नागफेनी, मुरगू का चिरैया धाम सहित अन्य गांवों के शिवालयों में भक्तों ने जलाभिषेक किया.

बसिया और कामडारा क्षेत्र के जरियागढ़ बानपुर पहाड़ गांव आदि प्रसिद्ध शिवालयों में भक्तों ने पूजा अर्चना की और जलाभिषेक किया. भरनो के समसेरा धाम एवं बस्ती शिव मंदिर में पूजा अर्चना की गई. घाघरा आदर व बिशुनपुर के शिवालयों में भक्तों ने जलाभिषेक किया. रायडीह के प्राचीन वासुदेव कोना शिव मंदिर और मरदा का महासदशिव मंदिर आदि में काफी संख्या में लोगों ने जलाभिषेक किया.

सावन की अंतिम सोमवारी पर गूंजे महादेव के जयकारे

संवाददाता। कुडू (लोहरदगा)। सावन महीने की अंतिम और चौथी सोमवारी के अवसर पर कुडू प्रखंड क्षेत्र शिवभक्ति में सराबोर नजर आया. प्रसिद्ध महादेव मंडा धाम सलगी, टीको स्थित भोले बाबा मंदिर, बड़की चांपि शिव मंदिर, टाटी शिव मंदिर, कुडू ब्लॉक परिसर स्थित शिव मंदिर समेत विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्गों ने बेलपत्र, गंगाजल, दूध, धतूरा, पुष्प आदि अर्पित कर भोलेनाथ की आराधना की और अपनी मनोकामनाएं मांगी. महादेव मंडा धाम में विशेष पूजन, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ. पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंजता रहा. फूल और प्रसाद की दुकानों पर भीड़ देखी गई.सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुडू थाना के एएसआई सुनील कुमार सिन्हा सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे. इस मौके पर पुरोहित कुनु नाथ बैध, मनोज दुबे, मिथलेश सिंह, प्रवीण गोयल, रामेश्वर प्रजापति समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे. श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और माता पार्वती से अपने क्षेत्र और परिवार की मंगलकामना की.

इटकी के शिवालयों में रहा भक्तिमय माहौल

संवाददाता। इटकी

श्रावण माह की अंतिम सोमवारी के अवसर पर इटकी के मुख्य शिव मंदिर समेत अन्य शिवालयों में भक्तिमय माहौल देखने को मिला. मुख्य मंदिर में पंडित हर्षवर्धन पांडेय के नेतृत्व में यजमान अमित महतो व रीना देवी द्वारा भगवान शिव की भव्य श्रृंगार पूजा और दिव्य आरती की गई. भजन-कीर्तन और पूजन के पश्चात प्रसाद वितरण तथा रात्रि में भंडारे का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, सूरज गोसाईं, मनोज सिंह, सुनील सोनी, मनीष सोनी, आनंद गोप, अंकित और आयुष सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे. वहीं बनिया टोली स्थित रुद्र महाकाल मंदिर में भी श्रृंगार पूजा संपन्न हुई. क्षेत्र के सभी शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं द्वारा ₹बोल बम₹ और हर हर महादेव के जयघोषों के बीच भगवान शिव को जल अर्पित किया गया.

विदेश भेजने के नाम पर हो रही भारी ठगी और शोषण

संवाददाता। हज़ारीबाग

बेरोज़गारी से जूझ रहे हज़ारीबाग के युवा अब विदेश जाने के नाम पर कबूतरबाज़ी के जाल में फंस रहे हैं. स्थानीय एजेंट और गिरोह युवाओं को दुबई, कतर, मलेशिया, ओमान जैसे देशों में अच्छी नौकरी का झांसा देकर लाखों रुपये ठग रहे हैं. युवाओं से 1.5 से 3 लाख रुपये तक वसूले जाते हैं, लेकिन विदेश पहुंचने पर उन्हें वर्क वीजा के बजाय विज़िट वीजा दिया जाता है, पासपोर्ट ज़ब्त कर दासता जैसी मजदूरी पर मजबूर कर दिया जाता है. मासूम युवाओं के सपनों को तोड़ कर उन्हें अमानवीय शोषण का सामना करना पड़ता है. इसके बाद कई माफ़िया लाखों रुपये वतन वापसी के नाम पर भी मांगते हैं. नव झारखण्ड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा के अनुसार यह सीधे-सीधे मानव तस्करी और आधुनिक ग़ुलामी का कारोबार है. विष्णुगढ़ और बगोदर प्रखंड की स्थिति सबसे गंभीर बताई जा रही है, जहां सैकड़ों युवा कबूतरबाज़ी के जाल में फंसे हुए हैं. सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह पूरा नेटवर्क प्रशासनिक और राजनीतिक संरक्षण के सहारे काम करता है. कई एजेंट ट्रैवल एजेंसी और विदेश नौकरी कंसल्टेंट का भेस बना कर लोगों को फंसा रहे हैं. इस संकट से निपटने के लिए प्रशासन, श्रम विभाग, प्रवासी मंत्रालय और साइबर पुलिस को मिलकर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी. यदि ऐसे गिरोहों पर नियंत्रण नहीं हुआ तो हज़ारीबाग पूरी तरह कबूतरबाज़ी का हब बन जाएगा, जो न केवल जिले बल्कि पूरे झारखंड की छवि खराब करेगा. अब वक्त है सपनों के सौदागरों को नहीं, बल्कि ग़ुलामी के इस कारोबार को बेनकाब करने का.

एक नजर

दो महान सपूतों को कोलेबिरा पत्रकार संघ की श्रद्धांजलि

कोलेबिरा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन और वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह के निधन पर कोलेबिरा पत्रकार संघ ने गहरा शोक व्यक्त किया है. संघ ने इसे झारखंड की राजनीति, समाज और पत्रकारिता के लिए अपूरणीय क्षति बताया. संघ के अध्यक्ष रथीनद्र गुप्ता ने कहा कि शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड आंदोलन के प्रणेता और आदिवासी चेतना के प्रतीक थे. उन्होंने राज्य के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई. वहीं, हरिनारायण सिंह के निधन को बीरेंद्र तिवारी ने हिंदी पत्रकारिता के एक युग का अंत बताया.

छह महीने में ही ढह गई 11 करोड़ रुपये की सड़क

बुंडू। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बुंडू के एदलहातु से लबगा तक 11 करोड़ की लागत से बनी 10.5 किमी सड़क महज छह महीने में ही जर्जर हो गई. सड़क में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, बिटुमिन उखड़ चुका है और मेटल-मिट्टी सड़क पर बिखरी पड़ी है, जिससे जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है. ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पहले बेहतर थी, लेकिन निर्माण के बाद खराब हो गई. संवेदक अंकित कुमार शुक्ला द्वारा निर्माण कार्य जून 2022 में शुरू कर जून 2023 में पूरा करना था, लेकिन कार्य में देरी हुई और निकाली गई सामग्री को दोबारा उपयोग कर सड़क बना दी गई, जो टिक नहीं सकी. ग्रामीणों ने संवेदक को ब्लैकलिस्ट कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है.

ब्रेस्ट फीडिंग पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मांडर। सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं भारती कॉलेज ऑफ नर्सिंग में सोमवार को ब्रैस्ट फीडिंग वीक 2025 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. उद्घाटन संस्था की अध्यक्ष श्रीमती छवि सिन्हा, सचिव नितिन पराशर एवं शैक्षणिक सचिव डॉ. दीपाली पराशर ने दीप प्रज्वलन कर किया. कार्यक्रम में प्रचार्या निहारिका श्रीवास्तव सहित शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे. छात्रों ने स्तनपान के महत्व, शिशु व मातृ स्वास्थ्य पर प्रभाव और कार्यशील माताओं हेतु विकल्पों पर जानकारी साझा की. रंगोली, पोस्टर मेकिंग व स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ.

इटकी में निःशुल्क जांच शिविर आयोजित

इटकी। बनिया टोली स्थित डॉ अशोक नर्सिंग होम में सोमवार को एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में 100 से अधिक लोगों की ब्लड प्रेशर, शुगर, दंत रोग, स्त्री रोग और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की गई. विशेष रूप से लिवर संबंधित बीमारियों की जांच के लिए फाइब्रोस्केनिंग सुविधा भी उपलब्ध कराई गई थी. जांच के उपरांत जरूरतमंद मरीजों के बीच निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया. इस स्वास्थ्य शिविर में डॉ आशुतोष पांडे, डॉ मन्नजय प्रसाद, डॉ अनीता सेलकर, डॉ रजनीश कुमार, स्वास्थ्यकर्मी कृष्णा महली और शुभम सहित अन्य चिकित्सक व कर्मी उपस्थित रहे.

शिव मंदिरों में श्रृंगार पूजा और भंडारे का आयोजन

इटकी। श्रावण माह की अंतिम सोमवारी को लेकर इटकी के मुख्य शिव मंदिर में भगवान शिव की भव्य श्रृंगार पूजा और दिव्य आरती का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का नेतृत्व पंडित हर्षवर्धन पांडेय ने किया, जिसमें यजमान अमित महतो व रीना देवी ने विधिवत पूजा अर्चना की. पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया और रात में भंडारे का आयोजन हुआ. इस धार्मिक आयोजन में लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, सूरज गोसाईं, मनोज सिंह, सुनील सोनी, मनीष सोनी, आनंद गोप, अंकित, आयुष समेत कई श्रद्धालु शामिल हुए. वहीं, बनिया टोली स्थित रुद्र महाकाल मंदिर में भी श्रृंगार पूजा की गई.

शिबू सोरेन के निधन पर यूनियन में शोकसभा

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा बंसत विहार स्थित यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के क्षेत्रीय कार्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा आयोजित की गई. मुंद्रिका प्रसाद की अध्यक्षता में हुई इस सभा में शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई. वक्ताओं ने शिबू सोरेन के संघर्षपूर्ण जीवन और आदिवासियों के अधिकारों के लिए किए गए उनके योगदान को याद किया. आठ बार सांसद और तीन बार मुख्यमंत्री रहे शिबू सोरेन को आदिवासियों का गुरु बताया गया. उन्होंने जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया. शोकसभा में यूनियन के कई सदस्य मौजूद थे.

बुनियादी सुविधा से महरूम हैं ग्रामीण

घाघरा। घाघरा प्रखंड मुख्यालय से महज आठ किलोमीटर की दूरी पर बसा देवाकी पंचायत का बाड़ोटोली गांव आजादी के 77 साल बाद भी विकास से कोसों दूर है. यहां के लोग आज भी बदहाल जिंदगी जीने को विवश हैं. यहां के लोग सड़क, स्कूल और पुल जैसी बुनियादी सुविधाएं से महरूम हैं. बाड़ोटोली गांव तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं है. वर्षा के कारण रोड कीचड़ में तब्दील हो गया है. मरीज को अस्पताल पहुंचाने या फिर बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है. एंबुलेंस तो दूर की बात है, यहां साइकिल तक से चलना मुश्किल है. बरसात के दिन प्रखंड मुख्यालय से संपर्क कट जाता है. बाड़ोटोली के ग्रामीण सरकार और स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के कारण यहां के ग्रामीण निराश हैं.

छात्रों ने खेल प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा के छात्रों ने क्लस्टर स्तरीय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया. स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ. आर. चौधरी ने सफल बच्चों को बधाई दी और उनका मनोबल बढ़ाया. उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा यह अनुशासन भी सिखाता है. अंडर-19 बैडमिंटन में प्रियांशी तिवारी ने स्वर्ण और भव्यता ने रजत पदक जीता. खो-खो में प्रतिपीड़ा को रजत पदक मिला. बॉक्सिंग और वुशु में निशांत और दिव्यांशु ने स्वर्ण, जबकि अन्य ने रजत और कांस्य पदक प्राप्त किए. वेट लिफ्टिंग में अभिनव आनंद झा ने स्वर्ण पदक जीता. एथलेटिक्स में छह बच्चों ने कुल 14 पदक (12 स्वर्ण, 2 रजत) प्राप्त किए.

कोल वाहन की चपेट में आने से छात्रा घायल

पिपरवार। चौड़ा चौक के पास सोमवार को कोल वाहन ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय की तीसरी कक्षा की छात्रा इशिका कच्छप को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. इशिका की सिर में गहरी चोट लगने से उसका सिर फट गया है. घायल बच्ची को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची रेफर कर दिया गया है.

पिपरवार में शिबू सोरेन के निधन पर शोक की लहर

पिपरवार। झारखंड की राजनीति के आदिवासी नेतृत्व और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन से पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में गहरा शोक छा गया है. तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए क्षेत्र के कई लोग शोक व्यक्त कर प्रार्थना कर रहे हैं. इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के सिमरिया विधानसभा प्रभारी मनोज चंद्रा, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष पिंकी सिंह, रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी और स्थानीय प्रतिनिधि शामिल रहे.

छापेमारी

कंटेनर में अवैध शराब रांची जाने की पुलिस अधीक्षक को मिली थी गुप्त सूचना

पुलिस ने कंटेनर से 55.66 लाख की अवैध शराब जब्त की

- ड्राइवर और खलासी भेजे गए जेल

शुभम संदेश। गुमला

भरनो थाना की पुलिस ने रविवार की रात एक कंटेनर ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त किया है. पुलिस ने कंटेनर चालक वीर सिंह 21 वर्ष ग्राम खेरारी थाना कलानोर जिला रोहतक हरियाणा और खलासी संदीप सिंह, ग्राम नैन, थाना मतलोडा, जिला पानीपत हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ के बाद भरनो पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को सोमवार को जेल भेज दिया. अवैध शराब लदा कंटेनर को जब्त कर लिया. पुलिस निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सिसई बाईपास रोड से एक कंटेनर में अवैध शराब रांची की ओर जाने की पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी. पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया. बाईपास रोड में नाकेबंदी की गई और कंटेनर को रोक कर पूछताछ की गई. तलाशी लेने पर कंटेनर में अलग-अलग कंपनी व साइज का कुल 685 पेटी जिसका अनुमानित मूल्य 55 लाख 66 हजार दो सौ होगा. कंटेनर व शराब के साथ दो मोबाइल, 5770 रुपये नगद को विधिवत जब्त किया गया और गिरफ्तार चालक व खलासी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया गया.

प्रतिबंधित नशीली दवा जब्त, दो कारोबारी गिरफ्तार

संवाददाता। गुमला

टोटो पुलिस ने रविवार की शाम प्रतिबंधित नशीली दवा के दो कारोबारी को खरका कोटाम रोड से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अभियुक्तों में गोया घाघरा के नईम खान 50 वर्ष और पूटो घाघरा के मिथलेश सिंह के नाम शामिल हैं. पुलिस ने दोनों के पास से भारी मात्रा में वीनस्पास्मो कैप्शूल जब्त किया है. प्रभारी थानेदार संजीवन उरांव ने बताया कि खरका कोटाम रोड में प्रतिबंधित नशीली दवा के कारोबारी की गतिविधि की पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी. जिसके सत्यापन के लिए एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में टोटो थाना की पुलिस अधिकारी उदेश्वर पाल, गफ्फार अंसारी, नौसाद पावरिया ने जवानों के साथ वाहन जांच अभियान आरंभ किया. पुलिस को देखकर दोनों अभियुक्तों ने अपना बाइक व स्कूटी पीछे की ओर भगाने का प्रयास किया जिसे जवानों ने धर दबोचा. तलाशी लेने पर नईम खान के पास से 1440 प्रतिबंधित कैप्शूल बरामद किया गया. पुलिस ने उसके पास से मोबाइल, 12.7 हजार रुपये, मोबाइल फोन व बाइक को जब्त किया जबकि मिथलेश सिंह के स्कूटी से 5760 प्रतिबंधित कैप्शूल बरामद किया गया. पुलिस ने मिथलेश के पास से उसका स्कूटी, एक मोबाइल को जब्त किया गया. पूछताछ के बाद उसके निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर में संचालित सिलाई सेंटर 23 कार्टून प्रतिबंधित कफ सिरप और 25920 प्रतिबंधित कैप्शूल बरामद किया. एनडीपीएस एक्ब् के तहत पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए दोनों अभियुक्त को जेल भेज दिया.

शुभम संदेश
रांची, मंगलवार 05 अगस्त, 2025

मंथन

जनजातीय जनचेतना के प्रकाश स्तंभ का अवसान

झारखंड की धरती ने अपने एक महान बेटे और युगपुरुष को खो दिया है. दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर केवल एक राजनेता के जाने की सूचना नहीं है, बल्कि यह उस जनजातीय चेतना के अवसान की सूचना है, जिसने आदिवासी अस्मिता, अधिकार और आत्मसम्मान के लिए दशकों तक संघर्ष किया. गुरुजी के अवसान की खबर देते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का यह कथन –आज मैं शून्य हो गया हूं – केवल एक पुत्र की पीड़ा नहीं है, बल्कि पूरे झारखंड की आत्मा की वेदना है. दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन किसी साधारण राजनेता का जीवन नहीं था. वे पूरे आदिवासी समाज की आवाज बने, जब व्यवस्था मौन थी. जब देश में विकास की दौड़ में जनजातीय समाज की पहचान धुंधली पड़ती जा रही थी, तब दिशोम गुरु ने जंगल, जमीन और जल के अधिकार की लड़ाई को राष्ट्रीय विमर्श में स्थापित किया. उन्होंने अपनी राजनीति को सत्ता का साधन नहीं, संघर्ष का माध्यम माना. यही कारण है कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे आंदोलनकारी संगठन के नेतृत्वकर्ता बने, जिसने अंततः झारखंड राज्य निर्माण की नींव रखी. अलग झारखंड राज्य लेकर दिखाया भी. तीन बार मुख्यमंत्री का पद संभालने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन का शासनकाल भले ही हरबार अल्पकालिक रहा हो, लेकिन उनका प्रभाव दीर्घकालिक और गहरा था. उनका राजनीतिक दर्शन सामाजिक न्याय और हाशिए पर खड़े लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर केंद्रित था. उनके भीतर एक संत, एक योद्धा और एक किसान बसता था. वे किसी बड़े राजनीतिक वंश परंपरा से नहीं आए थे, बल्कि उन्होंने खेत-खलिहानों और आंदोलनों की मिट्टी से अपना नेतृत्व उगाया. स्वाभाविक है कि उनका निधन न केवल झारखंड के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है. वे भारतीय राजनीति में उस पीढ़ी के प्रतिनिधि थे, जिन्होंने लोकतंत्र की नींव को जमीनी स्तर तक मजबूत किया. उनके जाने से एक ऐसा शून्य उत्पन्न हुआ है, जिसे केवल संवैधानिक पदों से नहीं, जनसमूहों के संघर्षों और उनके साथ की आत्मीयता से ही भरा जा सकता है. शिबू सोरेन का जीवन अनेक विरोधाभासों से भी भरा रहा, लेकिन इन सबके बीच उनकी जनप्रतिबद्धता कभी डिगी नहीं. उनकी नीतियों और विचारों ने आदिवासी समाज को न केवल राजनीतिक चेतना दी, बल्कि सामाजिक जागरूकता की नई दिशा भी दी. वे अपने समर्थकों के लिए 'गुरुजी' थे – मार्गदर्शक, संरक्षक और प्रेरणास्त्रोत. विषम से विषम परिस्थिति में भी कभी हार न मानने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने महाजनी व्यवस्था के खिलाफ राजनीति शुरू की थी, और हमेशा ऐसे समाज के खिलाफ रहे, जो गरीबों-वंचितों की हकमारी करता है. गुरुजी हमेशा आम लोगों के बीच खड़े मिलते थे. उनकी राजनीति में किसी तरह का छल-कपट या अहंकार नहीं था. अपने हजारों करिबियों को गुरुजी नाम से पहचानते थे. हमेशा सबके साथ आत्मीयता से मिलते थे. आज जब झारखंड सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब दिशोम गुरु शिबू सोरेन के विचार और संघर्ष की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है. उनकी विरासत केवल उनके पुत्र हेमंत सोरेन के राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं है, बल्कि वह हर उस युवा में जीवित है, जो समाज के कमजोर वर्गों के लिए न्याय और अधिकार की बात करता है. देश और राज्य के लिए यह गहरे शोक का क्षण है, लेकिन साथ ही यह एक संकल्प लेने का भी समय है – कि दिशोम गुरु का सपना अधूरा न रह जाए. उनके दिखाए रास्ते पर चलकर झारखंड को एक समावेशी, न्यायप्रिय और आत्मनिर्भर समाज की दिशा में ले जाया जाए.

(नमन दिशोम गुरु... आप हमारे विचारों में जीवित रहेंगे, हमारी लड़ाइयों में प्रकट होंगे और हमारी विजय में मार्गदर्शन करेंगे.)

शिबू सोरेनः जल-जंगल-जमीन का महानायक

बृजेंद्र दुबे

झारखंड की राजनीति और सामाजिक चेतना को गढ़ने वाले युगपुरुष, दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने 81 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली. सोमवार, 4 अगस्त 2025 की सुबह 8:56 बजे उन्होंने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में दुनिया को अलविदा कह दिया.

उनके निधन की खबर झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक भावनात्मक क्षण बन गई. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जो उनके पुत्र भी हैं, ने ट्वीट कर अपने पिता के निधन की पुष्टि की. उन्होंने लिखा, आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं. आज मैं शून्य हो गया हूं. इस एक वाक्य में झारखंड की राजनीति, सामाजिक चेतना और आदिवासी नेतृत्व की अपूर्णीय क्षति की अनुभूति होती है.

शिबू सोरेन अपने पीछे एक बड़ा और राजनीतिक रूप से सक्रिय परिवार छोड़ गए हैं. उनकी पत्नी रूपी सोरेन और चार बच्चे तीन बेटे और एक बेटी हैं. उनके सबसे बड़े बेटे दुर्गा सोरेन, जो झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के सक्रिय नेता थे, वर्ष 2009 में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए थे. उनकी पत्नी सीता सोरेन हैं और वो तीन बेटियों की मां हैं.

दूसरे नंबर पर हैं बेटी अंजलि सोरेन, जो सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं. तीसरे नंबर पर हैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं, जो झारखंड की राजनीति में वर्तमान समय में सबसे प्रभावशाली आदिवासी चेहरा हैं. सबसे छोटे बेटे बसंत सोरेन, झामुमो की युवा इकाई के प्रमुख हैं और संगठनात्मक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं. वे गांडेय विधानसभा सीट से विधायक हैं और एक शिक्षित नेता के रूप में उनकी छवि बनी है. कल्पना बीटेक और एमबीए की डिग्रीधारी हैं और हेमंत सोरेन के साथ मिलकर जनसेवा के कार्यों में योगदान दे रही हैं. दंपती के दो बेटे निखिल और अंश हैं.

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को वर्तमान झारखंड के रामगढ़ जिले (तब बिहार) के एक छोटे से गांव में हुआ था. वे संथाल जनजाति से आते थे और आदिवासी परंपराओं में पले-बढ़े. उनका जीवन प्रारंभ से ही संघर्षों से भरा रहा. 18 वर्ष की आयु में उन्होंने संथाल नवयुवक संघ की स्थापना की, जो आदिवासी युवाओं को सामाजिक जागरूकता और संगठित संघर्ष की दिशा में प्रेरित करने वाला संगठन था. वर्ष 1972 में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की. उनके साथ इस ऐतिहासिक पहल में दो और बड़े नेता एके रॉय और विनोद बिहारी महतो भी थे. यही संगठन आगे चलकर झारखंड राज्य निर्माण आंदोलन की अगुआई करने वाला सबसे बड़ा मंच बना.

शिबू सोरेन की राजनीति केवल चुनावी सीमाओं तक सीमित नहीं रही, वह आंदोलन की कोख से जन्मी राजनीति थी. 1980 से 1984 और फिर 1989 से 1999 तक वे दुमका से लोकसभा सांसद रहे. इसके बाद 2002 से 2019 तक उन्होंने संसद में लगातार झारखंड की आवाज उठाई. उनके नेतृत्व और आवाज ने आदिवासी समाज के जल, जंगल, जमीन के अधिकार को राष्ट्रीय राजनीति में पहचान दिलाई.

शिबू सोरेन ने तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली. पहली बार वे 2 मार्च 2005 को मुख्यमंत्री बने, लेकिन यह कार्यकाल केवल 10 दिनों का रहा और 12 मार्च को उन्हें इस्तीफा देना पड़ा. इसके बाद वर्ष 2008-09 और 2009-10 में उन्होंने दो बार फिर मुख्यमंत्री पद संभाला. उनके कार्यकाल भले ही लंबे न रहे हों, लेकिन उन्होंने राज्य में आदिवासी हितों को प्राथमिकता देने की स्पष्ट दिशा दी. इसके अलावा, उन्होंने तीन बार केंद्र में कोयला मंत्री के रूप में भी सेवाएं दीं—2004, 2004-05 और 2005-06 के बीच. यह तथ्य उन्हें न केवल एक क्षेत्रीय नेता, बल्कि एक राष्ट्रीय राजनेता के रूप में स्थापित करता है.

शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं थे. वे आंदोलनकारी, समाज सुधारक और जनजातीय अस्मिता के रक्षक थे. उन्होंने हमेशा आदिवासी संस्कृति, भाषा, परंपरा और अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ी. उनकी भूमिका जनपक्षीय नेता की रही.

झारखंड के अलग राज्य बनने की नींव जिन हाथों ने रखी, उनमें शिबू सोरेन अग्रिम पंक्ति में थे. उन्होंने 'अलग राज्य आंदोलन' को गांव-गांव तक पहुंचाया, आदिवासी चेतना को राजनीतिक स्वरूप दिया और जन-आंदोलन को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाया. यही प्रयास अंततः वर्ष 2000 में झारखंड को बिहार से अलग एक स्वतंत्र राज्य का दर्जा दिलाने में सफल हुआ. उनकी भूमिका को केवल एक राजनीतिक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति के रूप में देखा जाना चाहिए. शिबू सोरेन ने झारखंड के करोड़ों लोगों को यह अहसास दिलाया कि वे भी इस देश के बराबरी के नागरिक हैं और उनका अधिकार किसी से कम नहीं है.

शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं थे. वे एक आंदोलनकारी, समाज-सुधारक और जनजातीय अस्मिता के रक्षक थे. उन्होंने हमेशा आदिवासी संस्कृति, भाषा, परंपरा और अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ी. चाहे वह भूमि अधिग्रहण का मामला हो या वन अधिकार कानून का सवाल—शिबू सोरेन की भूमिका हमेशा स्पष्ट और जनपक्षीय रही.

उन्होंने झारखंड के हर तबके, खासकर वंचित और हाशिए पर खड़े समाज को राजनीतिक जागरूकता दी. उनके जीवन से यह सिखने को मिलता है कि संघर्ष ही परिवर्तन की असली शक्ति है.

शिबू सोरेन के निधन से झारखंड ने न केवल अपना एक वरिष्ठ नेता खोया है, बल्कि वह आत्मा खो दी है जिसने इस राज्य को आकार दिया, उसे चेतना दी और उसे एक पहचान दी. दिशोम गुरु अब नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनके संघर्ष और उनके दिखाए रास्ते आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे. वे एक व्यक्ति नहीं, एक विचार थे. और विचार कभी मरते नहीं.

आज का इतिहास

1775: बंगाल नवाब के अधिकारी नंदकुमार को कलकत्ता में फांसी दी गई.
1914: अमेरिका में पहली इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट लगाई गई.
1914: क्यूबा, उरुग्वे, मैक्सिको व अर्जेंटीना ने प्रथम विश्व युद्ध में तटस्थ रहने की घोषणा की.
1923: हेनरी सुलिवान इंग्लिश चैनल पार करने वाले पहले अमेरिकी तैराक बने.
1945: अमेरिकी हवाई जहाज ने जापान के हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया.
1962: मशहूर हॉलीवुड अभिनेत्री मर्लिन मुनरो अपने लॉस एंजेलिस स्थित आवास पर मृत पाई गईं.
1963: रूस ब्रिटेन और अमेरिका ने मॉस्को में परमाणु परीक्षण निषेध सन्धि की.
1991: न्यायमूर्ति लीला सेठ दिल्ली हाईकोर्ट में पहली महिला न्यायधीश बनीं.
2011: नासा के वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह पर पानी होने का साइंस पत्रिका में दावा किया.

लक्ष्य के पास पहुंच कर जल्दबाजी कभी न दिखाएं

चिंतन

सुंदरबन के निवासियों पर हर समय जंगली जानवरों का खतरा बना रहता था. यही वजह थी की वे सब पेड़ों पर तेजी से चढ़ने-उतरने की ट्रेनिंग लिया करते थे. ट्रेनिंग एक बुजुर्ग देते थे , जो अपने समय में इस कला के महारथी थे. सब उन्हें बाबा-बाबा कहते थे. बाबा युवाओं के एक समूह को पेड़ों पर चढ़ने-उतरने की बारीकियां सिखा रहे थे. उनकी ट्रेनिंग का आखिरी दिन था.

बाबा बोले, आपकी ट्रेनिंग का आखिरी दिन है, मैं चाहता हूं, आप सब एक-एक बार इस चिकने और लंबे पेड़ पर चढ़ – उतर कर दिखाएं. पहले युवक ने चढ़ना शुरू किया और देखते -देखते पेड़ की सबसे ऊंची शाखा पर पहुंच गया. फिर उसने उतरना शुरू किया. जब वो आधा उतर आया तो बाबा बोले, सावधान, संभल कर. आराम से उतरो जल्दबाजी नहीं. युवक सावधानी से नीचे उतर आया. बाकी के युवक भी पेड़ पर चढ़े और उतरे, और हर बार बाबा ने आधा उतर आने के बाद ही उन्हें सावधान रहने को कहा. ये बात सबको अजीब लगी, और एक ने पूछा, बाबा, हमें एक बात समझ में नहीं आई , पेड़ का सबसे कठिन हिस्सा तो ऊपर वाला था, आपने तब सावधान होने को नहीं कहा, पर जब हम आधा पेड़ उतर आए.और बाकी उतरना आसान था तभी आपने हमें सावधान क्यों किया? बाबा बोले, बेटे! सब जानते हैं कि ऊपर का हिस्सा सबसे कठिन होता है, इसलिए वहां हम खुद ही सतर्क रहते हैं और सावधानी रखते हैं. लेकिन जब हम लक्ष्य के समीप पहुंचने लगते हैं तो वह हमें बहुत ही सरल लगने लगता है. हम जोश में होते हैं और अति उत्साह में आ जाते हैं. इसी समय सबसे अधिक गलती होती है. यही कारण है कि मैंने तुम लोगों को आधा पेड़ उतर आने के बाद सावधान किया ताकि तुम मंजिल के निकट आकर गलती न कर बैठो! युवक बाबा की बात समझ गए, उन्हें बहुत बड़ी सीख मिल चुकी थी.

मित्रों, सफलता के लिए लक्ष्य बनाना बहुत ही जरूरी है, लेकिन, मंजिल को सामने पाएं तो जल्दबाजी न करें और पूरे धैर्य से कदम बढ़ाएं. बहुत से लोग लक्ष्य के निकट पहुंच कर धैर्य खो देते हैं और गलतियां कर बैठते हैं जिससे लक्ष्य से चूक जाते हैं. इसलिए लक्ष्य के आखिरी पड़ाव पर मत चूकिए, लक्ष्य पाकर ही दम लीजिए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #ShibuSoren
2. शिबू सोरेन
3. #MondayMotivation
4. #DefeatNegativity
5. #Jharkhand
6. झारखंड आंदोलन
7. गंगाराम अस्पताल
8. #HemantSoren
9. Saint Dr MSG
10. हेमंत सोरेन

बहुरंग

'सन ऑफ सरदार 2' की धीमी शुरुआत के बाद कमाई में मामूली सुधार

- 'सन ऑफ सरदार 2' ने अपनी ओपनिंग डे पर 7.25 करोड़ रुपये की कमाई की

अजय देवगन की चर्चित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' आखिरकार 01 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. हालांकि रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी चर्चा थी और दर्शकों में उत्सुकता भी दिखी, लेकिन रिलीज के बाद यह उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर पाई. कॉमेडी और एक्शन से भरपूर इस सीक्वल को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है. जहां कुछ ने फिल्म के मसाला एंटरटेनमेंट की तारीफ की, वहीं कई लोगों को इसकी स्क्रिप्ट और ह्यूमर प्रभावित नहीं कर सका. बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने अब तक औसत प्रदर्शन ही किया है.

खासकर तीसरे दिन की कमाई पर नज़र डालें तो यह काफी हद तक फिल्म की लोकप्रियता का संकेत देती है. अब 'सन ऑफ सरदार 2' की तीसरे दिन की कमाई सामने आ गई है. बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, 'सन ऑफ सरदार 2' ने अपनी ओपनिंग डे पर 7.25 करोड़ रुपये की कमाई करते हुए एक ठीक-ठाक शुरुआत की थी. दूसरे दिन यानी शनिवार को फिल्म की कमाई में हल्की बढ़त देखने को मिली और इसने 8.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. वहीं रविवार को छुट्टी का फायदा उठाते हुए फिल्म ने 9.25 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. इस तरह रिलीज के पहले वीकेंड में 'सन ऑफ सरदार 2' का कुल कलेक्शन 24.75 करोड़ रुपये पहुंच चुका है.

बताया जा रहा है कि फिल्म का कुल बजट करीब 80 करोड़ रुपये है, ऐसे में इसे हिट होने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है. 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन पहली बार मृणाल ठाकुर के साथ स्क्रीन शेयर कर रहे हैं. फिल्म में मृणाल राबिया का किरदार निभा रही हैं और अजय के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है, जिन्होंने इसे एक मसाला एंटरटेनर के तौर पर पेश किया है. कास्ट की बात करें तो फिल्म में नीरू बाजवा, रोशनी वालिया, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, साहिल मेहता, चंकी पांडे और रवि किशन जैसे कई दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नज़र आ रहे हैं.

'सारे जहां से अच्छा' का ट्रेलर रिलीज, देशभक्ति के रंग में रंगे प्रतीक

बॉलीवुड अभिनेता प्रतीक गांधी पिछली बार फिल्म 'फुले' में पत्रलेखा के साथ नजर आए थे. जहां उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई, वहीं फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई. अब प्रतीक जल्द ही वेब सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' में दिखाई देंगे, जिसका निर्देशन गौरव शुक्ला ने किया है. इस सीरीज को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है. इस तरह से अब इंतजार खत्म हुआ, 'सारे जहां से अच्छा' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है. 'सारे जहां से अच्छा' का प्रीमियर 13 अगस्त, 2025 को नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है. यह वेब सीरीज 1970 के दशक की राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल भरे दौर पर आधारित है. कहानी में जासूसी, बलिदान और देशभक्ति के भाव गहराई से पिरोए गए हैं. फिल्म में प्रतीक गांधी एक खुफिया एजेंट विष्णु शंकर की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपने फर्ज और देश के लिए हर जोखिम उठाने को तैयार है. सीरीज में प्रतीक के साथ-साथ सनी हिंदुजा, सुहैल नैय्यर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनूप सोनी जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.

एआई से बदला गया 'रांझणा' का क्लाइमेक्स अभिनेता धनुष और सोनम कपूर आएंगे नजर

साउथ अभिनेता धनुष ने साल 2013 में फिल्म 'रांझणा' के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा था. इस फिल्म में उनके साथ सोनम कपूर नजर आई थीं और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब सराहा. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और इसके गाने, संवाद और कलाकारों की अदाकारी आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं.

'रांझणा' को आज भी बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक्स में शुमार किया जाता है. हाल ही में इस फिल्म को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक की मदद से एक नए क्लाइमेक्स के साथ दोबारा रिलीज़ किया गया है, जिससे दर्शकों को एक ताज़ा और अलग अनुभव मिला है.

फिल्म 'रांझणा' के ओरिजिनल क्लाइमैक्स में कुंदन की मौत एक भावनात्मक मोड़ लेकर आती है, जो दर्शकों के दिल को छू जाती है. लेकिन हाल ही में एआई तकनीक की मदद से फिल्म का अंत बदल दिया गया है, जिसमें दिखाया गया है कि कुंदन मरता नहीं, बल्कि एक चमत्कारी रूप से फिर से जीवित हो जाता है. इस नए क्लाइमेक्स को देखकर अभिनेता धनुष ने अपनी नाखुशी जाहिर की है.

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'रांझणा' के एआई-बदले हुए क्लाइमेक्स को देखकर बेहद दुख हुआ. यह वह फिल्म नहीं है जिसके लिए मैंने 12 साल पहले दिल से काम किया था. इस बदलाव से फिल्म की आत्मा ही खो गई है. सबसे ज़्यादा तकलीफ़ इस बात की है कि मेरे विरोध के बावजूद यह बदलाव लागू कर दिया गया.₹ धनुष की इस प्रतिक्रिया से साफ है कि उन्होंने इस क्लासिक फिल्म को सिर्फ एक किरदार की तरह नहीं, बल्कि एक कलाकार के जुनून के तौर पर जिया था.

धनुष ने अपनी नाराज़गी जताते हुए आगे लिखा, किसी फिल्म की मूल थीम, उसकी भावनात्मक गहराई या किसी खास दृश्य में एआई से छेड़छाड़ करना, उस पूरी कलाकृति की आत्मा को खत्म करने जैसा है. यह न केवल रचनात्मकता का अपमान है, बल्कि उस फिल्म की विरासत के लिए भी एक गंभीर खतरा बन सकता है. मैं उम्मीद करता हूं कि भविष्य में इस तरह की अनुचित तकनीकी हस्तक्षेप को रोकने के लिए सख्त नियम और कानून बनाए जाएंगे. उनका यह बयान सिर्फ 'रांझणा' से जुड़ा विरोध नहीं, बल्कि तेजी से बदलती तकनीक और सिनेमा के भविष्य पर एक गहरी चिंता भी जाहिर करता है.

बॉक्स ऑफिस पर नहीं चला 'धड़क 2' का जादू

इस समय सिनेमाघरों में कई फिल्में रिलीज़ हो चुकी हैं, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही हैं. इन्हीं में से एक है 'धड़क 2', जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आ रही है. फिल्म की कहानी और दोनों सितारों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने सराहा है, लेकिन इसके बावजूद 'धड़क 2' बॉक्स ऑफिस पर वैसी कमाई नहीं कर पा रही, जैसी उम्मीद की गई थी. अब फिल्म के तीसरे दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जिससे इसके शुरुआती प्रदर्शन की तस्वीर और साफ हो गई है. बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'धड़क 2' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 4.25 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन अब 11.50 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है. फिल्म ने पहले दिन 3.5 करोड़ रुपये की औसत ओपनिंग ली थी, जबकि दूसरे दिन 3.75 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. गौरतलब है कि इस फिल्म का बजट लगभग 60 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, ऐसे में इसे हिट होने के लिए अभी लंबा सफर तय करना बाकी है. 'धड़क 2' का निर्देशन शाजिया इकबाल ने किया है, जबकि फिल्म के निर्माता हैं करण जौहर. यह एक रोमांटिक ड्रामा है जिसमें तृप्ति डिमरी ने विधि और सिद्धांत चतुर्वेदी ने नीलेश का किरदार निभाया है. दोनों के बीच के इमोशनल और इंटेंस सीन्स दर्शकों को भावनात्मक रूप से काफी प्रभावित कर रहे हैं. फिल्म में आशीष चौधरी, विपिन शर्मा, मंजिरी पुपला, दीक्षा जोशी, अशवंत लोधी, अमित जाट, प्रियांक तिवारी, मयंक खन्ना और आदित्य ठाकरे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. आलस्य का त्याग करें. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. शुभांक-2-5-7

वृष : जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. शुभांक-5-6-9

कर्क : किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा. बुद्घि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें. अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं. मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी. बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी. शुभांक-1-6-7

सिंह : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कार्यसिद्घि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. शुभांक-2-5-6

कन्या : शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्व पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. शुभांक-3-8-7

तुला : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है. आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. मान-सम्मान में वृद्घि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. शुभांक-2-3-7

वृश्चिक : स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी. धन से लाभ होने लगेगा. घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. शुभांक-2-6-8

धनु : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. शुभांक-4-8-9

मकर : संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा. कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा. खान-पान में सावधानी रखें. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे है. शुभांक-5-6-8

कुंभ : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-6-8-9

मीन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. भगवान शिव का ध्यान करें. शुभांक-3-6-8

जननायक का अवसान

ये तस्वीर इंसानियत और राजनीति को नए सिरे से परिभाषित करती है !

आनंद सिंह

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक साथ हैं. मुख्यमंत्री के पिता का निधन हो गया, इसलिए देश के प्रधानमंत्री मिलने आए, सांत्वना देने आए. मिलने के पहले उन्होंने एक संदेश भी लिखा-एक्स पर. उन्होंने लिखाः शिबू सोरेन एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ

जीवन में दो सत्य हैं. तीसरा कुछ भी नहीं. प्रथम सत्य है जीवन. अंतिम सत्य है मृत्यु. मृत्यु को आप जिस नाम से भी पुकारें, चलेगा. आप उसे प्रयाण कहें, महाप्रयाण कहें, अलविदा कहें, जीवन का अंत कहें, जो मन में आए कहें. प्रथम और अंतिम सत्य होकर ही रहता है. जिसका जन्म हुआ है, उसका मरण तो तय ही है. इसमें कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो किसी भी सीमा में नहीं बंधते. वह सीमाओं से परे होते हैं. वह लालसाओं, लिप्साओं, अहम और नश्वर दुनिया से सर्वथा पृथक और भिन्न होते हैं.

कई नेता सार्वकालिक, सार्वदेशिक और सर्वदलीय हो जाते हैं. दिशोम गुरु शिबू सोरेन भी उन्हीं में से एक हैं. जो झारखंडी हैं, उन्हें पता है कि वह इस प्रदेश के सबसे दिग्गज नेता थे. प्रदेशवासी ही नहीं, इस धराधाम पर जहां भी झारखंडी बसते हैं, वो दुखी हैं.

अब इस तस्वीर को देखें. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक साथ हैं. मुख्यमंत्री के पिता का निधन हो गया, इसलिए देश के प्रधानमंत्री मिलने आए, सांत्वना देने आए. मिलने के पहले उन्होंने एक संदेश भी लिखा-एक्स पर. उन्होंने लिखाः शिबू सोरेन एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ. वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों के सशक्तीकरण के लिए विशेष रूप से समर्पित थे. उनके निधन से दुख हुआ. मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात की और संवेदना व्यक्त की.

इसके बाद, जब वह सर गंगाराम अस्पताल से श्रद्धांजलि देकर लौटे, तब फिर एक संदेश ट्वीट किया जिसमें लिखा थाः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. दुख की इस घड़ी में उनके परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं. उनका पूरा जीवन जनजातीय समाज के कल्याण के लिए समर्पित रहा, जिसके लिए वे सदैव याद किए जाएंगे.

इस तस्वीर को देखने के लिए क्यों कह रहा हूं? इसके अपने निहितार्थ हैं. बेशक झारखंड मुक्ति मोर्चा के अपने सिद्धांत हैं, भारतीय जनता पार्टी के अपने. बेशक चुनाव के दौरान दोनों दल एक-दूसरे पर आक्रमण करते रहे, क्योंकि यह राजनीति का लक्षण है. लेकिन, वही राजनीति हमें यह भी बताती है कि जब आत्मा देह त्याग देती है, तब सिर्फ एक ही धर्म बचता है- इंसानियत का. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी इंसानियत का परिचय दिया और हमारे मुख्यमंत्री उनसे गले मिल कर फफक-फफक कर रो पड़े. कल्पना कीजिए या फिर गौर से इस तस्वीर को देखिए, जिसमें एक प्रधानमंत्री के कंधे पर एक राज्य के मुख्यमंत्री का सिर है और वह (मुख्यमंत्री) रो रहा हो... प्रधानमंत्री की विचारधारा अलग है, मुख्यमंत्री की विचारधारा अलग है. लेकिन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच में एक किरदार ऐसा है, जो दोनों को मिलाने का काम करता है, बेशक हर चीज के उत्सर्ग के बाद. बेशक काया त्यागने के बाद. वह किरदार दिशोम गुरु शिबू सोरेन का ही है! राजनीति में बहुत सारी चीजें होती हैं. कुछ चीजें आपको अच्छी लग सकती हैं, कुछ खराब. लेकिन, कुछ मौके ऐसे आते हैं, जब राजनीति खुद को नए सिरे से परिभाषित करती है. नरेंद्र मोदी और हेमंत सोरेन का इस तरह मिलना, गले मिलना, रोना और मोदी जी का उनके कंधे पर थपकियां देकर सांत्वना देना....यह भी राजनीति का ही एक रूप है. टुच्ची मानसिकता वाले इसे इवेंट मैनेजमेंट करार दें, इससे पहले आप दिशोम गुरु को जरूर याद करें, क्योंकि झारखंड का असली नायक वही हैं, कोई और नहीं. उस महानायक को इवेंट मैनेजमेंट से कोई लेना-देना नहीं. वह अंतिम सत्य की राह पर जा चुके हैं. बस, यही एकमात्र सत्य है!!

शराब व शोषण के खिलाफ शिबू सोरेन का जनांदोलन

खूंटे में बांधकर पिटाई, रात्रि पाठशाला से शिक्षा का संदेश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासी समाज के महानायक शिबू सोरेन ने न सिर्फ राजनीतिक मंचों पर बल्कि गांव-गांव में जनांदोलनों के जरिए आदिवासी अस्मिता और आत्मनिर्भरता की लड़ाई लड़ी. उन्होंने महाजनी प्रथा के खिलाफ जोरदार आंदोलन चलाया, जिससे उन्हें राष्ट्रीय पहचान मिली. लेकिन इसके साथ ही उन्होंने आदिवासी समाज को भीतर से खोखला कर रही शराब की लत को भी गरीबी और शोषण की जड़ बताया और उसके खिलाफ भी एक बड़ा सामाजिक अभियान शुरू किया. शिबू सोरेन का मानना था कि शराब, विशेषकर हड़िया और देशी दारू, आदिवासियों की कमजोरी बन चुकी है. इसी कमजोरी का फायदा महाजन, साहूकार और जमीन लुटेरे उठाते हैं. आदिवासी जब नशे में होते हैं, तो उनकी जमीन, जंगल और अधिकार छिन जाते हैं. इसी सोच के तहत उन्होंने शराबबंदी को लेकर एक सशक्त आंदोलन की शुरुआत की. झारखंड मुक्ति मोर्चा के पुराने नेताओं के अनुसार, धनबाद और कोयलांचल क्षेत्र में इस अभियान का जबरदस्त असर हुआ.

शराबबंदी आंदोलन के दौरान शिबू सोरेन ने अवैध शराब बनाने और बेचने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया. गांवों में यदि किसी को शराब बनाते या बेचते पकड़ा जाता, तो उसे गांव लाकर खुले मैदान में एक खूंटे से बांध दिया जाता. फिर सार्वजनिक रूप से उसकी फटकार और पिटाई की जाती. एक व्यक्ति उस पर पानी डालता रहता और दूसरा व्यक्ति उसकी पिटाई करता. हालांकि, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता कि उसे गंभीर चोट या जान का खतरा न हो. इस तरह की सार्वजनिक चेतावनी के बाद ऐसे लोगों को दोबारा शराब कारोबार न करने की शपथ दिलाई जाती और छोड़ा जाता. इस सामाजिक आंदोलन की खास बात यह थी कि यह केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक भी था. शराब छुड़वाने के साथ-साथ शिबू सोरेन ने शिक्षा के महत्व को भी समझाया.

2007 में बची थी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जान, आज भी इस हादसे को याद करते हैं लोग

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की राजनीति के सबसे प्रभावशाली और करिश्माई नेताओं में शुमार दिशोम गुरु शिबू सोरेन का 81 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया. राज्य भर में शोक की लहर है. उनके पुत्र और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस दुखद समाचार की पुष्टि की. शिबू सोरेन सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि एक आंदोलनकारी नेता, एक विचारधारा, और आदिवासियों की बुलंद आवाज थे. शिबू सोरेन पर एक बार जानलेवा हमला भी हो चुका है. 25 जून 2007 को जब उन्हें झारखंड के दुमका जेल ले जाया जा रहा था, तब उनके काफिले पर बम से हमला किया गया था. यह हमला सुनियोजित था, लेकिन सौभाग्यवश इसमें कोई हताहत नहीं हुआ. उस समय वह बाल-बाल बचे, लेकिन यह घटना उनके जीवन की असाधारण संघर्षपूर्ण यात्रा का एक और उदाहरण बन गई.

शिबू सोरेन का राजनीतिक जीवन भी काफी उथल-पुथल भरा रहा. 2004 में जब वह केंद्र की मनमोहन सिंह सरकार में कोयला मंत्री बने थे, तभी उनके खिलाफ 30 साल पुराने एक मामले में गैर-जमानती वारंट जारी हुआ. मामला था 1975 के चिरूडीह नरसंहार का, जिसके बाद उन्हें अंडरग्राउंड होना पड़ा. उस वक्त पूरे देश में राजनीतिक भूचाल आ गया . बता दें कि 1975 में दुमका जिले के चिरूडीह गांव में एक भीषण हिंसा हुई थी, जिसे "चिरूडीह नरसंहार" कहा गया। शिबू सोरेन का दावा था कि वह आदिवासियों की जमीन को वापस दिलाने के लिए आंदोलन चला रहे थे. उसी दौरान एक दिन आदिवासी तीर-कमान लेकर और महाजन पक्ष बंदूकें लेकर आमने-सामने आ गए. नतीजा हिंसक झड़प हुई, जिसमें 9 मुस्लिम समेत 11 लोग मारे गए. इस घटना के बाद शिबू सोरेन के खिलाफ हत्या का मुकदमा चला. लेकिन आदिवासी समाज में वह नायक बनकर उभरे. उनके समर्थन में जनसैलाब उमड़ पड़ा. अंततः कोर्ट से उन्हें राहत मिली और मनमोहन सिंह ने दोबारा उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया.

शिबू सोरेन को देश भर में आदिवासियों की आवाज के तौर पर जाना जाता है. उन्होंने 1970 के दशक में 'धनकटनी आंदोलन' और अन्य कई सामाजिक आंदोलनों का नेतृत्व किया. वे बिहार से अलग झारखंड राज्य की मांग को लेकर चले लंबे संघर्ष के प्रमुख चेहरे रहे. शिबू सोरेन ने झारखंड राज्य बनने के बाद तीन बार मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया 2005, 2008 और 2009 में. हालांकि उनकी सरकारें अधिक समय तक नहीं चलीं, लेकिन उनके कार्यकाल ने झारखंड की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना को गहराई से प्रभावित किया. शिबू सोरेन ने पहली बार 1977 में लोकसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन हार का सामना करना पड़ा था. उसके बाद हुए 1980 के लोकसभा चुनाव में उन्हें सफलता मिली. इसके बाद 1986, 1989, 1991, 1996 में भी वो चुनाव जीते थे. 2004 में वे दुमका से लोकसभा के लिए चुने गए थे. शिबू सोरेन का निधन केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं है, बल्कि यह झारखंड आंदोलन के एक युग का अंत है. उन्होंने जिस तरह से आदिवासियों के हक के लिए अपनी पूरी जिंदगी समर्पित की, वह हमेशा प्रेरणा देता रहेगा. उनका जाना, आदिवासी समाज, झारखंड और भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है.

गुरुजी के विरोध के कारण वनांचल से झारखंड हुआ था नाम

शुभम संदेश। रांची

दिशोम गुरु शिबू सोरेन उर्फ गुरुजी अब नहीं रहे. लेकिन अलग झारखंड राज्य के निर्माण ही नहीं इसके नाम परिवर्तन में भी गुरुजी की अहम भूमिका थी. दो अगस्त 2000 को लोकसभा से बिहार पुनर्गठन विधेयक पारित हुआ था. अविभाजित बिहार के 18 जिलों को मिला कर केंद्र की तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार इस नये राज्य का नाम वनांचल रखना चाहती थी. प्रारंभिक दस्तावेजों में अलग राज्य का नाम भी वनांचल ही दिया गया. लेकिन गुरुजी वनांचल नाम के सख्त विरोधी थे. वे अलग राज्य का नाम झारखंड रखने की जिद् पर अड़ गए. लोकसभा में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गुरुजी को अपने कमरे में बुलाया. बातचीत की. गुरुजी के तर्क से वाजपेयी व उनके कैबिनेट के अन्य मंत्री सहमत हुए. फिर केंद्र सरकार अलग राज्य का नाम झारखंड रखने पर सहमत हो गया. उसके बाद केंद्र सरकार ने वनांचल की जगह झारखंड नाम से अलग राज्य का निर्माण किया गया. इसी तरह उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को काट कर बनाये गए नये राज्य का नाम भी उतराखंड रखा गया. जबकि प्रारंभ में भाजपा वनांचल और उतरांचल नाम से अलग राज्य के निर्माण को लेकर आंदोलन कर रही थी. इसके लिए भाजपा ने झारखंड में अपनी प्रदेश कमेटी का नाम भी वनांचल प्रदेश कमेटी दिया था.

राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रहे गुरुजी गुरुजी का जन्म 11 जनवरी 1941 को हुआ था. चार अगस्त 2025 को वह हम सबको छोड़ कर चले गए. अलग झारखंड राज्य निर्माण को लेकर आंदोलन करने के अलावा गुरुजी ने अपना प्रारंभिक जीवन सूदखोरों और महाजनों के विरुद्ध संघर्ष से शुरू किया था. जब उनके पिता सोबरन सोरेन की 1957 में हत्या कर दी गयी थी. इसके बाद गुरुजी ने झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में अपने आंदोलन को फैलाया. बाद में जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को भी आगे बढ़ाया. जब अलग राज्य का निर्माण हुआ तो गुरुजी को भी झारखंड का तीन बार मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला.

संघर्ष व बलिदान के एक युग का अंत : प्रतुल शाहदेव

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के असामयिक निधन को संघर्ष और बलिदान के एक युग का अंत बताया. प्रतुल ने कहा कि पूरा झारखंड आज शोक में डूबा है. गुरुजी ने अपने सामाजिक जीवन की शुरुवात महाजनी प्रथा और शराब के खिलाफ आंदोलन से की थी. एक गरीब परिवार के बेटा ने अपने संघर्ष के बदौलत अलग राज्य के आंदोलन में महती भूमिका निभाई और मुख्यमंत्री भी बने. गुरुजी आदिवासी अस्मिता के प्रतीक थे. उनका सादगी भरा जीवन अंत तक एक मिसाल रहा.प्रतुल ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां को गुरुजी के जीवन के संघर्ष से प्रेरित होकर अनुसरण करना चाहिए.प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी ने पुत्रधर्म बहुत अच्छी तरह से निभाया. ईश्वर उनको और उनके परिजनों को इस बड़े दुख को सहने की शक्ति दें.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा : यह हिमालय के स्खलन जैसा

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक संरक्षक और आदिवासी समाज के महानायक शिबू सोरेन उर्फ 'दिशोम गुरु' के निधन पर पार्टी में गहरा शोक है. झामुमो के महासचिव सह केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने इसे "झारखंड, देश और आदिवासी-मूलवासी समाज के लिए हिमालय के स्खलन" जैसा बताया है. उन्होंने कहा कि "गुरुजी ने हमेशा धारा के विपरीत चलकर संघर्ष का रास्ता चुना, लेकिन कभी भी हार नहीं मानी. उनके जीवन संघर्ष ने दबे-कुचले, शोषित समाज को अपनी पहचान, सम्मान और अधिकार दिलाया." भट्टाचार्य ने भावुक होते हुए कहा कि दिशोम गुरु ने अज्ञानता के विरुद्ध शिक्षा, शोषण के विरुद्ध संग्राम और सम्मानजनक जीवन के लिए संघर्ष करने की राह दिखाई. उनका जीवन सिर्फ एक राजनेता का नहीं, बल्कि एक विचारधारा का था, जिसने लाखों लोगों को आवाज़ दी. उन्होंने कहा, "आज भले ही गुरुजी हमारे बीच शारीरिक रूप से नहीं हैं, लेकिन उनकी शिक्षा, उनके सिद्धांत और उनका संघर्ष हर झामुमो कार्यकर्ता के जीवन में एक मजबूत स्तंभ की तरह कायम रहेगा. उनकी सीख हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी हार न मानने की प्रेरणा देती रहेगी."बयान के अंत में सुप्रियो भट्टाचार्य ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा- "ॐ शांति!"

जेएससीए परिसर में गुरुजी को श्रद्धांजलि दी गई

रांची। जेएससीए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम परिसर में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी झारखंड आंदोलन के सूत्रधार और एक महान जननेता थे. झारखंड आंदोलन के साथ साथ गुरुजी ने आजीवन झारखंड के लोगों के लिए संघर्ष किया. इस अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण में भी उनकी प्रमुख भूमिका रही है. उन्होंने 24 अक्टूबर 2008 को इस स्टेडियम की आधारशिला रखी थी. गुरुजी हमारी स्मृतियों में सदैव विद्यमान रहेंगे.

दिशोम गुरु हमारे पिता तुल्य पथप्रदर्शक थे : विनोद पांडेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और झारखंड के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि झारखंड की आत्मा आज शोकाकुल है. दिशोम गुरु, हमारे पिता तुल्य पथप्रदर्शक थे. आदिवासी चेतना के प्रतीक आदरणीय शिबू सोरेन का निधन एक युग के अंत जैसा है. उन्होंने न केवल झामुमो की नींव रखी, बल्कि एक समतामूलक और स्वाभिमानी झारखंड की कल्पना को साकार किया. उन्होंने कहा कि आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तो यह केवल एक नेता का जाना नहीं, बल्कि हमारे संघर्ष की जीवित आत्मा का पृथ्वी से विलीन हो जाना है. वे हमारे लिए संगठनकर्ता, विचार पुरुष, मार्गदर्शक और अपनेपन का दूसरा नाम थे. उन्होंने हमें सिखाया कि राजनीति लोगों की सेवा का माध्यम है और समाज के अंतिम व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा सबसे बड़ा धर्म है. उनकी सादगी, सिद्धांतवाद और संघर्ष की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है. विनोद पांडेय ने कहा कि झामुमो परिवार उन्हें कभी भुला नहीं सकता. उनके अधूरे सपनों को पूरा करना ही अब हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है. झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से हम उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं.

भावुक हुईं सीता सोरेन, बोलीं- बाबा घर के मुखिया नहीं, जीवन के प्रकाश थे

रांची । झारखंड आंदोलन के प्रणेता और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है. वहीं, शोकाकुल परिवार से उनकी बहू और भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने गहरा दुख प्रकट किया है. उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि शिबू सोरेन केवल एक राजनीतिक हस्ती नहीं, बल्कि परिवार के लिए जीवनदायी शक्ति थे. सीता सोरेन ने कहा, बाबा सिर्फ हमारे घर के मुखिया नहीं थे वे हमारे जीवन के प्रकाश थे. हमारे अपने, हमारे मार्गदर्शक, और हमारे सबसे बड़े सहारे. आज जब वो हमारे बीच नहीं हैं, तो ऐसा लग रहा है जैसे एक पूरा युग समाप्त हो गया हो. उनके बिना ये घर वैसा नहीं रहेगा उनकी हंसी, उनका स्नेह, उनकी डांट तक, सब कुछ अब यादों में रह गया है. उन्होंने कहा कि झारखंड ने जहां एक महान सपूत को खोया है, वहीं हमने अपना गुरू, पिता और जीवनदाता खो दिया है. बाबा ने हमें जो मूल्य सिखाए, जो परंपराएं स्थापित कीं और जो सम्मान कमाया, हम उसे संजोकर रखेंगे. उनकी विरासत को आगे ले जाना अब हमारा धर्म है. अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, आपकी बड़ी बहू होने के नाते मेरा सिर गर्व से ऊंचा है, लेकिन दिल आज टूट गया है. आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे, बाबा. आपकी यादें, आपकी बातें, आपकी छाया कभी मिट नहीं सकती. अंत में उन्होंने कहा, आपका आशीर्वाद हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है.

स्मृति शेष जंगलों में छिपा संघर्ष का इतिहास

गुरुजी का रहस्यमयी आंदोलन और गुप्त जीवन

संजीव झा। रांची

झारखंड के जननायक और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक नेताओं में शुमार दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहा. उनका जीवन एक सतत संघर्ष और समाज परिवर्तन की गाथा है, जो गिरिडीह, पारसनाथ और धनबाद के घने जंगलों और पहाड़ियों में लिखा गया. 1970 के दशक में, जब शिबू सोरेन महाजनी शोषण, शराबबंदी और अलग राज्य की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे, तब वे लंबे समय तक भूमिगत जीवन जीते रहे. इस दौरान वे ऐसे गुप्त स्थानों पर रहते थे, जहां पुलिस तक जाने से कतराती थी.

हर रात तीन बार बदलते थे ठिकाने

उन दिनों शिबू सोरेन पर दोहरी मार थी. एक ओर महाजनी शोषण और शराब कारोबारियों से सीधी टक्कर, तो दूसरी ओर पुलिस का शिकंजा जो उनके आंदोलनों से परेशान थी. ऐसे में शिबू सोरेन हर रात दो से तीन बार अपना ठिकाना बदलते थे. वे घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और सुनसान इलाकों में छिपकर रातें बिताते. वे इतनी सावधानी और गुप्तता से रहते थे कि कई बार पुलिस को भी अंदाजा नहीं होता कि वे कितनी नजदीक या कितनी दूर हैं. कुछ स्थान तो ऐसे थे जहां पुलिस जवानों को भी प्रवेश करने में डर लगता था.

आदिवासी उत्पीड़न से उपजा संघर्ष

शिबू सोरेन का यह भूमिगत आंदोलन अचानक नहीं शुरू हुआ था. इसके पीछे समाज में व्याप्त गंभीर अन्याय था. धनबाद जिले के बदरो पंचायत अंतर्गत बदरू गांव के निवासी शिवलाल मुर्मू बताते हैं कि वर्ष 1971-72 में एक आदिवासी लड़की के साथ एक बंगाली दुकानदार द्वारा दुष्कर्म किया गया था. उस घटना के विरोध में गांव वालों ने एक बड़ी बैठक बुलाई और उसमें शिबू सोरेन को आमंत्रित किया गया. उस बैठक ने गुरुजी को इतना झकझोर दिया कि उन्होंने महीनों तक उस इलाके में रहकर लोगों को अन्याय के खिलाफ खड़ा होने का साहस दिया.

विनोद बिहारी महतो से मुलाकात और साझा आंदोलन

उसी दौरान शिबू सोरेन की मुलाकात प्रसिद्ध समाजसेवी और शिक्षाविद् विनोद बिहारी महतो से हुई. महतो झारखंड के पिछड़े समाज को शिक्षा की रोशनी देने में जुटे थे. शिवलाल मुर्मू के पिता लक्ष्मी नारायण मुर्मू ने ही शिबू सोरेन को सलाह दी कि वे महतो के साथ मिलकर संयुक्त रूप से आंदोलन चलाएं. बाद में यही मुलाकात झारखंड मुक्ति मोर्चा के गठन की नींव बनी, जिसने आदिवासी अस्मिता, अधिकार और राज्य गठन की लड़ाई को संगठित दिशा दी.

भूमिगत जीवन में भी शिक्षा का अलख

भूमिगत आंदोलन के दौरान शिबू सोरेन का भोजन, पानी और सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय ग्रामीणों ने निभाई. विशेष रूप से शिवलाल मुर्मू के परिवार ने उनकी देखभाल की. शिबू सोरेन ने कई रातें उनके घर में गुजारीं. लेकिन यह संघर्ष केवल विरोध तक सीमित नहीं रहा, उन्होंने शिक्षा को भी आंदोलन का हिस्सा बनाया. बाद में टुंडी इलाके में उन्होंने एक आश्रम की स्थापना की, जहां गरीब और आदिवासी बच्चों को पढ़ाने का काम शुरू किया गया. शिबू सोरेन ने यह समझा कि अगर समाज को स्थायी रूप से बदलना है, तो शिक्षा ही एकमात्र रास्ता है. इसी वजह से वे न केवल आंदोलन के 'गुरु' बने, बल्कि सामाजिक चेतना के वाहक भी बन गए. आदिवासी समाज में उन्हें 'गुरुजी' का सम्मान इसलिए मिला क्योंकि उन्होंने जीवन के हर संघर्ष में समाज का साथ दिया, उनकी लड़ाई लड़ी और उन्हें आगे बढ़ने की राह दिखाई.

चैंबर भवन में शोक सभा का आयोजन

रांची । दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सोमवार को फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा चैम्बर भवन में श्रद्धांजलि सभा की गई. दो मिनट का मौन रखकर सदस्यों ने गुरुजी को श्रद्धांजलि दी. उनके योगदान को याद किया. मौके पर चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी एवं महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने रूप से कहा कि दिशोम गुरु के निधन से संपूर्ण व्यापारी एवं उद्यमी समाज शोकाकुल है. परेश गट्टानी, राहुल साबू, ज्योति कुमारी, आदित्य मल्होत्रा, विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलंग, रोहित अग्रवाल, रोहित पोद्दार, आस्था किरण, अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल,प्रमोद सारस्वत, मनोज मिश्रा, संतोष अग्रवाल, कमल सिंघानिया, राजीव सहाय, अल्तमस आलम, सुमित अग्रवाल, प्रवीण शर्मा, प्रवीण सिन्हा, संजय वाधवा, दीपक पटेल, कुणाल, विनय विभाकर, अनिल जैन, युकतेश मित्तल, रवि सामोता आदि मौके पर मौजूद थे.

भारतीय क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक पल: ओवल में टीम इंडिया की रोमांचक जीत, टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबर; ब्रुक और रूट के शतक बेकार, सिराज चमके

सिराज ने जबड़े से छीनी जीत, भारत 6 रन से जीता

एजेंसियां। लंदन

यही तो टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती है. चौथे दिन तक मैच में आगे दिख रही इंग्लैंड टीम 5वें दिन देखते ही देखते धराशायी हो गई. ओवल टेस्ट के आखिरी दिन टीम इंडिया ने इंग्लैंड टीम को 6 रन से हरा दिया. आखिरी विकेट के रूप में प्रसिद्ध कृष्णा ने जोश टंग को क्लीन बोल्ड किया तो भारतीय टीम का जश्न देखते बन रहा था. ड्रेसिंग रूम में हेड कोच गौतम गंभीर समेत खिलाड़ी खुशी से उछल रहे थे. टेस्ट मैच में यह सबसे कम रनों के अंतर से भारत की जीत है. इसके साथ ही 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई.

आखिरी दिन इंग्लैंड को 35 रनों की जरूरत थी, जबकि उसके पास 4 विकेट बचे थे. भारत के लिए मोहम्मद सिराज ने कमाल की गेंदबाजी की और टीम इंडिया को जीत दिलाने में सबसे बड़े हीरो रहे. भारत ने आखिरी पारी में इंग्लैंड को 374 रनों का लक्ष्य दिया था. बता दें इससे पहले भारतीय टीम ने युवा शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड टीम को एजबेस्टन में हराया था, जबकि मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ रहा था.

भारत को चाहिए थे 4 विकेट, इंग्लैंड को 35 रन, सिराज ने किया कमाल

इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 76.2 ओवरों में 6 विकेट खोकर 339 रन बनाए थे. बारिश की वजह से खेल को जल्दी खत्म करना पड़ा था. आखिरी दिन भारतीय टीम को जीत के लिए 4 विकेट चाहिए थे, जबकि इंग्लैंड को 35 रन. मैच जब शुरू हुआ तो प्रसिद्ध कृष्णा की ओर से किए गए पहली और दूसरी गेंद पर जेमी ओवरटन ने लगातार दो बाउंड्री लगा दी, जिससे भारतीय खेमे में थोड़ी खामोशी फैल गई. हालांकि, 78वें ओवर की तीसरी गेंद पर मोहम्मद सिराज की एक कमाल की गेंद जेमी स्मिथ के बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के पास पहुंची और उन्होंने लपकने में कोई गलती नहीं की. थर्ड अंपायर ने जेमी को आउट दिया तो टीम इंडिया का जश्न देखते बन रहा था. उसके चाहने वाले भी स्टेडियम में झूम रहे थे. मोहम्मद सिराज ने एक और कमाल किया. उन्होंने 80वें ओवर में उन्होंने जेमी ओवरटन का शिकार किया, जो एलबीडब्ल्यू आउट हुए. यहां भी फैसला थर्ड अंपायर ने दिया. इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने गजब कर करते हुए टंग के स्टंप उखाड़ दिए.

इसके बाद चोटिल क्रिस वोक्स एक हाथ से बैटिंग करने मैदान पर पहुंच गए. यहां दृश्य ऋषभ पंत की तरह ही था, जो पिछले मुकाबले में लंगड़ाते हुए मैदान पर आए थे और हाफ सेंचुरी ठोकी थी. इस बीच गस एटकिंसन ने एक शॉट खेला, जिसे बाउंड्री पर आकाश दीप कैच नहीं कर सके और गेंद सीमा रेखा के बाहर 6 रनों के लिए चली गई. यह वह मोमेंट था जब भारतीय फैंस अवाक हो गए थे. जब प्रसिद्ध कृष्णा ने टंग को आउट किया तो भारतीय टीम जीत के जश्न में डूब गई. मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में 5 तो प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 विकेट झटके, एक विकेट आकाश दीप के नाम रहा.

ओवल में भारत की तीसरी जीत: बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने 106 के स्कोर तक 3 विकेट गंवा दिए थे. यहां से हैरी ब्रूक और जो रूट ने 195 रनों की पार्टनरशिप कर टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ाईं, रूट और ब्रूक ने क्रमशः 105 रन और 111 रनों की पारी खेली. ओवल पर भारत ने सबसे पहली बार 1971 में जीत दर्ज की थी, उस समय अजीत वाडेकर भारत के कप्तान हुआ करते थे. उसके 50 साल बाद विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने 2021 में इंग्लैंड को हराया था.

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के किस मैच में क्या हुआ? पहला टेस्ट मैच 20 जून से 24 जून तक हेडिंग्ले, लीड्स में खेला गया था. इस मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया. जबकि, दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से 6 जुलाई तक एजबेस्टन, बर्मिंघम में खेला गया. इस मैच में भारत ने शानदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को 336 रनों के बड़े अंतर से हराया. इस तरह से सीरीज 1-1 से बराबर हो गया. इसके बाद तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से 14 जुलाई तक क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स, लंदन में खेला गया. यह एक रोमांचक मुकाबला था, जिसमें इंग्लैंड ने भारत को मात्र 22 रनों से मात दी. चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से 27 जुलाई तक एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में खेला गया. यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ.

क्या भारतीय टेस्ट टीम में होगी विराट की वापसी?

देश के बड़े नेता शशि थरूर ने की है अपील

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज के दौरान जिन दो खिलाड़ियों की कमी क्रिकेट फैंस ने महसूस की, वे हैं रोहित शर्मा और विराट कोहली. इस सीरीज में कोहली की कमी महसूस करने वालों में कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी शामिल हैं. शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मुझे इस सीरीज के दौरान कई बार विराट कोहली की कमी महसूस हुई. लेकिन, इस टेस्ट मैच में जितनी कमी महसूस हुई, उतनी कभी नहीं हुई.'

उन्होंने लिखा, 'उनका धैर्य और जोश, मैदान पर उनकी प्रेरणादायक उपस्थिति, उनकी शानदार बल्लेबाजी, शायद कुछ और ही नतीजा देती. क्या अब उनके संन्यास की घोषणा करने में बहुत देर हो चुकी है? विराट, देश को आपकी जरूरत है.' शशि थरूर के सोशल मीडिया पोस्ट से स्पष्ट होता है कि करोड़ों आम क्रिकेट फैंस की तरह वह भी चाहते हैं कि विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें.

इंग्लैंड सीरीज से पहले विराट ने लिया था टेस्ट से संन्यास

विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से ठीक पहले ही इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था. टेस्ट से संन्यास लेने का कोहली का फैसला चौंकाने वाला था. कोहली फिट हैं, फील्ड पर काफी सक्रिय रहते हैं. उनमें करीब दो साल क्रिकेट बाकी है. टी20 से वह पहले ही संन्यास ले चुके हैं. वनडे कम हो रहे हैं. ऐसे में माना जा रहा था कि वह 2027 तक वनडे और टेस्ट खेलेंगे. लेकिन, टेस्ट क्रिकेट से उनके अचानक संन्यास के फैसले ने फैंस और टीम के खिलाड़ियों को भी हैरान कर दिया. विराट कोहली पिछले एक दशक से भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ रहे हैं. अगर टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 123 टेस्ट मैचों की 210 पारियों में 30 शतक, जिसमें 7 दोहरे शतक हैं, की मदद से 9,230 रन बनाए. कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारत के सफलतम कप्तान भी हैं. उनकी कप्तानी में भारत ने 68 टेस्ट में 40 में जीत दर्ज की है, 17 टेस्ट में भारत को हार मिली है, जबकि 11 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं.

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर : मानुष -दीया की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में उपविजेता

मानुष शाह ने डबल्स में भी जीता रजत

एजेंसियां। फोज डो इगुआकू

भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी मानुष शाह और दीया चितले को ब्राज़ील में आयोजित डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर फोज डो इगुआकू टूर्नामेंट के मिक्स्ड डबल्स फाइनल में हार का सामना करना पड़ा. भारतीय जोड़ी को जापान के क्वालिफायर खिलाड़ी सतोशी आइडा और होनोका हाशिमोतो के हाथों 2-3 (4-11, 11-8, 11-5, 5-11, 2-11) से शिकस्त मिली. यह इस सीज़न में मानुष शाह और दीया चितले की दूसरी फाइनल उपस्थिति थी. इससे पहले दोनों ने ट्यूनिस में हुए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट में खिताब अपने नाम किया था.

इस टूर्नामेंट में मानुष शाह ने पुरुष डबल्स में भी शानदार प्रदर्शन किया. वह अपने जोड़ीदार मानव ठक्कर के साथ फाइनल तक पहुंचे, लेकिन खिताबी मुकाबले में जर्मनी के बेनेडिक्ट डुडा और डैंग क्यू की दूसरी वरीय जोड़ी से 2-3 (3-11, 11-7, 7-11, 15-13, 5-11) से हार गए. यह मुकाबला 42 मिनट तक चला. वहीं महिला एकल वर्ग में भारत की मनिका बत्रा क्वार्टरफाइनल में जापान की हाशिमोतो से 0-3 (7-11, 6-11, 7-11) से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं. इससे पहले मनिका ने दक्षिण कोरिया की किम नायॉन्ग को 3-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई थी.

पाकिस्तान ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज को 13 रन से धोया

एजेंसियां। लॉडरहिल

साहिबजादा फरहान और सैम अयूब के दमदार खेल से पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 में 13 रन से हरा दिया.

मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 4 विकेट के नुकसान पर 189 रन का स्कोर खड़ा किया था. इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 176 रन ही बना सकी. इस तरह पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया.

पाकिस्तान की जीत के हीरो रहे साहिबजादा फरहान को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया. वहीं पूरे सीरीज में शानदार खेल दिखाने वाले मोहम्मद नवाज को प्लेयर ऑफ सीरीज चुना गया. पाकिस्तान के द्वारा दिए गए 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज ने सधी हुई शुरुआत की थी. एलिक अथानाजे और ज्वेल एंड्रयू के बीच पहले विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई. ज्वेल इस बीच 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हो गए. हालांकि अथानाजे एक छोर पर डटे रहे और उन्होंने 40 गेंद में 60 रनों की पारी खेली. अपनी इस पारी में उन्होंने 8 चौके और 1 छक्का भी लगाया.

शेफरन रदरफोर्ड ने लगाई फिफ्टी

अथानाजे के अलावा वेस्टइंडीज के लिए शेफरन रदरफोर्ड ने भी दमदार फिफ्टी लगाई. रदरफोर्ड जब बैटिंग कर रहे थे तो एक बार के लिए वेस्टइंडीज की उम्मीदें बढ़ गई, लेकिन अंतिम ओवरों में वेस्टइंडीज के बल्लेबाज दबाव बिखर गए, जिससे वह लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके. रदरफोर्ड ने टीम के लिए 3 छक्के और 4 चौके की मदद से 35 गेंद में 51 रनों की पारी खेली. वहीं गेंदबाजी की बात की जाए तो पाकिस्तान की तरफ से फहीम अशरफ को छोड़कर हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सैम अयूब और सुफियान मुकीम ने एक-एक विकेट हासिल किए.

फहरान और सैम अयूब ने किया कमाल

वहीं पाकिस्तान की बात करें तो बल्लेबाजी में सैम अयूब और साहिबजादा फरहान ने कमाल किया. फरहान ने टीम के लिए 53 गेंद में 74 रनों की पारी खेली. अपनी इस पारी में उन्होंने 5 छक्के और 3 चौके भी लगाए. इसके अलावा सैम अयूब ने 49 गेंद में 66 रन बनाए. सैम ने 4 चौके और 2 छक्के भी लगाए. इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा और भी कुछ खास नहीं कर सके.

बेन शेल्टन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, डी मिनौर से होगा सामना

टोरंटो मास्टर्स

एजेंसियां। टोरंटो

अमेरिका के चौथे वरीय खिलाड़ी बेन शेल्टन ने इटली के 13वें वरीय फ्लावियो कोबोली को हराकर नेशनल बैंक ओपन (टोरंटो मास्टर्स) के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है. रविवार रात खेले गए इस मुकाबले में शेल्टन ने 6-4, 4-6, 7-6 (1) से रोमांचक जीत दर्ज की. 22 वर्षीय शेल्टन तीसरे सेट में 2-4 से पिछड़ रहे थे, लेकिन वहां से शानदार वापसी करते हुए उन्होंने मुकाबला टाईब्रेक तक ले जाकर जीत हासिल की. यह उनकी करियर की 100वीं जीत रही, जिसे उन्होंने 169 मुकाबलों में हासिल किया है. मैच के बाद शेल्टन ने कहा, बहुत मुश्किल मुकाबला था. मैं तीसरे सेट में एक ब्रेक से पीछे था और जिस तरह वह खेल रहा था, उससे मैं काफी दबाव में था. लेकिन मैंने खुद को एक और मौका दिया और उसका फायदा उठाया. अब क्वार्टरफाइनल में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया. शेल्टन के नाम दो एटीपी टूर खिताब हैं – एक 2023 में टोक्यो के हार्ड कोर्ट पर और एक 2022 में ह्यूस्टन के क्ले कोर्ट पर. उन्होंने कहा, मैं अपने दो सबसे बड़े हथियार सर्व और फोरहैंड से जूझ रहा था, लेकिन आखिरी में मानसिक मजबूती और फाइटिंग स्पिरिट ने काम किया. इस बीच, रूस के छठे वरीय आंद्रेई रूब्लेव को स्पेन के अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना के रिटायर होने से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिला. रूब्लेव 6-7 (3), 7-6 (2), 3-0 की बढ़त पर थे जब फोकीना थकान के कारण मैच से हट गए.

डीपीएल 2025 : रन बरसात वाले मुकाबले में न्यू दिल्ली टाइगर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 40 रन से हराया

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात दिल्ली प्रीमियर 2025 लीग (डीपीएल) का एक और हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिला, जिसमें न्यू दिल्ली टाइगर्स और आउटर दिल्ली वॉरियर्स के बीच रोमांचक टक्कर हुई. बल्लेबाज़ों की आतिशी पारी और मैच के उतार-चढ़ाव ने दर्शकों को पूरी तरह रोमांचित कर दिया. टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए न्यू दिल्ली टाइगर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही. ओपनर ध्रुव कौशिक केवल 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. हालांकि इसके बाद शिवम गुप्ता और कप्तान हिम्मत सिंह ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 164 रनों की शानदार साझेदारी की. शिवम गुप्ता ने 53 गेंदों में 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 89 रन बनाए, जबकि हिम्मत सिंह ने 39 गेंदों में 69 रनों की आक्रामक पारी खेली. बीच में कुछ जल्दी विकेट जरूर गिरे, लेकिन केशव डालाल ने 9 गेंदों में 19 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर स्कोर को मजबूत किया. टाइगर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 222/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया. गेंदबाज़ी में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से अंशुमान हूडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 51 रन देकर 5 विकेट चटकाए और सभी को प्रभावित किया. जवाब में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की शुरुआत तेज़ रही. ओपनर प्रियांश आर्य (26 रन, 15 गेंद) और सनत सांगवान (48 रन, 42 गेंद) ने सिर्फ 5.4 ओवर में 69 रन जोड़कर मजबूत नींव रखी. लेकिन मध्य ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई. श्रेष्ठ यादव (37* रन, 33 गेंद) ने एक छोर संभाले रखा और ध्रुव सिंह (38* रन, 16 गेंद) ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाए, लेकिन लक्ष्य बहुत बड़ा साबित हुआ. आखिर में वॉरियर्स 40 रन से मुकाबला हार गए. इस जीत के साथ न्यू दिल्ली टाइगर्स ने डीपीएल 2025 के दूसरे संस्करण में एक और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की.

संक्षिप्त स्कोरकार्ड

न्यू दिल्ली टाइगर्स – 222/7 (20 ओवर): शिवम गुप्ता 89 (53), हिम्मत सिंह 69 (39), अंशुमान हूडा 5/51

आउटर दिल्ली वॉरियर्स – 182/4 (20 ओवर): सनत सांगवान 48 (42), ध्रुव सिंह 38* (16), आत्रेय त्रिपाठी 2/15

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीती प्रीमियर लीग समर सीरीज

एजेंसियां। वाशिंगटन

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने रविवार रात एवर्टन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला और प्रीमियर लीग समर सीरीज 2025 का खिताब अपने नाम किया. इस ड्रॉ के साथ यूनाइटेड ने अमेरिका में हुई राउंड-रॉबिन प्री-सीजन सीरीज में कुल सात अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया. इससे पहले टीम वेस्ट हैम को 2-1 और बॉर्नमाउथ को 4-1 से हरा चुकी थी. मैच में 19वें मिनट में अमद डायलो को बॉक्स में गिराए जाने पर यूनाइटेड को पेनल्टी मिली, जिसे ब्रूनो फर्नांडिस ने गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी. 40वें मिनट में एवर्टन के इलिमन नदियाए ने बराबरी का गोल किया. दूसरे हाफ में ब्रूनो ने एक और योगदान दिया, जब उन्होंने 69वें मिनट में मेसन माउंट को शानदार पास दिया और माउंट ने पिकफोर्ड को चकमा देकर गोल दागा. हालांकि, 75वें मिनट में अमद डायलो की बैक पास यूनाइटेड के ही आयडन हेवन से टकराकर गोल में चली गई और मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ. मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए यूनाइटेड के खिलाड़ी ब्रूनो फर्नांडिस ने कहा, "स्थिति में सुधार हो रहा है. क्लब अपनी पूरी कोशिश कर रहा है.

हमें प्रतिस्पर्धा की जरूरत थी ताकि हर खिलाड़ी अपनी जगह के लिए संघर्ष करे." उन्होंने आगे कहा कि क्लब और मैनेजर लगातार सुधार की दिशा में काम कर रहे हैं और एक-दो नए खिलाड़ियों की उम्मीद अभी बाकी है. गौरतलब है कि मैनचेस्टर यूनाइटेड का पिछला सीजन बेहद खराब रहा था.

क्रिकेट

आईपीएल के बाद राहुल ने हर मिनट इंग्लैंड सीरीज की तैयारी में बिताया

सहायक कोच अभिषेक नायर ने की ओपनर की तारीफ

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने रविवार को कहा कि लोकेश राहुल ने अपने आखिरी आईपीएल मैच के बाद हर मिनट इंग्लैंड दौरे की तैयारी में बिताया है और टीम के लिए सभी क्रम पर खेलने से मिलने वाली प्रशंसा के वह हकदार हैं. राहुल पांच टेस्ट मैच की सीरीज में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे. उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 53.20 की औसत से 532 रन बनाए और यशस्वी जायसवाल के साथ एक मजबूत सलामी जोड़ी बनाई. कुछ समय पहले तक भारत के सहायक कोच के रूप में काम करने वाले नायर ने कहा कि वह राहुल द्वारा किए गए बदलावों का खुलासा नहीं कर सकते, लेकिन वह वांछित परिणाम देखकर खुश हैं. महिला प्रीमियर लीग टीम यूपी वॉरियर्स के मुख्य कोच नायर ने कहा, 'मैं लोकेश राहुल में देखे गए बदलावों के बारे में बात नहीं कर सकता क्योंकि इससे उनका प्रभाव काफी कम हो जाएगा.'

उन्होंने कहा, 'मैं बस इतना कह सकता हूं कि जो भी बदलाव हुए हैं, वे वाकई कारगर रहे हैं.'

नायर ने कहा कि राहुल ने आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे की तैयारी शुरू करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया. उन्होंने कहा, 'उन्होंने बहुत, बहुत कड़ी मेहनत की है. बहुत कम लोग जानते हैं कि अपने बच्चे के जन्म के बाद वह आईपीएल में खेले. वह तुरंत टीम से जुड़ गए.' नायर ने कहा, 'राहुल ने (इंग्लैंड) टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू कर दी थी, जबकि बहुत से लोग ऐसा नहीं करते. वह इस सीरीज के महत्व को जानते थे, वह इसे समझते थे.'

उन्होंने आगे कहा, 'आईपीएल में खेले गए आखिरी मैच के बाद हर मिनट यही सोच रहे थे कि वह इस टेस्ट सीरीज में कैसे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं. इसलिए उन्हें वहां अच्छा प्रदर्शन करते और वह मिलते देखना बहुत अच्छा है जिसके वह हकदार हैं. उन्होंने सभी मुश्किल काम किए हैं और फिर भी बल्लेबाजी क्रम में हर क्रम पर अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहे हैं.' नायर ने पांचवें टेस्ट के बारे में बात करते हुए कहा, 'कुल मिलाकर भारतीय क्रिकेट अच्छे हाथों में है.'

जो रूट ने संगकारा को पछाड़ा, टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों में चौथे स्थान पर पहुंचे

एजेंसियां। लंदन

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज (अब तक)

- 1. सचिन तेंदुलकर – 51 शतक (329 पारियां), 2. जाक कैलिस – 45 शतक (280 पारियां), 3. रिकी पोंटिंग – 41 शतक (287 पारियां), 4. जो रूट – 39 शतक (288 पारियां), 5. कुमार संगकारा – 38 शतक

लंदन के ओवल मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने अपने टेस्ट करियर का 39वां शतक जड़ा. उन्होंने यह शतक 137 गेंदों में पूरा किया और इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा (38 शतक) को पीछे छोड़ते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं. अब रूट से आगे सिर्फ तीन दिग्गज बल्लेबाज हैं — भारत के सचिन तेंदुलकर (51 शतक), दक्षिण अफ्रीका के जाक कैलिस (45 शतक) और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (41 शतक). रूट ने रविवार को अपनी पारी के दौरान एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की. वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) इतिहास में 6,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं.जो रूट के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में 13,500 से ज्यादा रन दर्ज हैं, और वह टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं. वह अब सचिन तेंदुलकर के 15,921 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं.

भागलपुर में नदी में गिरा वाहन पांच कांवरियों की मौत, कोहराम

संवाददाता। पटना

बिहार में भागलपुर जिले के बेलथ महतो स्थान से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर रविवार देर रात बरसाती नदी में पिकअप वैन के गिरने से 5 कांवड़ियों की मौत हो गई.

पुलिस के मुताबिक रविवार रात 11 बजे के करीब पिकअप गाड़ी पर डीजे और जनरेटर लगाकर 12 युवकों की टोली नाचते-गाते अंतिम सोमवारी पर जल चढ़ाने के लिए गंगा स्नान करने सुल्तानगंज जा रही थी. रात होने और डीजे के शोर में किसी कारण गाड़ी से चालक का नियंत्रण खो गया.

इसके कारण शाहकुंड-सुलतानगंज मुख्य सड़क के महतो स्थान के आगे गाड़ी नदी में गिर गई. इस घटना में कुछ युवकों ने जैसे-तैसे अपनी जान बचाई लेकिन 5 लोगों की मौत हो गई. मरने वाले सभी शाहकुंड के ही बताये जा रहे हैं. इनकी पहचान संतोष कुमार, मनोज कुमार, विक्रम कुमार, अंकुश कुमार और मुन्ना कुमार के रूप में हुई है.

मुख्यमंत्री ने जताया दुख : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुर्घटना में 05 कांवड़ियों की मौत पर दुख व्यक्त किया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्घटना काफी दुःखद है. मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है. मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है.

ब्रीफ न्यूज

नीतीश कुमार ने शिबू सोरेन के निधन पर व्यक्त की गहरी शोक-संवेदना

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि शिबू सोरेन एक प्रख्यात राजनेता थे। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। झारखंड की राजनीति में उनका अहम योगदान रहा है। उनके निधन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है. मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है.

अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भीड़

भागलपुर। सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर भागलपुर और इसके आसपास के तमाम शिवालयों में सुबह से ही शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा।हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा माहौल शिवमय हो गया. शहर के प्रमुके शिव मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। बुढ़ानाथ मंदिर, भूतनाथ मंदिर, बरारी स्थित प्राचीन शिवालय, खंजरपुर, मोदीनगर, सुल्तानगंज का विश्व प्रसिद्ध अजगैवीनाथ मंदिर, कहलगांव का बटेश्वर धाम और शिव शक्तिपीठ सहित अन्य शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी.

मोतिहारी के राजन हत्याकांड का आरोपी यश हुआ गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। मोतिहारी के नगर थाना पुलिस को चर्चित राजन हत्याकांड में बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी राजा सिंह के सहयोगी यश को गिरफ्तार किया है।वही पुलिस को घटना वाली रात का सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। जिसमे यश अपने हाथ में चाकू लिए नजर आ रहा है। फिलहाल पुलिस यश से पूछताछ कर रही है,ताकि राजन की हत्या के पीछे की पूरी साजिश का खुलासा हो सके। इसके साथ ही पुलिस बाकी आठ फरार आरोपियों के विरूद्ध ढोल-नगाड़े बजाकर और माइक से सार्वजनिक घोषणा कर उनके घरों पर कुर्की के लिए इश्तेहार चस्पा कर चेतावनी दिया है,कि सभी 48 घंटे के भीतर आत्मसमर्पण करे अन्यथा उनके घरों की कुर्की की जाएगी.

न्यूज अपडेट

डबल डेकर रोड को लेकर पुल निर्माण विभाग ने दी सफाई, पूरी तरह है सुरक्षित

पटना। राजधानी पटना के अशोक राजपथ पर 422 करोड़ रुपये की लागत से बने बिहार के पहले डबल डेकर पुल का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 11 जून 2025 को किया था. इस पुल का उद्देश्य पटना के व्यस्त इलाकों जैसे पीएमसीएच, साइंस कॉलेज, और पटना यूनिवर्सिटी के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करना था. हालांकि, उद्घाटन के महज 53 दिन बाद ही इस पुल की सड़क सतह पर दरारें आने लगीं, जिससे आम जनता और विशेषज्ञों में चिंता बढ़ गई है.इस घटना पर बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग ने सफाई दी है.इस संबंध में रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट (आरसीडी) बिहार सरकार और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड (बीआरपीएनएलएल) ने अपनी आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है. विभाग ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कई न्यूज चैनल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पुल के क्षतिग्रस्त होने की खबरें तेजी से फैल रही थीं.

विधायक ने किया 20 लाख की योजनाओं का लोकार्पण

नालंदा। नालंदा जिलांतर्गत बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की कड़ी में आज सोमवार को बिहार के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन मंत्री सह क्षेत्रीय विधायक डॉ सुनील कुमार द्वारा महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन कर उन्हें जनता को समर्पित किया गया।उन्होंने दोसूत पंचायत के बनवारीपुर मोरा गांव में विधायक निधि से 7 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सीढ़ी घाट का उद्घाटन किया।यह सीढ़ी घाट न केवल छठ महापर्व के दौरान महिलाओं और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर बनाया गया है, बल्कि यह जनसेवा और विकास के प्रति विधायक की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।इसके उपरांत अंबा पंचायत के मिल्कीपर गांव में 7.30 लाख रुपये की लागत से वार्ड संख्या 08 में वीरेंद्र चौहान के मकान से जवाहर साव के मकान होते हुए पासवान टोली से पंचाने नदी के छोर तक पीसीसी नाली निर्माण एवं ढलाई कार्य का विधिवत उद्घाटन किया गया.

दो मतदाता पहचान पत्र मामले में तेजस्वी के खिलाफ शिकायत दर्ज

संवाददाता। पटना

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ दो मतदाता पहचान पत्र के मामले में पटना के दीघा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई गई है. यह शिकायत पटना के अधिवक्ता राजीव रंजन ने दर्ज करवाई है. हालांकि, दीघा पुलिस थाने से मिली सूचना के मुताबिक शिकायत पर अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है.पटना के दीघा थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि अधिवक्ता राजीव रंजन द्वारा शिकायत मिली है. पुलिस फिलहाल मामले की छानबीन कर रही है. उन्होंने कहा कि पटना के आरके नगर निवासी वकील राजीव रंजन ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव-2025 के लिए मतदाता सूची बनाई जा रही है. जिसका पहला ड्राफ्ट बीते 01 अगस्त को जारी किया गया. इसमें तेजस्वी प्रसाद यादव के द्वारा दो मतदाता पहचान पत्र बनवाए गए हैं. दोनों एक ही विधानसभा क्षेत्र के हैं.इससे पहले रविवार को चुनाव आयोग (ईसी) ने तेजस्वी यादव को पहले ही एक नोटिस भेज दिया है, जिसमें कहा गया है कि शनिवार को आपके (तेजस्वी यादव) द्वारा पत्रकार वार्ता में जो मतदाता पहचान पत्र दिखाते हुए दावा किया गया था कि आपका नाम मतदाता सूची में नहीं है, वह पहचान पत्र आधिकारिक तौर पर जारी ही नहीं किया गया था.

डीजे वाहन से दबकर पांच कांवरिया की मौत ग्रामीणों ने की सड़क जाम

भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिले के शाहकुंड थाना क्षेत्र के शाहकुंड-सुल्तानगंज मुख्य मार्ग स्थित महतो स्थान के समीप बीते देर रात लगभग दो बजे भीषण हादसा हुआ है. यहां डीजे वाहन अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गया. जिसमें कई श्रद्धालु दब गए. हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हुई है और 4 घायल हैं. जिसमें से दो लोग मामूली रूप से घायल है. दो की स्थिति गम्भीर बतायी जा रही है. घायलों को इलाज के लिए जेएलएनएमसीएच रेफर किया में पलट गई. जिसमें 5 कि दबने से मौत हो गयी. मृतकों में पुरानी खरय निवासी 18 वर्षीय सन्तोष कुमार, 24 वर्षीय मनोज कुमार, 23 वर्षीय विक्रम कुमार और 18 वर्षीय रवीश कुमार और मुन्ना कुमार शामिल हैं

बिहार प्रशासनिक सेवा के 38 अफसरों को मिला प्रमोशन, अधिसूचना जारी

संवाददाता। पटना

विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार राज्यकर्मियों से लेकर अधिकारियों तक को खुश करने में अपना सौ प्रतिशत देने में लगी है. इसलिए राज्य के चौथे दर्जे के कर्मियों और महिलाओं के बाद अब बिहार सरकार ने प्रशासनिक अधिकारियों को उपहार दिया है. राज्य सरकार ने बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को वेतनमान प्रमोशन दिया गया है. इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है. बिहार प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों को संयुक्त सचिव से अपर सचिव में प्रोन्नति दी गई है. ये अरविंद कुमार और सतीश रंजन सिन्हा है. वहीं अपर समाहर्ता स्तर के दो अधिकारी अब्दुल हामिद और मो. तारिक को संयुक्त सचिव में प्रोन्नति दी गई है. इनके अलावा बिहार प्रशासनिक सेवा के 17 अधिकारियों को उप सचिव से अपर समाहर्ता रैंक में प्रोन्नति दी गई है, जबकि 17 मूल कोटि के अधिकारियों को उप सचिव रैंक में वेतनमान प्रमोशन दिया गया है. इन सभी के पद को उत्क्रमित कर दिया गया है.

सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें जिलाधिकारी : एस सिद्धार्थ

संवाददाता। पटना

बिहार में बड़े पैमाने पर शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है.इस वजह से कई ऐसे सरकारी विद्यालय हैं, जो शिक्षक विहीन हो गए हैं. वहां से सभी शिक्षकों ने अपना स्थानांतरण करा लिया है.शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने सोमवार को समीक्षा के क्रम में पाया कि राज्य के कुल 29 विद्यालयों में एक भी शिक्षक कार्यरत्त नहीं हैं. राज्य में कुल 354 ऐसे विद्यालय हैं जहां मात्र एक शिक्षक हैं. शिक्षा विभाग ने जिलाधिकारियों से कहा है कि इन स्कूलों में तत्काल शिक्षकों को प्रतिनियुक्त कर बच्चों की पढ़ाई को व्यवस्थित किया जाए.दरअसल राज्य में बड़े पैमाने पर हुए शिक्षकों के स्थानांतरण से राज्य के कई सरकारी विद्यालय बिना शिक्षक के हो गए हैं. शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने अपनी समीक्षा में पाया है कि विशेष परिस्थितियों में हुए स्थानांतरण-पदस्थापन की कार्रवाई से कुछ विद्यालय पूरी तरह शिक्षक विहीन हो गए हैं और कतिपय स्कूलों में केवल एक या दो शिक्षक ही रह गए हैं. साथ ही कुछ विद्यालयों में छात्र-शिक्षक का अनुपात भी 40 से अधिक पाया गया है.

बाबा गोरखनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता। कटिहार

सावन मास की अंतिम सोमवारी पर जिले के सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा. विशेषकर आजमनगर प्रखंड स्थित बाबा गोरखनाथ धाम मंदिर में देश-विदेश से भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई असुविधा न हो, इसके लिए मंदिर और कावरिया मार्ग पर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है.बाबा गोरखनाथ धाम मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में आस्था इतनी ज्यादा है कि हर साल भारत के कई राज्यों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल और भूटान से भी बड़ी संख्या में कांवरिये जलाभिषेक करने आते हैं. गोरखधाम मंदिर कमिटी के सदस्य अक्षय सिंह ने बताया कि शिवभक्तों का भोलेनाथ के प्रति अटूट आस्था है. सावन पूर्णिमा के अवसर पर ऐसा लगता है कि साक्षात भगवान शिव गोरखनाथ धाम की भूमि पर उतर आए हैं. कटिहार के मनिहारी से गंगा जल लेकर कांवरिये लगभग 70 किमी पैदल उबड़-खाबड़ रास्तों से होते हुए भोले शिवशंकर को जलाभिषेक करने आते हैं. गोरखनाथ धाम का शिव मंदिर देश के ग्यारह ज्योतिर्लिंगों से अलग है. सावन महीने के पूर्णिमा अवसर पर यहां बड़ा आयोजन किया जाता है.

ताजपुर में बजरंग दल का दो दिवसीय समारोह संपन्न

संवाददाता। समस्तीपुर

बिहार में समस्तीपुर जिले के ताजपुर में बजरंग दल का दो दिवसीय समारोह रविवार की देर रात को प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न हो गया. 147 वर्षों से चल रही इस परंपरा को सफल करने में आधे दर्जन से अधिक व्यायाम शालाओं के अतिरिक्त हाथी घोड़ा एवं झांकी आकर्षण का केंद्र था..रिमझिम वर्षा के बीच दर्शकों और भक्तों पर कोई असर नहीं पड़ा. नगर परिषद अध्यक्ष अनिता कुमारी सभी व्यायाम शालाओं के मुख्य शिक्षकों को सम्मानित किया और शुभकामनाएं दी. इस वर्ष उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से नवजीवन व्यायामशाला में अतिथि कलाकारों ने मुंह से पेट तक डेढ़ फीट लंबा तलवार घुसाना, आंख से छः किलो वस्तु को नाचना, हवा में बच्चों द्वारा नृत्य,गर्दन से कंठ तक 4 एमएम सरिया,भाला के नोक को गर्दन से बिना हाथ लगे मोरा जाना काफी आकर्षक था. नवजीवन व्यायामशाला के मुख्य शिक्षक विनोद गुप्ता ने बातचीत में बताया कि इसके लिए महीनों पूर्व से अभ्यास कर नवयुवकों को प्रशिक्षित किया जाता है.

कारोबार

7.08 लाख करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई वित्त राज्य मंत्री ने लोकसभा में दिए आंकड़े

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2024-25 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया है, इसमें लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी भी शामिल है.

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में इससे जुड़े आंकड़े साझा किए. सरकार की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार अकेले वित्त वर्ष 2024-25 में, सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता लगाया गया हससरकार ने लोकसभा में बताया कि वित्त वर्ष 2025 में जीएसटी चोरी के 30,056 मामलों का पता चला. इनमें आधे से अधिक या 15,283 मामले आईटीसी धोखाधड़ी से संबंधित थे. इन मामलों में 58,772 करोड़ रुपये की कर चोरी की गई थी. वित्त वर्ष 2023-24 में सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.30 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता लगाया गया. इसमें 36,374 करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी.वित्त वर्ष 2023 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता चला. ये 24,140 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी दावे से जुड़े थे. वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2021 में जीएसटी चोरी क्रमशः 73,238 करोड़ रुपये और 49,384 करोड़ रुपये रही. इसमें क्रमशः 28,022 करोड़ रुपये और 31,233 करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल है. पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में, सीजीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा 91,370 मामलों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये की कुल जीएसटी चोरी पकड़ी गई. इस अवधि के दौरान स्वैच्छिक जमा के माध्यम से वसूले गए कर 1.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहे.कर चोरी के आंकड़ों में वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 के बीच 44,938 मामलों में लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल है. चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार और जीएसटीएन कर चोरी को रोकने के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं, जैसे ई-इनवॉयसिंग के माध्यम से डिजिटलीकरण, जीएसटी एनालिटिक्स, सिस्टम-फ्लैग्ड मिसमैच के आधार पर आउटलायर्स को उजागर करना, कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी प्रदान करना और जांच के लिए रिटर्न का चयन करना और विभिन्न जोखिम मापदंडों के आधार पर ऑडिट के लिए करदाताओं का चयन करना चौधरी ने निचले सदन में एक लिखित उत्तर में कहा, ₹ये उपाय राजस्व की सुरक्षा और कर चोरी करने वालों को पकड़ने में सहायक हैं संशोधित अनुमान (आरई) की तुलना में वास्तविक शुद्ध केंद्रीय जीएसटी संग्रह पर एक सवाल के जवाब में, चौधरी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध सीजीएसटी संग्रह संशोधित अनुमान का 96.7 प्रतिशत था. सरकार ने बताया है कि शुद्ध सीजीएसटी में सीजीएसटी, एकीकृत जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर शामिल हैं.

वित्त वर्ष 2025 में वास्तविक संग्रह 10.26 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जबकि संशोधित अनुमान लगभग 10.62 लाख करोड़ रुपये था. वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध सीजीएसटी संग्रह 9.57 लाख करोड़ रुपये से अधिक था, जो संशोधित अनुमान 9.56 लाख करोड़ रुपये का 100.1 प्रतिशत था.

सरोवर होटल्स ने किया साउथ एशिया में विस्तार

रांची। अग्रणी भारतीय होटल प्रबंधन कम्पनी, सरोवर होटल्स जो लूवर होटल्स ग्रुप का हिस्सा है ने आज नेपाल मे प्रीमियम ट्यूलिप ब्रांड 'रॉयल ट्यूलिप चितवन' के उद्घाटन की घोषणा करते हुए गर्व का अनुभव कर रही है. प्रसिद्ध ' चितवन नेशनल पार्क ' जो यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट का एक हिस्सा है के छोर पर स्थित यह फाइव स्टार लक्जरी रिसॉर्ट नेपाल के मनोरम स्थलों में से एक है , तथा इंटरनेशनल अभूतपूर्व सुख-सुविधा और वास्तविक नेपाली संस्कृति का विशिष्ट मिश्रण प्रस्तुत करता है.नए लॉन्च किए गए इस रिसॉर्ट को केटीएम ग्रुप होल्डिंग्स की सहायक कंपनी केटीएम हॉस्पिटैलिटी द्वारा विकसित किया गया है. 4 एकड़ में फैले, रॉयल ट्यूलिप चितवन में 65 सुंदर ढंग से डिज़ाइन किए गए कमरे और विला हैं, जिनमें विशिष्ट पूल विला, वाटर विला और मचान शामिल हैं, जो मनोरम दृश्य और आरामदायक आराम प्रदान करते हैं. मेहमान विश्वस्तरीय स्पा, फिटनेस सेंटर, स्विमिंग पूल और माझीघर, फ़ॉरेस्ट फ्लेम, मचान (एक रिवॉल्विंग डेक) और जीवंत तनवी स्पोर्ट्स बार में विविध भोजन विकल्पों सहित कई शीर्ष-स्तरीय सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं.

उमिया मोबाइल की फीकी शुरुआत मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी। नई दिल्ली

मोबाइल फोन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट में कारोबार करने वाली कंपनी उमिया मोबाइल लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 66 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 4.55 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 69 रुपये के स्तर पर हुई. स्टॉक मार्केट में एंट्री के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 70 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन उसके बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर ऊपरी स्तर से लुढ़क भी गया. सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद उमिया मोबाइल लिमिटेड के शेयर 67.56 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे. इस तरह शुरुआती करीब दो घंटे के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों का मुनाफा घट कर 2.36 प्रतिशत रह गया है. उमिया मोबाइल लिमिटेड का 24.88 रेपोनो का आईपीओ 28 से 31 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.57 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.44 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 37.70 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी. उमिया मोबाइल ने 2012 में गुजरात के राजकोट से अपने कारोबार की शुरुआत की थी. ये मोबाइल फोन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट में काम करने वाली एक रिटेल कंपनी है. कंपनी एप्पल, सैमसंग, रियलमी और शाओमी जैसे बड़े ब्रांड्स के स्मार्टफोन्स के साथ-साथ सोनी, एलजी, पैनासोनिक और गोदरेज जैसे ब्रांड्स के स्मार्ट टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर और कूलर भी बेचती है.

सूचकांक डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ आ रहा नजर

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी। नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज कमजोर संकेत मिल रहे हैं. अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए. हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है. अमेरिका की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान जमकर बिकवाली होती रही. वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है.अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए. एस एंड पी 500 इंडेक्स 101.38 अंक यानी 1.60 प्रतिशत टूट कर 6,238.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह नैस्डेक ने 472.32 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 20,650.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया. हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 162.69 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 43,751.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है.अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा. एफटीएसई इंडेक्स 0.71 प्रतिशत टूट कर 9,068.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 225.81 यानी 2.99 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,546.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया. इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 639.50 अंक यानी 2.73 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,425.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ.एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है. एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं. निक्केई इंडेक्स 515.60 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,284 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 126.40 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,307.98 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत फिसल कर 7,524.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं.दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 124 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,723 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.65 प्रतिशत उछलकर 4,181 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है.

मॉयल का जुलाई में मैंगनीज अयस्क उत्पादन रिकॉर्ड 1.45 लाख टन रहा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल ने वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई में रिकॉर्ड 1.45 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है. ये अबतक का सर्वाधिक उत्पादन है और पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (सीपीएलवाई) के मुकाबले 12 फीसदी का इजाफा है.इस्पात मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि कहा कि सक्रिय मानसून के बाद भी मॉयल ने अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान मजबूत परिचालन का प्रदर्शन किया, जिससे उत्पादन सालाना आधार पर 7.8 फीसदी बढ़कर 6.47 लाख टन और बिक्री सालाना आधार पर 10.7 फीसदी बढ़कर 5.01 लाख टन हो गया है. इसके साथ ही अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग भी पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 11.4 फीसदी बढ़कर 43,215 मीटर हो गई है.मॉयल के सीएमडी अजीत कुमार सक्सेना ने कहा कि मॉयल ने जुलाई में रिकॉर्ड मैंगनीज का उत्पादन ऐसे समय पर हासिल किया है,

अडानी समूह ने बीवाईडी और बीजिंग वेलियन के साथ गठजोड़ से किया इंकार

समूह ने बीवाईडी और वेलियन से साझेदारी की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट को बताया भ्रामक

एजेंसी। नई दिल्ली

अडानी समूह ने सोमवार को ब्लूमबर्ग की प्रकाशित उस रिपोर्ट को भ्रामक बताया है, जिसमें यह दावा किया गया था कि समूह भारत में बैटरी निर्माण को बढ़ावा देने की रणनीतिक साझेदारी के लिए चीन की कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है. अडाणी समूह के प्रवक्ता ने बताया कि ब्लूमबर्ग की 4 अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में समूह और चीनी कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के बीच साझेदारी को लेकर दावा किया गया है. बयान के मुताबिक ये रिपोर्ट पूरी तरह से बेबुनियाद, भ्रामक और तथ्यों से परे है. अडाणी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवाईडी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी की संभावनाएं नहीं तलाश रहा है. इसी तरह बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ भी हमारा कोई संवाद या साझेदारी की योजना नहीं है. मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया था कि अडानी समूह भारत में बैटरी बनाने और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए चीनी इलेक्ट्रिक वाहन दिग्गज बीवाईडी कंपनी के साथ गठजोड़ की संभावना तलाश रहा है.

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक सोमवार से मुंबई में शुरू हो गई. एमपीसी की समीक्षा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक में लिए फैसलों की जानकारी 6 अगस्त को देंगे. रिजर्व बैंक एक बार फिर नीतिगत ब्याज दरों यानी रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है.आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ वॉर और ग्लोबल अनिश्चितता से सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी (ग्रोथ) पर असर पड़ सकता है. ऐसे में रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है, ताकि ग्रोथ को सपोर्ट मिल सके. रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेते हैं. आरबीआाई रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है,

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में भाजपा नीत राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया.

न्यूज अपडेट

हॉलीवुड अभिनेत्री लोनी एंडरसन का 79 वर्ष की आयु में हुआ निधन

लॉस एंजिल्स । हॉलीवुड अभिनेत्री लोनी एंडरसन का लंबी बीमारी के बाद 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया. उन्होंने लॉस एंजिल्स के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली. उनकी सबसे यादगार फिल्म डब्ल्यूकेआरपी इन सिनसिनाटी है. उन्होंने इस हास्य फिल्म में रिसेप्शनिस्ट जेनिफर मार्लो का किरदार निभाकर प्रशंसकों और फिल्म विशेषज्ञों का ध्यान खींचा था. फॉक्स न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, उनकी पूर्व प्रचारक चेरिल जे. कागन ने अभिनेत्री लोनी एंडरसन के निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है. एंडरसन के परिवार ने बयान में कहा, ₹हमें अपनी प्यारी पत्नी, मां और दादी के निधन की घोषणा करते हुए दुख हो रहा है.

पाकिस्तान के सिंध में अपराधों में शामिल 10 थाना प्रभारी निलंबित

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 10 थानाध्यक्षों (एसएचओ) को अपराधों में संलिप्त होने के कारण निलंबित कर दिया गया. सिंध पुलिस के महानिरीक्षक (आईजी) के निर्देश पर निलंबन और पदावनत की गाज हैदराबाद, कराची, संघार, कंबर शाहदादकोट, सुक्कुर और शिकारपुर थाना समेत 10 एसएचओ पर गिरी है. इन सभी पर सामाजिक अपराधों में लिप्त होने के अलावा कदाचार जैसे गंभीर आरोप हैं. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार निलंबित थानाध्यक्षों को कराची के गार्डन स्थित पुलिस मुख्यालय में ₹बी-कंपनी₹ में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है. ₹बी-कंपनी₹ पुलिस की अनुशासनात्मक इकाई है. यहां काली सूची में डाले गए या निलंबित किए गए कर्मियों को प्रतिदिन आठ घंटे निष्क्रिय रहने के लिए नियुक्त किया जाता है.

छत्तीसगढ़ में सीएएफ जवान ने खुद को गोली मार की आत्महत्या

कोंडागांव/रायपुर । छत्तीसगढ़ के कोंडगांव जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बयानार में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) कैंप में पदस्थ एक जवान ने देर रात अपनी सर्विस रायफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली. हालांकि अभी तक जवान के आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है. मृतक की पहचान प्लाटून कमांडर दिनेश सिंह चंदेल के रूप में हुए है. वह दुर्ग जिले के निवासी थे. घटना के तुरंत बाद पुलिस को सूचित किया गया, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया है. घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि जवान ने गोली चलाने से पहले पूरा घटनाक्रम खुद रिकॉर्ड किया.

नेतन्याहू दो बंधकों का वीडियो देख विचलित, रेडक्रॉस से की अपील

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में हमास के चंगुल में फंसे दो बंधकों की हालत देखकर आहत हैं. हमास के जारी वीडियो में अमानवीय स्थितियों में रखे गए बंधकों को देखकर विचलित नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस (आईसीआरसी) से तत्काल दखल देने का आग्रह किया है. सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास पर युद्धविराम समझौता न करने का आरोप लगाया है. उन्होंने अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस से अनुरोध किया है कि वह गाजा में बंधकों के लिए भोजन और चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराए. उन्होंने रेडक्रॉस यह आग्रह दो दुर्बल इजरायली बंधकों को दिखाने वाले वीडियो पर भड़के जनाक्रोश के बाद किया है.

पोलैंड एंबेसी के पास कांग्रेस की महिला सांसद की चेन झपट कर भागे

नई दिल्ली । नई दिल्ली जिले के चाणक्यपुरी स्थित पोलैंड एंबेसी के नजदीक स्कूटी सवार बदमाश कांग्रेस की महिला सांसद सुधा रामकृष्णन की सोने की चेन झपट कर फरार हो गया. घटना उस समय हुई जब वह तमिलनाडु की एक अन्य महिला सांसद के साथ सुबह की सैर पर निकली थीं. गवाहों के अनुसार, संदिग्ध स्कूटी चालक ने सांसद के निकट आकर धीमी गति कर वारदात को अंजाम दिया. चेन छीनने के बाद सांसद ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई, लेकिन आसपास मौजूद लोग असहाय बने रहे. उसी समय इलाके में गश्त कर रही दिल्ली पुलिस की इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल (ईआरवी) ने स्थिति को भांपा और घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली.

तेलंगाना कांग्रेस का तीन दिवसीय आंदोलन छह अगस्त से दिल्ली में

हैदराबाद । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंथ रेड्डी के नेतृत्व में 6 अगस्त को दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में भाग लेने के लिए तमाम राज्य कांग्रेस के कार्यकर्ता सोमवार को यहां से एक विशेष ट्रेन से रवाना हुए हैं. तेलंगाना कांग्रेस का तीन दिन का विरोध प्रदर्शन राज्य विधानमंडल से पारित पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी दिलाने की मांग को लेक करेगी. तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति ने एक बयान जारी कर बताया कि राज्य कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश की पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए 'चलो दिल्ली' का ऐलान किया है. 6 अगस्त को दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कांग्रेस नेता आज चेरलापल्ली से एक विशेष ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हुए.

इजराइल-अमेरिका हमास को समझौते के लिए देंगे चेतावनीः स्टीव विटकॉफ

वाशिंगटन । अमेरिका और इजराइल ने संकेत दिया है कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए हमास पर व्यापक समझौते के लिए कड़ी चेतावनी देंगे. अमेरिकी राष्ट्रपति डोलाल्ड जे. ट्रंप प्रशासन के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ ने सप्ताहांत बंधकों के परिवारों के साथ बैठक में यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि अगर आतंकी सूमह हमास इसके लिए तैयार नहीं होता तो इजराल उसके खिलाफ सैन्य अभियान को और तेज करेगा. द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ की बंधकों के परिवारों के साथ बैठक की ऑडियो रिकॉर्डिंग में साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार अमेरिका और इजराइल आर या पार की दिशा में आगे बढ़ते दिख रहे हैं. गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के समझौते पर महीनों से चल रही बातचीत में आए गतिरोध के बीच अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए व्यापक समझौते पर कठोर रुख अपनाएंगे. स्टीव विटकॉफ ने कहा,हमारा मानना है कि हर कोई (बंधक) घर लौटेगा. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति ट्रंप एक ऐसे समझौते पर काम कर रहे हैं जो हमास को चेतावनी देगा कि वह शेष बंधकों को रिहा करे और उन शर्तों पर सहमत हों जो समूह को निरस्त्र करेंगी, अन्यथा इजराइल का सैन्य अभियान और तेजी के साथ शुरू होगा. द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हमास के अधिकारी महमूद मर्दवी ने कहा कि समूह को अभी तक किसी व्यापक समझौते का प्रस्ताव नहीं मिला है.

बीएचयू ट्रामा सेंटर के पास तक पहुंचा बाढ़ का पानी

वाराणसी के शहरी इलाकों के कई घरों में पहुंचा पानी

एजेंसी ।वाराणसी

पहाड़ों और मैदानी इलाकों में भारी बारिश से उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी विकराल रूप धारण किये है. गंगा की रौद्र लहरें खतरे के निशान 71.26 मीटर को दो दिन पहले ही पार कर बाढ़ के उच्चतम बिंदु 73.901 मीटर तक पहुंच चुकी है. गंगा का पानी शहरी इलाकों तक पहुंच कर घरों में घुसने लगा है जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं. मणिकर्णिका घाट पर शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाना पड़ रहा है.

बाढ़ में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क है. प्रभावित इलाकों में राहत व बचाव कार्य चलाया जा रहा है. केन्द्रीय जल आयोग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को वाराणसी में गंगा का जलस्तर 72 मीटर पार कर गया. सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 72.03 मीटर दर्ज किया गया. जलस्तर में लगातार औसतन एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की वृद्धि हो रही है. बीते 24 घंटों में गंगा 57 सेंटीमीटर चढ़ी है. गंगा का पानी घाटों को पार करने के बाद अब शहरी इलाकों में घुसने लगा है. दशाश्वमेध, शीतला घाट से होते हुए पानी चितरंजन पार्क, सामने घाट से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, गंगोत्री विहार, नगवा और सामनेघाट की कालोनियों तक पहुंच गया है. इन क्षेत्रों में घुटनों से ऊपर जलभराव हो चुका है. मणिकर्णिका घाट की गलियों में नावें चल रही हैं और शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाया जा रहा है. हरिश्चंद्र घाट पर भी अंतिम संस्कार गलियों में किया जा रहा है, जिससे धार्मिक कार्यों में भारी दिक्कतें पेश आ रही हैं. नगवा के संतोष पांडेय, राजकुमार व विनोद गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2019 के बाद सामने घाट की सड़कों से लेकर ट्रॉमा सेंटर तक बाढ़ का पानी आया है. पूरी सड़क डूब गई है. इन इलाकों में बाढ़ का पानी घरों में घुसने लगा है. दुकान और कारोबार ठप हैं.

तहसील सदर के 32 गांव और 24 शहरी मोहल्ले बने 'टापू' : जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, तहसील सदर के 32 गांव बाढ़ की चपेट में आकर टापू में तब्दील हो चुके हैं. इनमें रामपुर ढाब, रामचंदीपुर, मुस्तफाबाद, छितौना, जाल्हूपुर, लुठा, अम्बा, शिवदसा, गोबरहा, मोकलपुर, हरिहरपुर, राजापुर, तातेपुर, बभनपुरा, कुकुढ़ा, बर्थरा कला, धोबही, श्रीष्टि, रैमला, सेहवार, चांदपुर, पिपरी, डुडुवा, कैथी, टेकुरी, बर्थरा खुर्द, लक्ष्मीसेनपुर, धरहरा, रमना, टेकरी, नरोत्तमपुर और तारापुर है. इन गांवों में फसलें पूरी तरह से जलमग्न हो चुकी हैं और कृषि कार्य ठप हो गया है. इसी तरह, शहर के 24 मोहल्ले गंगा और वरूणा नदियों की बाढ़ से घिर गए हैं. इनमें सलारपुर, सरैया, नक्खी घाट, दानियालपुर, कोनिया, ढ़ेलवरिया, पुल कोहना, सारनाथ, रसूलगढ़, नगवां, हुकुलगंज, अस्सी, पुष्कर तालाब, सिकरौल, पैगम्बरपुर, तपोवन, रूप्पनपुर, सराय मोहना, कपिल धारा, बघवा नाला, मौजा हाल, डोमरी, सूजाबाद, दशाश्वमेध इलाके में बड़ी आबादी बाढ़ से प्रभावित हैं. कई स्थानों पर अब सड़कों पर नावें चलने की नौबत आ गई है.

प्रभावित इलाकों से पलायन शुरू, प्रशासन अलर्ट : हालात बिगड़ते देख लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने लगे हैं. शहर का जनजीवन थम सा गया है. वहीं, बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क है. मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, जल पुलिस और राहत एजेंसियां सक्रिय हैं. प्रभावित इलाकों में राहत व बचाव कार्य तेजी से चल रहा है. गंगा में बढ़ते जलस्तर के कारण सहायक नदी वरूणा भी उफान पर है, जिससे तटवर्ती इलाकों की स्थिति और खराब हो गई है.

यमन में 157 लोगों को लेकर जा रही नाव डूबी, 75 की मौत

एजेंसी ।सना

यमन के दक्षिणी प्रांत अबयान के तट पर रविवार को खराब मौसम के दौरान लगभग 157 लोगों को ले जा रही एक नाव डूब गई. खोज एवं बचाव दल में शामिल गोताखोरों ने अब तक 75 शव निकाले हैं. बाकी लोगों की तलाश की जा रही है. अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के यमन प्रमुख ने पहले इस दुर्घटना में कम से कम 68 प्रवासियों की मौत की सूचना दी थी. वैश्विक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईओएम के यमन प्रमुख ने कहा था कि 68 लोगों की मौत हो गई है और 12 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन दर्जनों लोग लापता हैं. अधिकतर पीड़ित इथियोपियाई नागरिक बताए जा रहे हैं.

सनद रहे अफ्रीकी खाड़ी देशों में काम की तलाश में आने वाले प्रवासियों के लिए यमन प्रमुख मार्ग है. आईओएम का अनुमान है कि हाल के महीनों में जहाज और नावों के डूबने से सैकड़ों लोग मारे गए या लापता हो गए. इस बीच, यमन के सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को कुछ वैश्विक संचार माध्यमों को बताया कि इस नौका दुर्घटना में कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग लापता हैं. अदन की खाड़ी में जहाज के मलबे से 76 शव बरामद किए गए हैं और 32 लोगों को बचा लिया गया हैं. संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी ने बताया कि नाव पर 157 लोग सवार थे. इस बीच अमन के सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है. तट के एक बड़े हिस्से से कई शव मिले हैं.

आईओएम यमन प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव ने कहा कि नाव विशाल तटीय क्षेत्र में एक खतरनाक रास्ते पर थी. इस रास्ते का इस्तेमाल अकसर मानव तस्कर करते हैं. एसोव ने तस्करों के शोषण से बचने के लिए प्रवासियों के लिए कानूनी सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया है. आईओएम का कहना है कि मार्च में 180 से ज्यादा प्रवासियों को ले जा रही दो नावें यमन के धुबाब जिले के तट पर डूब गई थीं. इन लोगों में से केवल चालक दल के दो सदस्यों को ही बचाया जा सका था.

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा

राहुल गांधी भारतीय नहीं, पाकिस्तान और बांग्लादेशी सोच के हो गए हैं

एजेंसी ।तामुलपुर (असम)

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर करारा हमला करते हुए उन्हें भारत विरोधी बताया और आरोप लगाया कि उनकी सोच भारतीय मूल्यों की बजाय पाकिस्तान और बांग्लादेश की मानसिकता से मेल खाती है. मुख्यमंत्री ने सोमवार को बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) के तामुलपुर में भाजपा की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ₹राहुल गांधी भारत के हिंदुओं और मुसलमानों के साथ नहीं हैं. वह भारत के साथ नहीं हैं. यह बयान उस वक्त आया जब भाजपा 'बीजेपी फार प्रोग्रेसिव बीटीआर' नामक अभियान के तहत बीटीआर क्षेत्र के चारों जिलों - कोकराझाड़, बाक्सा, चिरांग और उदालगुड़ी में सघन जनसंपर्क कर रही है. इस चुनावी अभियान की अगुवाई स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया कर रहे हैं. मुख्यमंत्री के बयान का समर्थन करते हुए अन्य भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर सीएए और बेदखली अभियान का विरोध कर अतिक्रमणकारियों को प्रोत्साहित करने और क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया. पार्टी की सख्त बेदखली नीति को विशेष रूप से अतिक्रमण प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है.

फिलीपींस के राष्ट्रपति आर मार्कोस भारत आये

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस सोमवार को भारत की राजकीय यात्रा पर पहुंचे. विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने उनका एयरपोर्ट पर स्वागत किया. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर बताया कि भारत और फिलीपींस अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं. इस यात्रा से दोनों देशों के संबंधों को और मजबूती मिलेगी. राष्ट्रपति मार्कोस 4 से 8 अगस्त तक भारत में रहेंगे. इस दौरान राष्ट्रपति मार्कोस के साथ उनकी पत्नी लुइस अरानेटा मार्कोस और उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है. राष्ट्रपति मार्कोस बेंगलुरु का भी दौरा करेंगे.

कोलकाता में हिंदू युवती से लगवाए अल्लाह -हू-अकबर के नारे, वीडियो हुआ वायरल

मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा हुई हमलावर

एजेंसी ।कोलकाता

दक्षिण कोलकाता स्थित प्रसिद्ध रवींद्र सरोवर के पास रविवार शाम कुछ मुस्लिम युवतियों ने 'अल्लाह हू अकबर' का नारा लगाते हुए एक हिंदू युवती से भी यह नारा लगवाने के लिए बाध्य करने की कोशिश की. वहीं इसका विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई. इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बंगाल की राजनीति में हलचल मच गई है. हालांकि, इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है और हिन्दुस्थान समाचार भी इसकी पुष्टी नहीं करता है. इस दो मिनट नौ सेकंड के वायरल वीडियो में एक युवती ने दावा किया कि रविवार की शाम वह अपने कुछ दोस्तों के साथ रवींद्र सरोवर घूमने गई थीं. वहां मुस्लिम समुदाय के एक समूह ने धार्मिक नारे लगाने शुरू किए और उन्हें भी ऐसा करने को कहा. युवती के मना करने पर उसे कथित रूप से पीटा गया, जिसके बाद दोनों पक्षों में बहस और कहासुनी हुई. वीडियो में युवती पूछती है, हम कहां रह रहे हैं? क्या यह बांग्लादेश है? क्या हम ढाकुरिया लेक भी नहीं जा सकते? वहीं, इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए मेघालय के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने सोशल मीडिया पर लिखा, गंभीरता से पूरा वीडियो देखें. अपनी जान, सम्मान और सबसे बढ़कर हिंदू अस्मिता की रक्षा के लिए घृणा करना सीखना होगा. कम्युनिस्ट वर्ग संघर्ष की घृणा सिखाते हैं, मुसलमान गैर-मुस्लिमों और मूर्ति-पूजकों के प्रति घृणा सिखाते हैं. इसका प्रतिकार भी प्रतिघृणा से ही हो सकता है, गांधीवादी नपुंसक अहिंसा से नहीं.

मणिपुर : पुलिस ने एक 9 मिमी पिस्तौल, एक मैगजीन और एक कारतूस भी बरामद किया

प्रतिबंधित संगठनों के 8 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर में उग्रवादी संगठनों के खिलाफ चलाए जा रहे समन्वित अभियान के तहत सुरक्षा बलों ने चार प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 8 उग्रवादियों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया है. पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, केसीपी (पीडब्ल्यूजी) संगठन के 5 उग्रवादियों को इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व और बिष्णुपुर जिलों के अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया.

गिरफ्तार किए गए आरोपितों में एम प्रेमकुमार सिंह (28), यामबेम शीतल सिंह (39), सोरोखैबम इनाओटन सिंह (38), खोन्गबंताबम इनाओचा देवी (52) और ओइनम नौबा सिंह (18) शामिल हैं. इन पर फिरौती वसूली, फायरिंग, अपहरण और अवैध हथियार रखने जैसे आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का संदेह है. पुलिस ने इनके पास से एक 9 मिमी पिस्तौल, एक मैगजीन और एक कारतूस भी बरामद किया. एक अन्य छापेमारी में, केसीपी (तैबंगनबा) के कैडर हेसनाम बोबो सिंह (37) को इम्फाल पश्चिम के हाओबम मरक इलाके स्थित उसके घर से पकड़ा गया. वह शैक्षणिक संस्थानों को धमकाने और धन उगाही करने में शामिल था. इसके अलावा, इम्फाल पूर्व के इत्थम थोंगखोंग से प्रीपैक (प्रीपाक) संगठन से जुड़े सोरोखैबम रोहित मैतेई (24) को गिरफ्तार किया गया. वहीं लामलाई छिंगखू इलाके में घर के पास खेत से केसीपी (नॉयोन) के संदिग्ध उग्रवादी नेप्रम हरि मैतेई (19) को भी पुलिस ने हिरासत में लिया. पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तार उग्रवादी गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त थे और उनके नेटवर्क तथा संचालकों का पता लगाने के लिए जांच जारी है.

गड़बेता में रेल पटरी पर धमाका, नई दिल्ली -हावड़ा राज. एक्स बची

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के जंगलगमहल क्षेत्र स्थित गड़बेता रेलवे स्टेशन के पास रेल पटरी पर हुए विस्फोट से हड़कंप मच गया. घटना रविवार देर शाम की है लेकिन रेलवे प्रशासन ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की है. जबकि विस्फोट से कुछ मिनट पहले ही नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन यहां से गुजरी थी. घटना की जानकारी के बाद रेलवे अधिकारियों के साथ फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई थी. फिलहाल, इस घटना में किसी के भी घायल होने की खबर नहीं है. रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम 4:12 बजे नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस गड़बेता रेलवे स्टेशन से गुजरने के कुछ देर बाद ही धमाका हुआ.

लोस की कार्यवाही व्यवधान के चलते दिनभर स्थगित रही

एजेंसी ।नयी दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के 11वें दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के व्यवधान के चलते पहले दो बजे और बाद में दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी. सरकार आज सदन में खेलों से संबंधित विधेयक लाई थी. लोकसभा में दोपहर को कार्यवाही शुरु होने पर पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल की ओर से खेल से जुड़े विधेयक का पारित करने में सहयोग की अपील की गई. संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने भी यही आग्रह किया. उन्होंने कहा कि विपक्ष ने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में दो दिन खेलों से जुड़े विधेयक पर चर्चा कराए जाने पर सहमति दी थी, लेकिन आज सदन में आने पर हंगामा कर रहे हैं. खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी विधेयकों के महत्व को रेखांकित करते हुए इन्हें पारित कराए जाने की अपील की. हालांकि हंगामा जारी रहा और कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई. इसी बीच पीठासीन अधिकारी ने सदन को सूचित किया कि अध्यक्ष ओम बिरला से सदस्य आर सुधा मिली थीं. उन्होंने दिल्ली पुलिस से उनके मामले में कार्रवाई करने को कहा है. सदन की सदस्य आर सुधा के सुबह की सैर के दौरान दो स्कूटी सवार बदमाशों ने उनकी सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए. उल्लेखनीय है कि आज मानसून सत्र के तीसरे की शुरुआत में अबतक केवल ऑपरेशन सिंदूर और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाये जाने से जुड़े प्रस्तावों पर ही चर्चा हुई है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.